

सामान्य प्रशासन

1.0 सामान्य

हम भाग्यशाली हैं कि हम समय के उस रोमांचक दौर का हिस्सा हैं, जब भारतीय अर्थव्यवस्था में दिन दूनी रात चौगुनी वृद्धि हो रही है। यातायात क्षेत्र की प्रगति प्रत्यक्ष रूप से अर्थव्यवस्था की वृद्धि से जुड़ी हुई है और भारतीय रेलवे में इस तथ्य को साफ तौर पर देखा जा सकता है। प्रकृति के अनुसार भारतीय रेलवे पर यात्री यातायात में पिछले वर्ष की तुलना में मार्च 2011 तक 6% से भी अधिक वृद्धि हुई है। परिणामस्वरूप यात्री वहन क्षमताओं को बढ़ाने पर दिन प्रतिदिन दबाव बढ़ता जा रहा है। तेजी से बढ़ रही इस माँग को पूरा करने के लिए रेलवे बोर्ड द्वारा चल स्टॉक की निर्माण क्षमता को बढ़ाने हेतु बहुत सी नई परियोजनाओं पर विचार किया जा रहा है, परंतु अधिकांश परियोजनाओं को अभी मूर्त रूप देना है। इस स्थिति में वर्तमान उत्पादन इकाइयों के लिए यह आवश्यक है कि वे उपलब्ध संसाधनों का पूर्ण रूप से उपयोग करें।

रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला ने भारतीय रेल की प्रमुख रेल डिब्बा निर्माण इकाई होने के कारण बढ़त लेते हुए रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित चुनौतियों को पूरा किया है। आरसीएफ ने केवल निर्माण मात्रा में ऊँचाइयों को ही नहीं प्राप्त किया है, बल्कि नए उत्पादों का भी विकास किया है जो भारतीय रेल पर भारतीयों के यात्रा करने के अंदाज को बदल सकता है।

आरसीएफ 1988 में आरंभ से आज तक आशाओं पर खरा उतरा है और भारतीय रेल पर प्रयोग किए जा रहे आधे से अधिक यात्री डिब्बे आरसीएफ द्वारा निर्मित हैं। भारतीय जन को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की यात्रा का अनुभव कराने के लिए कुछ वर्षों पहले यहाँ स्टेनलेस स्टील के विश्व स्तरीय डिब्बों का निर्माण आरंभ किया गया। इन डिब्बों की गति तीव्र (180 कि.मी. प्रति घंटा), यात्री वहन क्षमता अधिक, दिखने में आकर्षक तथा इनके डिजाइन में उत्कृष्ट संरक्षा विशेषताओं को शामिल किया गया है। यद्यपि स्वेदेशीकरण होने के कारण इन कोचों की लागत इनकी मूल लागत से एक तिहाई कम हो गई, तथापि ये डिब्बे कंवेशनल डिब्बों से 50 से 80% तक महंगे हैं। इन कोचों की लागत अधिक होने के कारण केवल महत्वपूर्ण गाड़ियों जैसे राजधानी और शताब्दी एक्सप्रेस में ही लगाया गया। अतः 2009 तक रेडिका द्वारा प्रत्येक वर्ष इस प्रकार के 100 डिब्बों का ही निर्माण किया जा रहा था, परंतु इस उत्कृष्ट तकनीक का

लाभ बड़े स्तर पर उठाने हेतु वर्ष 2009 में पूर्णतः स्टेनलेस स्टील डिब्बों का निर्माण करने का निर्णय लिया गया।

लागत में कमी लाने के लिए, आरंभिक तौर रेडिका में ही हाइब्रिड डिब्बे विकसित किए गए जिनमें कंवेशनल ICF बोगियों पर स्टेनलेस स्टील के शैल लगाए गए। 410 कोचों का निर्माण हो जाने के बाद रेलवे बोर्ड द्वारा इन हाइब्रिड कोचों का निर्माण रोकने का निर्णय लिया गया, क्योंकि हाई स्पीड फिएट बोगी की उत्कृष्ट संरक्षा विशेषताओं का लाभ इन डिब्बों में नहीं मिल रहा था। इसलिए रेडिका द्वारा वर्ष 2010-11 के मध्य में ही हाइब्रिड डिब्बों का निर्माण बंद कर दिया और अब केवल टेक्नोलॉजी वर्शन का ही निर्माण किया जा रहा है। यद्यपि इस डिजाइन के निर्माण में हर तरह से कड़े श्रम की आवश्यकता होती है फिर भी रेडिका ने स्टेनलेस स्टील डिब्बों के निर्माण में काफी वृद्धि की और 2010-11 में 458 कोचों का निर्माण लक्ष्य रखा गया। यह इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि वर्ष के दौरान अब तक का 1576 डिब्बों का उच्चतम निर्माण किया गया।

आरसीएफ से हमेशा बढ़ती हुई अपेक्षाएं रखते हुए रेलवे बोर्ड ने एक और चुनौती दी, जब सुश्री ममता बनर्जी, माननीय रेल मंत्री ने रेल बजट 2009 में एक वातानुकूलित डबल डैकर डिब्बा विकसित करने के स्वप्न की घोषणा की। रेडिका ने RDSO के साथ मिलकर इस चुनौती को स्वीकार किया और अचम्भित करते हुए 31 मार्च 2010 को विश्वस्तरीय वातानुकूलित डबल डैकर डिब्बे के प्रोटोटाइप को केवल 9 महीनों में नई दिल्ली में प्रदर्शित कर स्वप्न को यथार्थ में बदल दिया। ऑसीलेशन के सफल परीक्षण के बाद, डबल डैकर का पहला रैक अक्तूबर - 2010 में हावड़ा और धनबाद के बीच चलने के लिए रवाना किया गया।

नए डबल डैकर डिब्बों में बहुत सी उत्कृष्ट तकनीकी विशेषताएं हैं जैसे मजबूत और हल्की स्टेनलेस स्टील बॉडी, बेहतर व आरामदायक यात्रा के लिए न्यूमैटिक सस्पेंशन वाली हाई स्पीड फ्रेम बोगी, क्रैशवर्दी शैल डिजाइन और बहुत से अन्य संरक्षा से संबंधित विशेषताएं। इसकी सीटें आमने-सामने लगाई गई हैं ताकि यात्री अपने परिवार के साथ यात्रा का आनंद ले सकें। बेहतर संरक्षा के लिए, इन सीटों पर अग्निरोधी गद्दे लगाए गए हैं। इन डिब्बों में FRP पेनालिंग वाली खूबसूरत आंतरिक सज्जा, अति मजबूत ग्लास पेंट्स वाले

अल्यूमीनियम के लगेज रेक और कई नई विशेषताएं जैसे कंट्रोल डिस्चार्ज टैप वाली मोड्यूलर लेवेटॉरीज हैं।

प्रत्येक डिब्बे में कुछ और बेहतरीन विशेषताएं जैसे GPS आधारित इलैक्ट्रॉनिक यात्री सूचना प्रणाली, प्रोग्राम किए जा सकने वाले LED आधारित डेस्टीनेशन बोर्ड, ऑटोमैटिक स्लाइडिंग डोर (बटन दबाने पर) और रिवर्स ऑसमोसिस आधारित जल शोधन प्रणाली उपलब्ध करवाई गई है। अधिक ऊंचाई और प्लेटफार्म तल पर स्थान के प्रयोग को लेकर कुछ MMD मामले उभर आए थे, परंतु RDSO और रेलवे बोर्ड के हस्तक्षेप से अधिकांश मामले सुलझ गए हैं। इन डिब्बों के अधिकांश वैधता परीक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए गए हैं और इनके लिए कमिशनर, रेल संरक्षा से क्लीयरेंस अतिशीघ्र मिलना संभावित है।

आरसीएफ ने दुरोंतो गाड़ी के लिए आवश्यक डिब्बों का निर्माण किया है। इन्हें अंदर से उत्कृष्ट ढंग से सजाया गया है और बाहर आंखों को लुभाने वाले विनायल रेप लगाए गए हैं। परीक्षण के लिए नैनोकोटिंग वाले पेंटलेस स्टील डिब्बों का निर्माण किया गया जो रख रखाव प्रयासों एवं मूल्य में कमी के साथ-साथ उनके रूप में भी परिवर्तन ला सकते हैं। आरसीएफ ने DRDE तकनीक पर आधारित बायोडाइजेस्टर का विकास किया और डाइजेस्टर टायलेट सहित फिट किया गया पहला रेक जनवरी 2011 में सेवा में लगाया गया। यह Zero डिस्चार्ज टॉयलेट हैं और ये वेस्ट को डिंपोज करने हेतु बैक्टीरिया का प्रयोग करते हैं। परिचालन के दौरान इनकी कार्यकुशलता के परिणामों से आगे की कार्रवाई संबंधी निर्णय लेने में सहायता मिलेगी।

स्टेनलेस स्टील डिब्बों में झटकों की समस्या को समाप्त करने हेतु स्वीडन के मैसर्स डैलनर की सहायता से कपलर के नए डिजाइन का विकास किया गया है। इन कपलरों वाला पहला रेक सिकंदराबाद और मुंबई के बीच चलने हेतु रवाना किया जा चुका है। नए डिजाइन से इस समस्या का लगभग निपटारा हो जाने की संभावना है।

1000 हजार डिब्बों से 1500 डिब्बे क्षमता विस्तार करने की प्रतिवर्ष परियोजना लगभग पूरी हो चुकी है और अब रेडिका में समेकित करने की अवस्था आ गई है। जहां नई बनाई परिसंपत्तियों को उपलब्ध संरचना के साथ जोड़ा जा रहा है। इससे रेडिका को निर्माण विशेषकर स्टेनलेस स्टील डिब्बों के निर्माण में वृद्धि करने में सहायता मिलेगी।

भारतीय रेलवे की आवश्यकताओं का ध्यान रखना आरसीएफ का मुख्य कार्य है, परंतु अद्यतन तकनीकी विकास के साथ तालमेल बिठाए रखने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाने

हेतु यह निर्यात बाजार में निरंतर कदम बढ़ा रहा है। वर्तमान में विकासशील अफ्रीकी देशों को राइट्स के माध्यम से MG कोचिंग स्टॉक का छोटा आर्डर पूरा किया गया है। हाल ही में बंगला देश ने भी आरसीएफ से रोलिंग स्टॉक प्राप्त करने में रूचि प्रकट की है।

सूचना प्रौद्योगिकी में अपनी बढ़त कायम रखते हुए आरसीएफ ने पूर्ण रूप से विकसित LAN के द्वारा प्रबंधन में कई नए परिदृश्य शामिल किए हैं जो कि प्रत्येक तकनीकी अनुभागों से जुड़े होने के अतिरिक्त प्रत्येक गैर तकनीकी कर्मचारी को अपने निजी PC पर कार्यालय के कार्य को आसानी से करने की सुविधा प्रदान करते हैं। भंडार खरीद प्रणाली में ई-प्रमाण पूर्ण रूप से आरंभ हो गया है और इससे कार्यकुशलता और पारदर्शिता बढ़ी है।

आरसीएफ में OHSAS-18000 प्रणाली के अंतर्गत कार्य के दौरान संरक्षा को महत्व दिया जाता है। कार्य के दौरान कुशल एवं संरक्षित वातावरण उपलब्ध करवाने हेतु 5-S प्रभावीकरण किया जाता है जो कि कार्य स्थल में प्रबंधन तकनीक को सुधार करके उत्पादकता को बढ़ाने हेतु जापानी अवधारणा है। मानकों को बनाए रखने हेतु नियमित लेखा परीक्षक की जाती है।

समाजिक विकास की अपनी वचनबद्धता पर कायम रहते हुए आरसीएफ ने विभिन्न खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में उपलब्धियां प्राप्त करके अपने क्षितिज में विस्तार किया है। विश्व स्तरीय खेल इंफ्रास्ट्रक्चर वाले शांत वातावरण में इसके अंतर्राष्ट्रीय क्षमता वाले समर्पित और प्रशिक्षित खिलाड़ियों ने एक के बाद एक अपनी धाक जमाई है। वर्ष 2010-11 में आर सी एफ की 4 महिला खिलाड़ियों ने कामनवेल्थ और एशियन खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया। अपनी परंपरा के अनुरूप रेडिका ने बहुत सी सांस्कृतिक गतिविधियों में भी अपना उच्चतम स्थान बनाए रखा। आरसीएफ ने भारतीय रेल की रोलिंग स्टॉक की समृद्ध विरासत को बनाए रखने हेतु नए रेलवे हैरीटेज पार्क का विकास किया है। विभिन्न गेजों के विरासती डिब्बों को पर्यटकों के लिए प्रदर्शित किया गया है।

इस संगठन द्वारा कर्मचारियों तथा उनके परिवार के कल्याण की कभी अनदेखी नहीं की गई है। आरसीएफ परिसर के निवासियों को उत्कृष्ट नागरिक सुविधाएं प्राप्त हैं। आरसीएफ के रेलवे अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाएं शेष भारतीय रेलवे के लिए मानक हैं और विभिन्न क्षेत्रीय रेलवे के चिकित्सा अधिकारी इस प्रणाली को अपने यहां लागू करने हेतु अकसर यहां का दौरा करते हैं।

आरसीएफ महिला कल्याण संगठन, स्काउट्स एवं गाइड्स और नवस्थापित सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड प्राकृतिक आपदा जैसे बाढ़ आदि के दौरान जरूरतमंद लोगों के पास पहुंच कर और लोगों को दवा, भोजन तथा कपड़ों से मदद करने को सदा तत्पर रहते हैं।

आरसीएफ में पर्यावरण सुरक्षा और संसाधनों की संरक्षा के लिए किए जा रहे अनेक प्रयासों को स्वतंत्र संस्थाओं से भी मान्यता मिली है। कुछ समय पहले ही इसको विश्व पर्यावरण संस्था द्वारा पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्रतिष्ठित गोल्डन पीकॉक पुरस्कार दिया गया और साथ ही एक और प्रतिष्ठित ग्रीनटैक एन्वायरमेंट एक्सलेंस पुरस्कार प्रदान किया गया। यह उपलब्धियां आरसीएफ को वैश्विक चुनौती के लिए अधिक

जिम्मेवार बनाती हैं और कार्बन फुटप्रिंट कम करने के इसके प्रण को ISO-14001 के अधीन प्रभावित प्रबंधन नीति में शामिल किया गया है।

यह संगठन अपनी उपलब्धियां पर संतुष्ट होकर बैठ जाने की बजाए अपने संसाधनों का पूर्ण प्रयोग करके और अपनी मानव पूंजी से कुशलता से कार्य लेकर आगामी स्तर का कार्य करने के लिए दृढ़ संकल्प है। यह अपनी उम्मीदों पर खरा ही नहीं उतरेगा बल्कि अपने भागीदारों की आकांक्षाओं से भी आगे जाएगा। स्वस्थ वातावरण तैयार करके जोकि अपने कर्मचारियों में उत्साह और नवचेतना बढ़ाता है, आरसीएफ अपने सुनहरे भविष्य के लिए तैयार है।

जनसंपर्क एवं प्रचार

1.0 आयोजन

1.1 रेलवे सप्ताह

दिनांक 16.04.2010 को रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला में 56 वां रेलवे सप्ताह बड़े जोश के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 122 अधिकारियों/कर्मचारियों को वर्ष 2010-11 के दौरान उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर रंगा-रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी पेश किया गया।

1.2 स्वतंत्रता दिवस

रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला में स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति की भावना और गर्व के साथ मनाया गया। हजारों आरसीएफ कर्मचारियों तथा उनके परिवार के सदस्यों ने इसमें भाग लिया। बच्चे मोटर साइकिल सवारी के करतब और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियां देखकर रोमांचित हुए। महिला कल्याण संगठन आरसीएफ के सदस्यों ने रेलवे अस्पताल का दौरा किया और भर्ती मरीजों को फल तथा मिठाइयां बांटी तथा उनके प्रति सहानुभूति प्रकट की। इस अवसर पर प्रशासनिक भवन और झील परिसर को त्योहार की तरह सजाया गया।

1.3 गणतंत्र दिवस

रेल कोच फैक्टरी में गणतंत्र दिवस बड़े जोश एवं उत्साह के साथ मनाया गया। आरसीएफ कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्यों ने हजारों की संख्या में इसमें भाग लिया। बच्चों ने स्कूलों द्वारा पेश किए गए विभिन्न नृत्यों के अतिरिक्त साहसी खेलों तथा डॉग शो का आनंद उठाया। इस अवसर पर आर सी एफ महिला कल्याण संगठन के सदस्यों ने आरसीएफ अस्पताल का दौरा किया और भर्ती मरीजों को फल तथा उपहार बांटे।

2.0 दौरे

2.1 सदस्य यांत्रिक द्वारा आरसीएफ का दौरा

श्री संजीव हांडा, सदस्य यांत्रिक रे.बो. ने दिनांक 26 एवं 27 मई 2010 को आरसीएफ का दौरा किया। सदस्य यांत्रिक ने नई पेंट शॉप तथा एक्सपेंशन बे ऑफ फर्निशिंग शॉप जिसका निर्माण क्षमता कोचों के निर्माण क्षमता बढ़ाकर 1500 कोच प्रतिवर्ष करने हेतु किया गया है, का उद्घाटन किया। सदस्य यांत्रिक ने दिनांक 27 मई 2010 को वातानुकूलित डबल डेकर कोच की निर्माण श्रृंखला का उद्घाटन किया। उन्होंने आरसीएफ कर्मियों को एलएचबी टाइप स्टेनलेस स्टील कोचों के निर्माण करने पर बधाई दी। ये कोचें संरक्षा के तौर पर बेहतर हैं और दुर्घटनाओं के समय कम से कम लोग घायल होते हैं जैसा कि हाल ही की दो राजधानी गाड़ियों की डीरेलमेंट में देखा गया है।

2.2 बांग्लादेश रेलवे प्रतिनिधि मंडल द्वारा आरसी एफ का दौरा

दिनांक 4 सितम्बर 2010 को बांग्लादेश के उच्च स्तरीय प्रतिनिधि मंडल द्वारा समाधान हेतु आरसीएफ का दौरा किया गया। टीम ने वर्कशाप का दौरा किया और आरसीएफ की निर्माण क्षमताओं में गहरी रूचि प्रकट की। उन्हें डिजाइन संबंधी और आरसीएफ के स्टेनलेस स्टील कोचों के बढ़ते अनुभवों से अवगत कराया गया। प्रतिनिधि मंडल की प्रतिक्रिया सकारात्मक थी।

अपनी रेल सर्विस की आवश्यकताओं के लिए कम लागत के समाधान की तलाश में दिनांक 12 जनवरी को बांग्लादेश के प्रतिनिधि मंडल ने आरसीएफ का पुनः दौरा किया। टीम ने वर्कशाप का दौरा किया और आरसीएफ की निर्माण क्षमताओं में गहरी रूचि दिखाई। उन्हें डिजाइन संबंधी और आरसीएफ के स्टेनलेस स्टील कोचों के बढ़ते अनुभवों से अवगत कराया गया। प्रतिनिधि मंडल की प्रतिक्रिया सकारात्मक थी।

2.3 चेक गणराज्य रिपब्लिक प्रतिनिधि मंडल द्वारा आर सी एफ का दौरा

चेक गणराज्य के उप यातायात मंत्री श्री IVO Vykydal ने भारत में चेक गणराज्य के राजदूत श्री Miloslav Stasek सहित दिनांक 27 अक्टूबर 2010 को आरसीएफ का दौरा किया। उनके साथ उच्च स्तरीय व्यापार मंडल था जो भारतीय रेलवे के साथ व्यापार की संभावनाओं की तलाश में था। आरसीएफ में उपलब्ध अवसंरचना एवं तकनीक की सराहना करते हुए प्रतिनिधि मंडल ने भारतीय रेलवे को बहुत सी मदें जोकि अभी तक ग्लोबल टेंडर से खरीदी जाती है की आपूर्ति करने में रूचि प्रकट की।

3.0 प्रदर्शिनियां

3.1 CII स्टील मार्ट 2010 में भाग लेना

आरसीएफ ने दिनांक 10 से 11 सितम्बर 2010 तक चंडीगढ़ में आयोजित दो दिवसीय CII स्टील मार्ट 2010 में भाग लिया। इस कांफ्रेंस का विषय ' इमर्जिंग अपच्यूनिटीज एवं चैलेंजेस कंट्रोलिंग स्टील इंडस्ट्रीज ' था। इसकी अध्यक्षता माननीय स्टील मंत्री श्री वीरभद्र सिंह ने की। आरसीएफ के महाप्रबंधक श्री प्रदीप कुमार ने ' भारतीय रेलवे में स्टील की मांग' पर प्रस्तुती दी। इस प्रदर्शनी में आरसीएफ को अच्छी प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

3.2 आरसीएफ ने HTF-2010 में भाग लिया

आरसीएफ ने प्रगति मैदान नई दिल्ली में दिनांक 14 से 27 नवम्बर 2010 तक आयोजित अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में भाग लिया और अच्छा प्रदर्शन किया। हजारों दर्शकों के लिए डबल डेकर का मॉडल आकर्षण का केन्द्र था। उन्होंने भारतीय रेलवे द्वारा विकसित नई तकनीक की झलक देखी।

4.0 प्रचार

सभी नए विकास कार्य एवं गतिविधियां प्रकाशनों और त्रैमासिक समाचार बुलेटिन जिसे आरसीएफ न्यूज लैटर कहते हैं, द्वारा प्रकाशित की जाती है। विभिन्न उत्पादों के फोटोग्राफ और डाटा आरसीएफ के विभिन्न स्थानों पर फ्लैक्सी बोर्ड द्वारा प्रकाशित किए जाते हैं। जब भी आवश्यकता हो आरसीएफ के कर्मचारियों को सूचना देने के लिए आरसीएफ समाचार भी प्रकाशित किया जाता है। LHB वातानुकूलित डबल डेकर रिक के रवाना होने के अवसर पर एक रंगीन ब्रोशर भी प्रकाशित किया गया। सभी कार्यक्रमों, प्रमुख रिक रवाना होने के अवसरों, नए विकास, खेल प्रतियोगिताओं को इलैक्ट्रानिक एवं प्रिंट मीडिया द्वारा अपने प्रमुख समाचार पत्रों तथा टी वी चैनलों में कवरेज दी गई।

प्रसारित करने का ढंग	2010-11	2009-10
जारी प्रेस विज्ञप्तियां	17	16
प्रेस विज्ञप्तियां	96	156
बैनर	25	03

5.0 वर्गीकृत विज्ञापन

वित्तीय वर्ष 2010-11 के दौरान नियमित रूप से टैंडर नोटिस विज्ञापित किए गए। विभिन्न समाचार पत्रों को विज्ञापन सामग्री भेजने से पहले उसकी ध्यानपूर्वक जांच की गई।

	2010-11			2009-10		
	अंग्रेजी	देशी भाष्य	कुल	अंग्रेजी	देशी भाष्य	कुल
जारी टैंडर नोटिस की सं.	169	169	169	130	130	130
प्रेस विज्ञप्तियां	672	440	1112	608	355	963
व्यय	80169 17	215 186 8	1016 8785	773 800 0	209 700 0	983500 0

6.0 आर टी आई अधिनियम 2005 के द्वारा नागरिकों को सहायता

इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य कार्य में पारदर्शिता और जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए जन प्रतिनिधियों के नियंत्रण में भारत के नागरिकों को व्यवहारिक रूप से सूचना का अधिकार प्रदान करना है। भारत के संविधान ने लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना की है और लोकतंत्र में नागरिकों के लिए सूचना की पारदर्शिता की अपेक्षा की जाती है। आरसीएफ द्वारा भारत के नागरिकों द्वारा मांगे जाने पर सूचना उपलब्ध करवाई गई।

पैरामीटर	2010-11	2009-10
कुल प्राप्त आवेदन	469	232
निपटाटन किए गए कुल आवेदन	418	196
CIC से प्राप्त कुल मामले	5	4
उन मामलों की सं. जिसमें CIC ने आरसीएफ अधिकारी को दंडित किया गया।	शून्य	शून्य

यांत्रिक

1.0 सामान्य

रेल कोच फैक्टरी का नींव पत्थर तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी द्वारा 17 अगस्त 1985 को रखा गया था। उत्पादन दो वर्ष के रिकार्ड समय में आरंभ हुआ और पहला कोच मार्च 1988 में रवाना किया गया। धीमी शुरूआत के पश्चात कारखाना की क्षमता दिन-प्रतिदिन बढ़ती गई और अब तक 24000 कोचों और 35 से अधिक प्रकार के वातानुकूलित एवं गैर वातानुकूलित डिजाइन के वेरिएंट का निर्माण किया गया है जोकि भारतीय रेलवे में चल रहे कुल डिब्बों का 50% है। LHB टाईप डिब्बों का निर्माण 2001-02 में आरंभ हुआ और मार्च 2010 तक 1076 LHB + 411 SS हाइब्रिड डिजाइन के कोचों का निर्माण किया गया। इनमें से बहुत से डिब्बे प्रतिष्ठित राजधानी, शताब्दी और दुरंतो एक्सप्रेस गाड़ियों में चल रहे हैं और इससे यात्री संतुष्ट हैं।

वर्ष 2010-11 में आरसीएफ में 1576 कोचों का रिकार्ड उत्पादन किया गया। यह उत्पादन अब तक सबसे अधिक उत्पादन है। पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में SS डिब्बों का उत्पादन भी बढ़ गया है।

2010-11 में कोचों का उत्पादन

ए सी(कन्वेंशनल)	190	12.1%
एलएचबी	316	20.1%
हाइब्रिड	140	8.9%
निर्यात एवं अन्य	18	1.1%
गैर वातानुकूलित	912	57.9%
टोटल	1576	

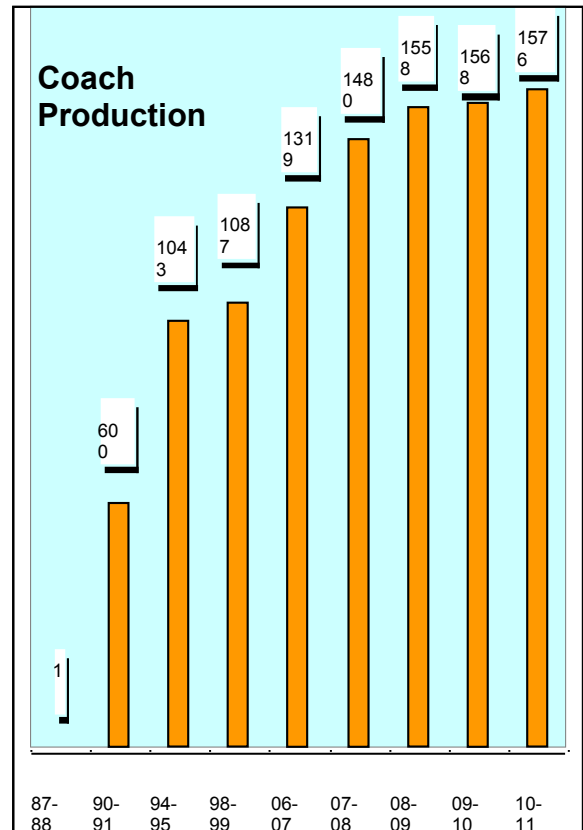
2011-12 के लिए उत्पादन कार्यक्रम

ए सी(कन्वेंशनल)	231	14.44%
ए सी एलएचबी)	310	19.38%
गैर ए सी (एलएचबी)	116	7.25%
निर्यात	16	1.00%
गैर ए सी एवं अन्य	927	57.93%
टोटल	1600	

2.0 डिजाइन एवं सुधार

2.1 पर्यावरण अनुकूल ग्रीन टॉयलेट

भारतीय रेलवे यात्री कोचों में पर्यावरण अनुकूल ग्रीन टॉयलेट लगाने का प्रयास कर रही है। ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक नीति की घोषणा की है जिसमें देश भर में सफाई पर बल देते हुए खुले में मल त्याग को बंद करना है। ग्रीन टॉयलेट का उद्देश्य जमीन पर मल त्याग को बंद करना है। इससे स्टेशनों पर सफाई होने के साथ-साथ ट्रेक को भी जंग से बचाया जा सकेगा। ट्रेक पर पड़ा मल जंग का एक बहुत बड़ा कारण है। ग्रीन टॉयलेट इस समस्या का समाधान करने में मदद करेंगे। IR और DRDE ने ग्रीन टॉयलेट के लिए बैक्टीरिया के विकास पर MoU पर हस्ताक्षर किए हैं। यह नई टॉयलेट तकनीक भारतीयों की गैर अनुशासित आदतों, यात्रियों द्वारा टॉयलेट में फ्लश



2010-11 में 1576 कोचों का रिकार्ड उत्पादन

किए गए वेस्ट को डिस्पोजल करने से पहले नॉन डिग्रेडेबल वेस्ट को अलग करने को, बनाए रखेगी। आरसीएफ ने पर्यावरण अनुकूल ग्रीन टॉयलेट का विकास किया है और 23 कोचों में यह टॉयलेट लगाकर रवाना किया गया है। यह कोचें 19 जनवरी 2011 से ग्वालियर तथा वाराणसी के बीच चलने वाली बुंदेलखंड एक्सप्रेस में चल रहे हैं। प्रारंभिक प्रदर्शन संतोषजनक रहा। आरसीएफ इस तकनीक को वर्ष 2011-12 में 5 और कोचों में लगाएगी।

2.2 यात्री डिब्बों में नए डिजाइन के सेंटर बफर कप्लर

लंबी दूरी की गाड़ियों में यात्रियों एवं संचालन कर्मचारियों की संरक्षा बढ़ाने हेतु भारतीय रेलवे ने LHB डिब्बों में AAR टाइप लॉक सेंटर बफर अपनाए हैं। ये कोचें दिखने में सुंदर लगते हैं तथा अच्छी सवारी के अतिरिक्त सफर के दौरान झटका लगना इनकी एक समस्या थी।

रेलवे द्वारा इस समस्या के समाधान हेतु प्रयास किया जा रहा था, परन्तु ज्यादा कुछ भी प्राप्त नहीं हुआ। आरसीएफ ने RDSO के साथ संपर्क करके बैलेंस टाइप ड्राफ्ट गीयर का विकास किया है जिसकी आपूर्ति मैसर्स डेलनेर, स्वीडन द्वारा की जाती है। आरसीएफ ने 3 फरवरी 2011 को दक्षिण मध्य रेलवे को 15 डिब्बों में यह कप्लर लगाकर भेजे हैं। RDSO द्वारा आरंभिक जांच में पाया कि आरंभ में इन डिब्बों का लागीट्यूडनल बीहेवियर ब्रेकिंग, ट्रांजिशन और सामान्य गति झटकों से मुक्त थी इसलिए इस संतोषजनक कहा जा सकता है।

2.3 स्टेनलेस स्टील तीव्र गति डबल डेकर वातानुकूलित डिब्बे

माननीय रेल मंत्री ने अपने रेल बजट-2009 में उबल डेकर वातानुकूलित डिब्बे शामिल करने की घोषणा की। आरसीएफ ने यह चुनौति स्वकीकार करते हुए RDSO के सहयोग से इन डिब्बों का डिजाइन, विकास तथा निर्माण किया। पहला प्रोटोटाइप वातानुकूलित डबल डेकर डिब्बा सफलतापूर्वक 9 महीने के रिकार्ड समय में विकसित किया गया। यह डिब्बा दिखने में सुंदर, स्टेनलेस स्टील बाँड़ी वाला और एयर स्प्रिंग सहित तीव्र गति यूरोफिमा डिजाइन बोगी वाला है। इस डिब्बे में एलएचबी टाइप शताब्दी कुर्सी यान में 78 यात्रियों की तुलना में 128 यात्री बैठ सकते हैं। इस प्रकार बैठने की क्षमता 70% बढ़ गई है। ऑसीलेशन ट्रायल के पश्चात् इस डिब्बे को 160 किलोमीटर प्रति घंटा के लिए गति प्रमाण पत्र दिया गया है। आरसीएफ ने अक्टूबर 2010 में ऐसे 10 कोचों का निर्माण किया जोकि CRS क्लीयरेंस प्राप्त होने के पश्चात् पूर्व रेलवे में चलेंगे। ट्रायल के आरंभिक फीडबैक के पश्चात अब इन डिब्बों को इनकी चैड्राई (पहले 3135mm) 3050mm कर पुनः डिजाइन किया गया है। इसमें 120 यात्रियों की क्षमता सहित यात्रियों के अनुकूल सीटों का ले-आउट है। आरसीएफ वर्ष 2011-12 में 30 डबल डेकर कोचों का निर्माण करेगा

2.4 पीटीबी, सेनेगल के लिए MG DEMU का निर्यात

पीटीबी, सेनेगल ने राइट्स के माध्यम से चार MG DEMU जिसमें से प्रत्येक में दो वातानुकूलित ड्राइविंग पावर कार और दो ट्रेलर कार होंगी। आरसीएफ द्वारा पहली बार MG वातानुकूलित DPC को डिजाइन और निर्माण किया है। DPC में 38 सीटें हैं। DPCs में प्रयोगकर्ताओं की मांग के

अनुसार स्नैक बार उपलब्ध करवाए गए हैं। प्रत्येक ट्रेलिंग कार में दिन के समय प्रयोग करने हेतु एक टॉयलेट है।

2.5 LHB EOG कोचों के नॉन एसी बेरीएंट्स

वर्तमान में LHB कोचें केवल मुख्य वातानुकूलित सेवाएं जैसे राजधानी, शताब्दी और दुरंतो गाड़ियों में लगे हैं इनकी निर्यात लागत अधिक है। संरक्षा और कम लागत की यात्रा में इन आधुनिक कोचें संरक्षा और आराम उपलब्ध करवाने हेतु अब दुरंतो गाड़ियों के लिए गैर वातानुकूलित बेरीएंट जैसे दूसरा दर्जा, शयनयान, सामान्य दूसरा दर्जा और गैर वातानुकूलित येचर कार का विकास किया गया है। गैर वातानुकूलित येचर कार दुरंतो रेक जिसकी सीटों की क्षमता 106 है पहले ही आरसीएफ से निर्माण करके उत्तर रेलवे को भेज दिया गया है। अन्य गैर वातानुकूलित बेरीएंट जैसे LHB EOG सामान्य दूसरा दर्जा एवं स्लीपर कोचें वर्ष 2011-12 में निर्मित किए गए।

2.6 कोचों में आटोमेटिक स्लाइडिंग दरवाजे

यात्रियों को अच्छी तथा आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध करवाने हेतु आरसीएफ ने कोचों में आटोमेटिक स्लाइडिंग दरवाजों की व्यवस्था करके एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। आरसीएफ में 5 डबल डेकर कोच निर्माणाधीन हैं, इनमें मैनुअल दरवाजों के स्थान पर आटोमेटिक स्लाइडिंग दरवाजे उपलब्ध करवाए गए हैं। इन दरवाजों की मुख्य विशेषताएं निम्न प्रकार हैं

- (क) यह आपनिंग हैंडल द्वारा खोला जाता है। हैंडल को हल्का सा पुश करने पर दरवाजा स्वयं खुल जाता है।
- (ख) दरवाजा 3 से 5 सेकेंड के पश्चात् स्वयं ही बंद हो जाता है।
- (ग) दरवाजे को खुले रहते समय आ रही किसी भी बाधा का पता लगाने के लिए सेंसर लगाए गए हैं।
- (घ) नियुमैटिक के फेल होने और बिजली की आपूर्ति फेल होने पर दरवाजे का संचालन मैनुअल मोड द्वारा किया जाता है।
- (च) करवेचर पर दरवाजा सेंट्रीक्यूगल फोर्स के विरुद्ध नहीं खोलता है।

2.7 सुधरी हुई सवारी के लिए एयर सस्पेंशन

आरसीएफ ने फियट डिजाइन की बोगियों में सेकेंडरी सस्पेंशन में एयर सस्पेंशन लगाया है। इन बोगियों का प्रयोग इस वर्ष निर्मित डबल डेकर कोचों में किया गया है और स्टेनलेस स्टील 3 टीयर कोचों में भी इनका प्रयोग किया जाएगा। स्प्रिंग में दो प्लेटों के बीच एयर बिलो फिट किया गया है। रबड़ बिलो में हवा एयर ब्रेक सिस्टम की फीड पाइप द्वारा भरी जाती है। एयर प्रेशर प्लेट के बीच एयर गैप बनाता है जोकि कुशनिंग उपलब्ध करवाता है। एयर बिलो के भीतर एयर प्रेशर लोड और संचालन की परिस्थितियों के अनुसार परिवर्तित होता रहता है ताकि परिवर्तित स्टिफनेस उपलब्ध हो सके। एयर स्प्रिंग की ऊँचाई

वाइड लोडिंग स्पेक्टर्म पर स्थिर रहती है। जिसके परिणाम स्वरूप एयर स्पेंशन लगे डिब्बे स्टील स्प्रिंग से अधिक अच्छा संचालन प्रदान करते हैं।

3.0 संयंत्र का रखरखाव

3.1 संपत्तियाँ

सीएनसी मशीनें :	74
गैर सीएनसी मशीनें :	211
CO2 वेल्डिंग सेट :	436
आर्क वेल्डिंग सेट :	150

वर्ष 2010-11 में मुख्य संपत्तियों की उपलब्धता

मशीनरी एवं प्लांट

सीएनसी मशीनें :	96.27%
गैर सीएनसी मशीनें :	98.27%
आर्क वेल्डिंग सेट :	98.07%

मैटीरियल हैंडलिंग उपकरण

EOT क्रेने :	99.80%
ट्रावर्सर :	98.22%

ट्रांसपोर्ट शॉप

फोक लिफ्टर :	98.08%
LPG की खपत :	98812 Kg.
CO2 की खपत :	843630 Kg.

4.0 पी एच 4100 (2010-11) के अधीन फंडों का प्रयोग

(आंकड़े करोड़ में)

क्र. सं. कोड	विवरण	2010 -11 का आउट ले	एफ एम में उपलब्ध फंड	10-11 के दौरान व्यय	% प्रयोग एफ एम में आवरित फंड
22.3.2	सीएम पी अधीन एम एंड पी	1051	319	281	88.09
22.3.2	डीआरएफ अधीन एम एंड पी	1089	548	524	95.62
कुल		2104	867	805	92.85

5.0 उपलब्धियां- यहां पर की गई मुख्य मरम्मतें

5.1 LVD लेजर कटिंग मशीन (II)

बड़ी भिड़ंत के कारण मशीन पर ड्राइव क्षतिग्रस्त हो गया। क्षतिग्रस्त X-9x15 भाग को 48 घंटे में सफलतापूर्वक ठीक किया गया और मशीन उत्पादन विभाग को सौंप दी गई।

5.2 गार्नेट ब्लास्टिंग मशीन

रोलर्स ऑफ रोबोट -I से 33 मीटर लंबे ब्लास्टिंग होज में

डिस्टिंग्जमेंट की समस्या थी। विशेष प्रकार के स्पेयर्स डिजाइन करके रोलर के साथ लगाए गए ताकि सभी रोलरों को सही एलाइनमेंट मिले। इस प्रकार यह समस्या पूर्ण रूप से समाप्त हो गई।

5.3 लेजर बाइस्ट्रॉनिक मशीन

दिनांक 21.05.10 को ब्लोअर के जाम होने के कारण CNC लेजर बाइस्ट्रॉनिक मशीन ब्रेक डाउन हो गई। इस ब्लोअर की मरम्मत संभव नहीं थी और न ही कोई ब्लोअर उपलब्ध था। अंत में CNC LPP मशीन का ब्लोअर जिसका प्रयोग नहीं किया जा रहा था उसे इसके बदलेमें प्रयोग किया गया। यद्यपि इसका फ्लो-रेट, एच पी, फ्रीक्वेंसी और आरपीएम बाइस्ट्रॉनिक मशीन के वास्तविक ब्लोअर से भिन्न था। टीम ने प्रयास किया और CNC LPP के ब्लोअर को CNC लेजर बाइस्ट्रॉनिक मशीन का ब्लोअर वास्तविक ब्लोअर की तुलना में अपेक्षित आउटपुट देते हुए 50 Hz फ्रीक्वेंसी पर कार्य कर रहा है। इससे 20 लाख रुपये की बचत होने के साथ-साथ मशीन के लंबी अवधि के लिए ब्रेक डाउन से भी बचाया जा सकता है।

5.4 अंडर वाटर प्लाज्मा कटिंग मशीन (SUAG)

मशीन के चिलर यूनिट में खरीबी थी। कोई भी पंप उपलब्ध नहीं था। एक श्री प्लंगर पंप की मरम्मत चिलर यूनिट के अनुसार की गई और अब यह संतोषजनक ढंग से कार्य कर रहा है।

5.5 नई CNC शीयरिंग मशीन को लगाना

CNC शीयरिंग मशीन 16 X 4000 के लिए एक नया शीट रोटेटिंग उपकरण और हैवी ड्यूटी बॉल ट्रांसफर असेम्बली का रेडिका मे ही डिजाइन और निर्माण किया गया। कटिंग के लिए शीटें उपलब्ध करवाने हेतु यह व्यवस्था की गई।

5.6 लेजर कटिंग एवं वेल्डिंग मशीन (Balliu)

दिनांक 28.06.10 को भिड़ंत में (एक्सीडेंट में) मशीन के कटिंग हैड का एडॉपटर खराब हो गया था। इसके स्पेयर उपलब्ध नहीं थे। इसको आरसीएफ की MW शॉप में विकसित किया गया और कम समय में ही इसे मशीन में सफलतापूर्वक लगा दिया गया। इसकी कार्य क्षमता वास्तविक जैसी ही अच्छी है।

6.0 विदेशी मुद्रा की बचत

विभिन्न CNC और गैर CNC मशीनों की PCB की यहीं पर स्पेयर करके अप्रैल 2010 से मार्च 2011 तक 1,64,50,800/- रुपये की विदेशी मुद्रा की बचत की गई।

7.0 गुणवत्ता

7.1 उत्पादन शॉपों में गुणवत्ता आश्वासन

ISO-9001 के अधीन रेल कोच फैक्ट्री में उत्पादों की गुणवत्ता आश्वासन का आधार कार्य संबंधी निर्देशों, स्वयं निरीक्षणों, जिग्स फिक्सचर्स और गेज की नियमित कैलीब्रेशन स्टाफ की

प्रचारित ट्रेनिंग और मशीनरी एवं प्लांट के सही रखरखाव से सुनिश्चित किया जाता है। गुणवत्ता नियंत्रण कर्मचारी कोचों के निर्माण के दौरान नामित चैक प्वाइंटस जैसे शैल की फाइनल क्लीयरेंस, बोगी, पेंट किए गए शैल और फर्निश हुए कोच और कुछ अन्य स्टेजों पर जांच करते हैं। कुछ अन्य इंटरमीडिएट स्टेजों को भी गुणवत्ता आश्वासन सिस्टम में शामिल किया गया है। अन्य सभी स्टेजों पर निर्माण कर्मचारियों द्वारा स्वयं निरीक्षण किया जाता है। जबकि का स्टेज कार्य पूरा होने पर निर्माण कर्मचारी किए गए कार्य का स्वयं निरीक्षण करते हैं और सेल्फ इंस्पेक्शन प्रोफार्मा (SIP) में परिरणाम रिकार्ड करते हैं। SIP सभी प्रकार के कोचों के लिए निर्माण की सभी स्टेजों पर (प्रोटोटाइप को छोड़कर) उपलब्ध होते हैं।

फिर भी गुणवत्ता विभाग द्वारा स्वयं निरीक्षित स्टेजों के आडिट चैक किए जाते हैं ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि स्वयं निरीक्षण प्रभावपूर्ण ढंग से किए गए हैं। जहां पर आवश्यक हो पर्याप्त सुधारक उपाय किए जाते हैं।

कोचों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु गुणवत्ता कर्मचारियों ने निम्नलिखित गेज विकसित किए हैं -

MEMU के I.V. कपलर फिटिंग्स की होल मैचिंग

1. हाइब्रिड कोचों में पानी टैंक को आसानी से रखने हेतु गैप गेज।
2. LHB हैच दरवाजे की डायग्नल चैकिंग हेतु गेज।
3. MEMU के डोर ग्रेजिंग की जांच हेतु गेज।
4. SS इनले को आसानी से फिट किरने हेतु लेवाटरी साइज की जांच हेतु गेज।
5. SSCN हाइब्रिड कोचों के लिए लागीच्यूडनल अपर बर्थ की स्थिति की जांच हेतु डिस्टेंस गेज।
6. SSCN हाइब्रिड कोचों के कम्पार्टमेंट केबिन की चौड़ाई की जांच हेतु गेज।

इन उपरोक्त के अतिरिक्त LHB शैल में रूफ लीकेज को बंद करने हेतु रूफ वेल्डिंग ज्वाइंट के लिए डाई पेनीट्रेशन टेस्ट द्वारा विशेष प्रयास किए गए ताकि शावर टेस्टिंग के दौरान रीवर्क को कम किया जा सके। गुणवत्ता विभाग के द्वारा गुणवत्ता सिस्टम द्वारा निर्देशों को लागू करने के प्रयास किए गए।

7.2 मेट्रोलाजी लैब

मेट्रोलाजी लैब, इलेक्ट्रॉनिक लैब और प्लांट विंग के MH अनुभाग द्वारा सभी जिग्स फिक्सचर्स, टेम्पलेट और मापक उपकरणों का निर्धारित मानकों के अनुसार आवधिक आशोधन

(calibration) किया जाता है। वर्ष 2010-11 के दौरान मेट्रोलाजी लैब द्वारा 155 जिग्स एवं फिक्सचर्स (जिसमें 111 LHB जिग्स) शामिल हैं, 890 मापक यंत्रों एवं 916 जांच उपकरण एवं गेज के लिए गए। अन्य रेलवे यूनितों को लगातार आशोधन में सहायता प्रदान की जाती है। अन्य रेलवे के 208 उपकरणों का भी आशोधन किया गया। अन्य रेलवे से इस वर्ष लगभग ₹ 1,60,182/- टेस्ट चार्ज के रूप में प्राप्त किए गए।

7.3 खरीदी गई मदों के लिए गुणवत्ता आश्वासन

दुर्लभ मदों की खरीद केवल अनुमोदित स्रोतों से की जाती है। दुर्लभ / संरक्षा मदों का अनुमोदन आपूर्तिकर्ताओं की आपूर्ति एवं गुणवत्ता संबंधी पिछली कार्य प्रणाली पर आधारित है। सभी खरीद डाटा हमारे मेनफ्रेम पर उपलब्ध है और वेंडर रेटिंग के लिए उपयुक्त सॉफ्टवेयर का विकास किया गया है। दूसरी अन्य मदों के लिए भी क्रयादेश प्रस्तुत करते समय वेंडर रेटिंग को मार्गदर्शन के रूप में अपनाया जाता है।

सभी दुर्लभ मदों के लिए गुणवत्ता आश्वासन योजनाएं बनाई गई हैं और यह सभी आपूर्तिकर्ताओं एवं जांच एजेंसियों को दी गई है। उत्पादों में सुधार हेतु समय-समय पर वेंडरों से संपर्क किया जाता है। वेंडर परिसर में उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु प्रोसेस ऑडिट किए जाते हैं।

वेंडरों को अपने कारखानों के लिए ISO-9000 प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस संबंध में वेंडरों को आवश्यकता अनुसार मार्गदर्शन तथा सहायता प्रदान की जाती है। अभी तक आरसीएफ के 330 से अधिक वेंडरों ने ISO-9001 प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। खरीदी गई बहुत सी मदों की गुणवत्ता के संबंध में राइट्स के साथ नियमित रूप से चर्चा की जाती है। हमारी M&C लैब में यांत्रिक जांच, रासायनिक जांच, माइक्रोस्ट्रक्चर, पेंट की जांच रेडियोग्राफी रबड और प्लास्टिक की जांच और गेस की पर्यावरण की जांच जैसी सुविधाएं उपलब्ध है। उच्च शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर्मचारियों द्वारा जांच की जाती है। इस वर्ष थर्ड पार्टी टेस्टिंग के लिए लगभग ₹ 5,82,106/- की राशि टेस्ट चार्ज के रूप में प्राप्त की गई। राइट्स के निरीक्षक जांच कार्य के लिए नियमित रूप से हमारी लैब का प्रयोग करते हैं। वर्ष 2010-11 के दौरान M&C लैब द्वारा 1258 LHB मदों सहित 3629 मदों की जांच की गई।

7.4 उपभोक्ता सेवा अनुभाग

आरसीएफ द्वारा निर्मित प्रत्येक कोच के साथ 24 माह के लिए एक वारंटी प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसके अतिरिक्त आरसीएफ में क्षेत्रीय रेलों से संपर्क रखने के लिए एक सक्रिय 'ग्राहक सेवा सेल' भी है। क्षेत्रीय रेलवे कोच से संबंधित

शिकायत/वारंटी आरसीएफ वैबसाइट www.rcf.indianrailways.gov.in पर डाल सकते हैं। प्राप्त शिकायतों की पावती की सूचना SMS द्वारा भी दी जाती है।

ग्राहक सेवा अनुभाग के कर्मचारी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आरसीएफ कोचों से संबंधित फीड बैक या क्षेत्रीय रेलवे से सीधे रूप में प्राप्त फीड बैक का विस्तारपूर्वक विश्लेषण किया जाता है और निवारक/सुधारक कार्रवाई की जाती है।

उपभोक्ता शिकायतों का सार

उपकरण	2009-10	2010-11
डी वी	11	15
एयर स्प्रिंग	-	09
ब्रेक सिलेंडर	-	06
डिस्क ब्रेक	-	02
डेम्पर्स	04	12
बीयरिंग	04	06
बोगी फ्रेम	01	-
सी डी टी एस	09	38
डोरर्स	04	-
वाटर टैंक	06	04
सीट एवं बर्थ	01	05
सी बी सी	01	06
बफर	04	09
विविध	21	29
कुल	66	141

8.0 प्रणाली सुधार

8.1 '5S' प्रमाणीकरण

आरसीएफ ने दिनांक 24.07.2008 को क्वालिटी सर्किल फोरम ऑफ इंडिया (QCFI) में '5S' प्रमाण पत्र प्रदान करने वाले निकाय से '5S' प्रमाण पत्र प्राप्त करके इतिहास रच दिया है। आरसीएफ '5S' प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली भारतीय रेलवे की पहली यूनिट है। मैसर्स QCFI द्वारा दिनांक 22-25 अप्रैल 2010 एवं 22-25 नवम्बर 2010 को तीसरा एवं चौथा सर्वेलेस ऑडिट किया गया

8.2 गुणवत्ता सर्किल का गठन

आरसीएफ के विभिन्न विभागों, शांनों, एवं अनुभागों में समस्याओं को मिलजुल कर सुलझाने हेतु 39 गुणवत्ता सर्किल का गठन किया गया है। कुछ क्वालिटी सर्किल अपने दैनिक

कार्य से संबंधित समस्याओं को सुलझाने में बहुत अच्छा कार्य कर रहे हैं। QCFI हैदराबाद द्वारा दिसम्बर 2010 में पिशाखापट्टनम में क्वालिटी सर्किल के लिए आयोजित नेशनल कंवेन्शन में एक क्वालिटी सर्किल 'समानता' ने भाग लिया। इस सम्मेलन में इस क्वालिटी को उत्कृष्ट घोषित किया गया। समानता क्वालिटी सर्किल ने फ़ैब्रीकेशन अनुभाग के शीट मेटल शॉप में उपकरणों की योजना तथा अच्छे प्रबंधन पर बल दिया। यह क्वालिटी सर्किल बिल्कुल निम्न स्तर पर श्रमशक्ति द्वारा संचालित किए जाते हैं जिसमें तकनीशियन शामिल है। क्वालिटी सर्किल होने से प्रबंधन और श्रमशक्ति दोनों को लाभ मिलता है।

8.3 इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (IMS)

आरसीएफ के पास 1995 से ISO-9001 प्रमाण पत्र प्राप्त है। आरसीएफ जुलाई 1995 में वर्कशॉप एवं आवसीय परिसर के लिए ISO-14001 प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला देश का पहला संगठन बन गया। जुलाई 2009 में आरसीएफ भारतीय रेलवे में इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम (IMS) के अधीन ISO:9001:2008, ISO:14001:2004 एवं OHSAS :18001:2007 प्रमाण पत्र जो कि 12 तक वैध है, प्राप्त करने वाली पहली इकाई बन गई। मई 2010 में मैसर्स DNV मुंबई द्वारा पहला प्रमाणीकरण आडिट किया गया और इस प्रमाण पत्र को जारी रखने की सिफारिश की गई।

8.4 NABL प्रमाणीकरण

दिनांक 02.12.2008 को मेट्रोलॉजी एवं कैमिकल लैबोरेट्री तथा 11.02.2009 को कैलीब्रेशन लैबोरेट्री के लिए प्रमाण पत्र प्राप्त किया। दिनांक 10 एवं 11 फरवरी 2011 को इन दोनों लैब के लिए प्रमाणीकरण इकाई द्वारा पुनः प्रमाणीकरण ऑडिट किया गया। वर्तमान प्रमाण पत्र 23/3/2013 तक वैध है।

9.0 परियोजना विभाग

9.1 व्हील शॉप परियोजना

व्हील शॉप परियोजना के लिए विभिन्न प्रकार के व्हील सेटों का निर्माण करने के लिए प्रयोगिक आधार पर ठेका IRCON को दिया गया ताकि अन्य क्षेत्रीय रेलवे वर्कशॉपों पर निर्भरता कम हो सके तथा व्हील सेट को ट्रांसपोर्टेशन लागत में भी बचत की जा सके। सभी सिविल तथा बिजली संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

9.2 कोच निर्माण क्षमता को प्रतिवर्ष 1000 से बढ़ाकर 1400 कोच करना

यह ठेका भी IRCON के टर्न key के आधार पर दिया गया। इस परियोजना में शीट मेटल शॉप, शैल असेम्बली शॉप, फर्नीशिंग शॉप में अतिरिक्त bay का निर्माण नई पेंट शॉप स्थापित करना तथा अतिरिक्त भंडार सुविधाएं उपलब्ध करवाना शामिल है। कार्य की प्रगति 97% है। सभी नए bay संबंधित शॉपों को सौंप दिए गए हैं। यह परियोजना अपने अंतिम चरण पर है।

9.3 LHB स्टेनलेस स्टील कोचों का निर्माण करना और प्रतिवर्ष 1000 से बढ़ाकर 1500 कोच करना

यह ठेका RITES को टर्न key के आधार पर दिया गया है। सभी एम एंड पी, सिविल, बिजली संबंधी कार्य पूरा कर लिया गया है। 97% कार्य पूर्ण हो गया है। यह परियोजना अपने अंतिम चरण पर है।

9.4 बज बज में बोगी फ्रेम फैक्टरी

यह परियोजना पहले से ही मंजूर परियोजना LHB स्टेनलेस स्टील कोचों का निर्माण आरंभ करना और कोच निर्माण क्षमता को प्रतिवर्ष 1000 से बढ़ाकर 1500 कोच बढ़ाने में सामग्री सुधार करना है। यह परियोजना राइट्स द्वारा टर्न key के आधार पर आरंभ की गई है। भूमि विकास तथा चार दीवारी का कार्य दिनांक 13.05.11 को आरंभ किया गया।

9.5 LHB स्टेनलेस स्टील कोचों का निर्माण आरंभ करना और कोच निर्माण क्षमता प्रतिवर्ष 1000 से बढ़ाकर 1500 कोच करना - फेज -II

रेलवे बोर्ड ने इस नए परियोजना को वर्ष 2011-12 की जिक बुक में अनुमानित लागत ₹ 130.24 करोड़ को मंजूरी प्रदान की है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य शेष कार्य को पूरा करना है ताकि पूर्ण रूप से स्टेनलेस स्टील कोचों का निर्माण किया जा सके। अनुमानित विवरण तैयार कर लिया गया है और मंजूरी हेतु रेलवे बोर्ड को भेज दिया गया है।

सभी परियोजनाओं की मंजूर लागत और संशोधित आकलन निम्न प्रकार है -

क्र सं	परियोजना	मंजूर लागत	संशोधित अनुमानित लागत	पूरा होने की स्थिति
1	व्हील शॉप परियोजना	68.29 करोड़	65.24 करोड़	बंद होने तक
2		74.97	98.36	बंद होने

	कोच निर्माण क्षमता को प्रतिवर्ष 1000 से बढ़ाकर 1400 कोच करना	करोड़	करोड़	तक
3 क	LHB स्टेनलेस स्टील कोचों का निर्माण करना और प्रतिवर्ष 1000 से बढ़ाकर 1500 कोच करना	37.97 करोड़	55.66 करोड़	बंद होने तक
3 ख	बज बज में बोगी फ्रेम फैक्टरी	59.3 करोड़	59.3 करोड़	बंद होने तक
4	LHB SS कोचों का निर्माण आरंभ करना और कोच निर्माण क्षमता प्रतिवर्ष 1000 से बढ़ाकर 1500 कोच करना - फेज -II	130.24 करोड़	130.24 करोड़	बंद होने तक

10.0 तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र

तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र (टीटीसी) की स्थापना वर्ष 1987 में की गई थी। इसी परिसर में एक क्षेत्रीय वेल्डिंग ट्रेन इंस्टीच्यूट (RWTI) कार्य कर रहा है। RWTI से NWR, NR, DMW और RCF की आवश्यकताएं पूर्ण होती हैं।

10.1 ग्रुप सी तथा डी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कोर्स

टीटीसी में इन्डक्शन पाठ्यक्रम, पदोन्नति पाठ्यक्रम, रिफ्रेशर पाठ्यक्रम, चयन पूर्व प्रशिक्षण, विशेष पाठ्यक्रम और एक्ट एप्रेंटिस पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

10.2 प्रशिक्षण की अतिरिक्त गतिविधियाँ

लोहड़ी, होली और बैसाखी इत्यादि के अवसरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन नियमित रूप से टीटीसी मल्टीपर्स हॉल में किया जाता है। फुटबॉल, वॉलीबॉल और बैडमिंटन आदि खेलों की अंतर टीटीसी खेल प्रतियोगिताएं समय-समय पर आयोजित की जाती हैं।

11.0 सूचना तकनीक

11.1 MIS डैश बोर्ड का विकास

आरसीएफ के अन्य प्रबंधन हेतु MIS डैशबोर्ड का विकास किया गया है ताकि संगठन के मुख्य पैरामीटरों को किसी भी समय सिंगल विंडो पर देखा जा सके तथा जांच की जा सके।

इसमें कोच निर्माण का सार, इन्वेंटरी पोजीशन, प्रापण मामले जिन्हें अंतिम रूप दिया जा रहा है, स्कैप बिक्री डाटा, कोच निर्माण के लिए आवश्यक मदें, विभिन्न एप्लीकेशन जैसे MIS, SDS, CMMS, EICS और FACT आदि में योजना शीर्ष वार व्यय आदि दिखाया जाता है। सार एवं ड्रिल डाउनलोड रिपोर्ट के लिए बटन उपलब्ध करवाए गए हैं। मुख्य पैरामीटरों के ग्राफिकल आंकड़े प्रदर्शित किए जा रहे हैं। इससे उत्पादन, सामग्री की उपलब्धता और इन्वेंट्री कंट्रोल के प्रभावशाली ढंग से मॉनीटर करने में मदद मिलेगी।

11.2 कर्मचारियों के लिए पहचान पत्र जारी करने के लिए माड्यूल

कर्मचारियों के लिए

आरसीएफ के कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी करने की प्रक्रिया को कंप्यूटरीकृत किया गया है। सभी कार्य जैसे आवेदन देना, सत्यापन, प्रमाणीकरण और नए पहचान पत्र की प्रिंटिंग नए माड्यूल की सहायता से ऑनलाइन की जाती है।

परिवार के सदस्यों के लिए

टाउनशीप क्षेत्र में रहनेवाले आरसीएफ परिवार के सदस्यों के लिए पहचान पत्र जारी करने की सुविधा 'सी' एप्लीकेशन पर उपलब्ध करवा दी गई है। इससे आरसीएफ कर्मचारियों को परिवार/आश्रितों के पहचान पत्र बनाने में आसानी होगी। इस प्रणाली में पिन डाटाबेस से आंकड़े (सूचना) प्राप्त करके पहचान पत्र के संबंधित कॉलमों में भरे जाते हैं। इस माड्यूल से कर्मचारी स्वयं अपने परिवार के पहचान पत्र का प्रिंट प्राप्त कर फोटोग्राफ लगाकर संबंधित स्थानों पर हस्ताक्षर आदि करके इसे पहचान पत्र अनुभाग में जमा करा देते हैं।

उक्त दोनों कार्यों से पहचान पत्र मैन्युअल ढंग से जल्दी तथा कम लागत पर तैयार हो जाते हैं।

11.3 पिन्स एप्लीकेशन में संशोधित पास नियम लागू करना

रेलवे बोर्ड द्वारा यात्रा पात्रता नियमों में संशोधन के अनुसार पिन्स एप्लीकेशन के पास माड्यूल में संशोधित प्रावधान के अनुसार पास उपलब्ध कराने हेतु सुधार किया गया है। रेलवे बोर्ड में पहली बार सुविधा तथा झूठी पास के लिए पात्रता, कर्मचारियों की कुछ श्रेणियों के लिए भिन्न की गई है। एक नई पास श्रेणी 'IIA' (पीला पास) शामिल की गई है। उपयुक्त पास नियम संशोधित प्रावधानों के अनुसार कुछ प्रोग्राम के तहत शामिल किए जाते हैं।

11.4 आरसीएफ वैबसाइट का मानकीकरण

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार सभी भारतीय रेलवे की वैबसाइटों को क्रिस, नई दिल्ली द्वारा डिजाइन किए टेम्पलेट के अनुसार मानकीकरण किया जाना है। बाद में रेलवे संगठनों द्वारा अपनी वैबसाइट नई जावा आधारित प्लेटफार्म माइग्रेट की जानी है जोकि पहले प्लेटफार्मों से अधिक सुरक्षित तथा यूजर फ्रेंडली है। तदानुसार आवश्यक परिवर्तन किए गए हैं और साइट को भी नए प्लेटफार्म के अनुसार सुधार/माइग्रेट किया गया है। इस प्रक्रिया में वैबसाइट को अधिक सुदृढ़ तथा यूजर फ्रेंडली तथा सुंदर बनाया गया है। इसके साथ ही रेलवे बोर्ड के सुझाव पर आरसीएफ वैबसाइट के URL को भी 'www.rcfkapurthala.com' से परिवर्तित कर 'www.rcf.indianrailways.gov.in' कर दिया गया है। केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार आरसीएफ वैबसाइट का हिंदी/राजभाषा वर्शन बनाया गया है। आरसीएफ वैबसाइट के 40 से अधिक प्रयोगकर्ताओं को नए प्रोग्राम के प्रयोग हेतु प्रशिक्षण दिया गया है।

11.5 रात्रि झूटी रोस्टर का कंप्यूटरीकरण

वर्कशाप झूटी के लिए अधिकारियों की रात्रि झूटी का रोस्टर पहले बहुत अधिक मेहनत करके हाथ से तैयार किया जाता था। अब इस कार्य को कंप्यूटरीकृत किया गया है और मासिक रात्रि झूटी रोस्टर ऑटोमैटिकली तैयार किया जाता है। रोस्टर तैयार होने के पश्चात संबंधित अधिकारियों को SMS ऑटोमैटिकली भेज दिया जाता है। संबंधित अधिकारियों को झूटी दिवस संबंधी रिमाइन्डर SMS द्वारा भेज दिया जाता है। पूरे माह के रोस्टर को अब SEE एप्लीकेशन में देख जा सकता है। अधिकारी नाइट झूटी करने के उपरांत अपनी नाइट झूटी रिपोर्ट 'सी' एप्लीकेशन के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिकली भेज सकते हैं। इस माड्यूल को लगाने से नाइट झूटी रोस्टर तो तैयार /

परिवर्तित करने के समय में बचत हुई है। अब प्रत्येक माह इसका प्रिंट लिया जा सकता है और कार्यालय को लेस पेपर या पेपर लेस बनाया जा सकता है।

11.6 डाक मॉड्यूल में सुधार

MMIS एप्लीकेशन के डाक मॉड्यूल में डाक प्राप्ति और डाक प्रेशर की दोहरी प्रविष्टि से बचने के लिए डाक के प्रत्येक पत्र/फाइल को एक यूनीक या प्राइमरी डिस्पैच नं. दिया गया है। इससे डाक प्रविष्टि के लिए किए गए अधिक प्रयासों की बचत होगी और आरसीएफ के सभी विभागों के डाक प्रेषिती/डाक प्राप्ति अनुभागों की दिन प्रतिदिन की कार्य क्षमता बढ़ेगी।

11.7 विविध विस्तार

उक्त विभागों के अतिरिक्त वर्तमान एप्लीकेशनों में वर्ष के दौरान अधिक विस्तार हुआ है। उनमें से कुछ महत्वपूर्ण निम्नलिखित हैं -

11.8 MMIS में विस्तार

11.8.1 MMIS एप्लीकेशन क्वालिटी माड्यूलर में सुधार
गुणवत्ता विभाग के दिनांक 10.08.2010 के ISO-9001 के ISP 04 वर्सन 02 के अनुसार MMIS एप्लीकेशन के क्वालिटी मॉड्यूल का विस्तार किया गया है। इस मॉड्यूल से वेडरों की क्वालिटी रेटिंग के विकास, पंजीकरण, मूल्यांकन में दक्षता बढ़ेगी।

11.8.2 स्कैप वेंडर द्वारा आंशिक रूप से लिफ्ट किए गए स्कैप लॉट को जारी करने हेतु मॉड्यूल

फ्री डिलीवरी अवधि के दौरान स्कैप वेंडर द्वारा पहले से बिक्री की गई परन्तु आंशिक रूप से लिफ्ट की गई स्टॉक की गणना हेतु एक नए माड्यूल का विकास किया गया है। इसलिए अब जारी लॉट पुनः नीलामी के लिए उपलब्ध कराया जाता है जिससे स्कैप की पुनः बिक्री पर आय बढ़ेगी।

11.8.3 स्टॉक मदों के इनएक्टिव स्टेटस के ऑटोमेटिक अपडेटिंग का प्रावधान

नए प्रोग्राम में इनएक्टिव मदों की अपडेटिंग और एक वर्ष से अधिक समय से जारी नहीं की गई मदों पर चेक फ्लैग, इंडेंटिंग, टेंडरिंग, क्रयादेश प्रस्तुत संबंधी कार्य को बंद करने के काम किए जाते हैं।

11.8.4 MMIS एप्लीकेशन में विभिन्न MIS रिपोर्ट का विकास

MMIS एप्लीकेशन में विभिन्न MIS रिपोर्ट उपलब्ध करवाई गई -

- बिक्री की गई स्कैप की मासिक, तिमाही विवरण
- DRR और RO को जानी करने संबंधी सार
- आवश्यक उत्पादन योजना का कवरेज

11.8.5 MMIS में अतिरिक्त रिपोर्ट जारी करने का प्रावधान

उपरोक्त MIS रिपोर्ट के अतिरिक्त निम्नलिखित रिपोर्ट उपलब्ध करवाई गई -

- लंबित टेंडरों का सार (अनुभाग अनुसार).
- उत्पादन बैठकों की स्थिति की रिपोर्ट
- व्यापार द्वारा सप्लाई मदों की निरंतर मनाही
- किसी भी वर्ष में मांग के अनुसार शुद्ध प्राण मात्रा
- कोचों की असामान्य मदों की रिपोर्ट
- अतिरिक्त रिपोर्ट/खोज विकल्प- पी एल नं. विवरण/ ड्राइंग सहित उपलब्ध PLs लिस्टिंग रिपोर्ट।

11.9 FACT में बढ़ोतरी

11.9.1 सिविल कार्य एप्लीकेशन में बढ़ोतरी

सिविल कार्य एप्लीकेशन में दरों की अद्यतन सूची (SOR-2010) को लोड किया गया है जिसके परिणाम स्वरूप सिविल विभाग के कार्य जैसे आकलन, टेंडर एग्रीमेंट और अन्य कार्य मदें SOR-2010 और साथ ही पुरानी SOR का प्रयोग करते हुए किए जा सकते हैं। टेंडर दस्तावेज आरसीएफ के वैबसाइट पर ठेकेदारों की सूचना के लिए लोड किए जा सकते हैं।

11.9.2 भविष्य निधि खाता से पैसा निकालने के लिए मॉड्यूल

कर्मचारियों के भविष्य निधि खाता से पैसा निकालने हेतु माड्यूल का विकास किया गया है। मॉड्यूल द्वारा सभी आवश्यक सूचनाएं ऑनलाइन सिंगल पृष्ठ फार्म पर उपलब्ध हैं। जबकि मैनुअली फार्म 5 पृष्ठों का था और दो प्रतियों (10 पृष्ठों) में जमा करवाया जाता है। इससे न केवल फार्म को भरने के समय में बचत हुई है बल्कि 80% स्टेशनरी की भी बचत हुई है।

उपरोक्त के अतिरिक्त नई पेंशन स्कीम के अधीन PF में योगदान संबंधी सूचना हेतु नए माड्यूल का विकास किया गया है। आरसीएफ इंटरनल वैबसाइट में एक लिंक उपलब्ध करवाया गया है जिसमें यह नेशनल सिक्स्योरिटी डिपोजिटरी लिमिटेड वैबसाइट (<https://www.cra-nsdl.com/CRA/>) पर उपलब्ध सूचना देखी जा सकती है।

11.10 PINS/SEE को बढ़ाना

11.10.1 अधिकारी क्लब बकायों का कंप्यूटरीकरण

अधिकारी क्लब के बकायों के कंप्यूटरीकरण के लिए एक नए माड्यूल का विकास किया गया। इस माड्यूल से अधिकारी क्लब बकाया की ब्रेक-अप जैसे सदस्य चार्ज, डाइट क्लब शाम, स्विमिंग पूल, हॉबी क्लास चार्ज देख सकते हैं। इससे डाटा इंटी कार्य काफी कम होकर बहुत सी मदों के लिए केवल एक ही इंटी रह गई है।

12.0 संरक्षा

औद्योगिक संरक्षा का प्रमुख उद्देश्य रिस्क मैनेजमेंट तकनीक और सेफ्टी मैनेजमेंट ढंग को लागू करके जोखिम, चोट और दुर्घटना की संभावना को कम करना, कर्मचारियों के स्वास्थ्य में सुधार लाना, अप्रेटिंग सिस्टम की जांच और शॉप फ्लोर पर संरक्षा उपायों को लागू करना है।

(i) आरसीएफ में संरक्षा मानकों को ऊंचा बनाए रखने तथा कर्मचारियों को अपनी कार्य प्रणाली का हिस्सा बनाए रखने के लिए जागरूक करने संबंधी लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

(ii) 4 मार्च से 11 मार्च 2011 तक संरक्षा सप्ताह मनाया गया जिसमें कर्मचारियों तथा अधिकारियों को सेफ्टी बैज लगाए गए। अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सेफ्टी शपथ ली गई।

(iii) कर्मचारियों में सेफ्टी के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए शॉप फ्लोर पर लगातार सेफ्टी सेमिनार का आयोजन किया गया।

(iv) तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र में तकनीशियनों तथा सुपरवाइजर्स को निम्नलिखित संरक्षा संबंधी प्वाइंट्स की जानकारी देने के लिए औद्योगिक संरक्षा जागरूकता पाठ्यक्रम का नियमित रूप से आयोजन किया गया।

- a) संरक्षा संबंधी सामान्य दिशानिर्देश
- b) वर्कशाप में निजी बचाव उपकरणों का प्रयोग
- c) कार्यस्थल के वातावरण को संरक्षित बनाने में पर्यवेक्षकों की भूमिका।

d) आरसीएफ में दुर्घटना के आम कारण तथा निवारक उपायों पर विशेष बल।

e) वर्कशाप में संरक्षा उपायों को बरकरार रखते हुए उत्पादकता में सुधार।

f) बिजली संरक्षा/वैलिंग प्रक्रिया में संरक्षा

g) खतरनाक वेस्ट मैनेजमेंट

h) सामग्री हैडलिंग संरक्षा

(v) निजी बचाव उपकरणों की उपलब्धता और अच्छी हाउस कीपिंग सुनिश्चित करने के लिए निरंतर संरक्षा निरीक्षण किए गए।

(vi) खतरनाक वेस्ट के उचित निपटान के लिए बनाए गए मानकों के अनुसार लगातार मॉनिटरिंग/समन्वय बनाए रखा गया।

(vii) PPCB के दिशानिर्देशा अनुसार 407 MT पेंट स्लज को पुनः प्रक्रिया हेतु मैसर्स अंबुजा सीमेंट लिमिटेड कारखाना में भेजा गया।

(viii) खतरों की पहचान करने के लिए कई संरक्षा निरीक्षण किए गए और इनको नियंत्रित करने हेतु सुझाव भी दिए गए।

(ix) सभी असंरक्षित दुर्घटनाओं/शॉप दुर्घटनाओं की जांच की गई और निवारक कार्रवाई हेतु विश्लेषण किया गया।

(x) इन उपायों से संरक्षा संबंधी कागजातों में सुधार और हमारे कर्मचारियों में संरक्षा स्वास्थ्य और पर्यावरण संबंधी पहलुओं के प्रति जागरूकता लाने में मदद मिली है।

विद्युत

1.0 नए कोचों का डिजाइन

1.1 डबल डेकर एसी कोच

सभी कोचों के लिए बिजली संबंधी विनिर्दिष्टियां जैसे स्विच बोर्ड कैबिनेट, फीडर जंक्शन बॉक्स, ZS कपलिंग, पैंट्री उपकरण, लाइट फिटिंग्स आदि तैयार कर ली गई है। 8 कोचों का एक रेक को 7 टन RMPU के साथ सर्विस ट्रायल हेतु पूर्व रेलवे को पहले ही भेज दिया गया है। यद्यपि RDSO रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार इन कोचों की अधिक क्षमता के कारण रेक को 10T RMPU सहित सर्विस हेतु लगाया जाएगा। 10T RMPU को पहले ही विकसित कर लिया गया और बदलने के लिए पूर्व रेलवे को भेजा गया है। इन विनिर्दिष्टियों के लिए स्विच बोर्ड कैबिनेट तथा RMPU को रेलवे बोर्ड द्वारा अनुमोदित अद्यतन ले-आउट के अनुसार कम चौड़ाई सहित परिवर्तित किया गया। इन प्रावधानों को वर्ष 2011-12 में डबल डेकर कोचों में लागू करने की योजना है।

1.2 गैर वातानुकूलित SCN एवं पैंट्री कोच (LHB शैल)

गैर वातानुकूलित कोचों के पैंट्री उपकरणों के लिए ऊर्जा और आरेख, कोचों की ड्राइंगों और विनिर्दिष्टियों को सफलतापूर्वक अंतिम रूप दे दिया गया है और कोचों को दुरोंतो एक्सप्रेस में लगाने के लिए तैयार किया गया। मिनी पैंट्री में एक 230 लीटर डीप फ्रीजर, एक 90 लीटर बॉटल कूलर, 140 व्यक्तियों के खाने के लिए हॉट केस और 30 लीटर वाटर हीटर है। कोचों में LPG पर खाने बनाने की व्यवस्था है।

1.3 सेनेगल को निर्यात के लिए DEMU रेक

सेनेगल को DEMU रेक के निर्यात के लिए पावर/आरेख कोच ड्राइंगों और विनिर्दिष्टियों को सफलतापूर्वक अंतिम रूप दिया गया। इन कोचों की मुख्य विशेषता- 25KVA छोटे साइज के इन्वर्टर का विकास जोकि मीटर गेज रोलिंग स्टॉक में अंडरफ्रेम में लगाने के लिए उचित है।

1.4 गैर वातानुकूलित प्रकार के EOG का डिजाइन

LHB टाइप EOG और गैर वातानुकूलित कोचों के निम्नलिखित वेरीएंट को अंतिम रूप दिया गया।

1. एस सी एन
2. गैर वातानुकूलित कुर्सी यान
3. जी एस

उपर्युक्त कोचों की मुख्य विशेषताएं निम्नप्रकार है -

1. प्रत्येक केबिन में रात्रि लाइट का प्रावधान
2. चार आपातकालीन दुर्घटना लाइटों का प्रावधान
3. सभी वेरीएंट के लिए मांडयूलर टाइप यूनीफार्म स्विच बोर्ड का प्रावधान
4. इलैक्ट्रॉन बीम इरैडीएटिड केबल का प्रावधान
5. पी ए सिस्टम का प्रावधान

6. जन शताब्दी के लिए नॉन एसी चेयर कार में मिनी पैंट्री का प्रावधान

2.0 कोचों के डिजाइन में सुधार

2.1 SG एसी कोच में प्री-कुलिंग सर्किट में सुधार

24 वीं MSG और RDSO द्वारा जारी सुधार शीट (RDSO/PE/MS/AC/0050-2010, Rev-0) के अनुसार प्री-कुलिंग सर्किट में पावर पैनल में रोटररी स्विच लगाया गया है ताकि फेज सीकवेस में परिवर्तन के कारण स्क्रोल कंप्रेशर रिवर्स आप्रेशन से बचा जा सके और यह वर्तमान प्रणाली के अनुसार एसी पैनल को सीधे फीड करने की बजाए बैटरी चार्जर को सीधे फीड करे।

2.2 LHB हॉट बफेट कार के लिए स्विच बोर्ड में फ्लैप डोर का प्रावधान

डोर वे क्षेत्र में स्विच बोर्ड कैबिनेट उपलब्ध करवाई गई है और किसी भी अनाधिकृत व्यक्ति द्वारा गलत प्रयोग को रोकने हेतु दरवाजे की व्यवस्था में इंडिविजुअल फ्लैप डोर/MCB के कवर लगाकर परिवर्तन किया गया है और दरवाजे में पुश टाइप लॉक सहित अन्य स्विच गीयर उपलब्ध करवाए गए हैं।

2.3 गैर वातानुकूलित कोचों में 110V, 120AH VRLA बैटरियों का प्रावधान

23^{वीं} MSG (TL&AC) बैठक में 30% गैर वातानुकूलित कोचों में 110V, 120AH VRLA बैटरियों का प्रयोग करने का निर्णय लिया गया था। इस संबंध में आरसीएफ ने गैर वातानुकूलित कोचों में सफलतापूर्वक VRLA बैटरियों को लगाया। 2 बैटरी बॉक्स में 6V प्रत्येक के 18 माडयूलस (प्रत्येक 9) रखे गए। LMLA या VRLA बैटरियों में उसी बैटरी बॉक्स का प्रयोग किया जा सकता है। उत्पादन वर्ष 2010-11 में 30% कोचों का निर्माण इस प्रकार के बैटरियों के साथ किया गया।

2.4 हाई HP मोटरों का प्रावधान

पहले मेमू कोचों में 167 KW ट्रेक्शन मोटरों का प्रयोग किया जाता था। पूर्ण रूप से लोडिड मेमू रेक की गति को बढ़ाने के लिए ट्रेक्शन मोटर की पावर आउटपुट को बढ़ाने पर विचार किया गया। फ्यूजी डिजाइन की हाई पावर जिसकी पावर आउटपुट 205 KW है को मेमू में उत्तर रेलवे में ट्रायल हेतु गलाया गया। इस विकास को वर्ष 2010-11 से नियमित रूप से लागू कर दिया गया।

2.5 लाइट फिटिंग का मानकीकरण

वर्तमान SLR कोचों में फिलामेंट लैंप आधारित टेल लैंप उपलब्ध करवाए गए हैं। SLR कोचों में LED आधारित टेल लाइट, जिसका प्रयोग LHB टाइप पावर कार में किया जा रहा है, का प्रावधान किया गया है। GS और SLR कोचों में LHB टाइप पैसेंजर अलार्म कोच इडीकेशन लाइट को सफलतापूर्वक लगाया गया है। SCN कोचों में पैसेंजर अलार्म कम रिजर्वेशन

चार्ट लाइट उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप दो लाइटों को हटा दिया गया है जिससे इन्वेंट्री कम हो गई है।

2.6 MEMU कोचों में टॉयलेट का प्रावधान

MEME गाड़ियों के यात्री काफी समय से इन कोचों में टॉयलेट की

सुविधा की मांग कर रहे थे। आरसीएफ ने अप्रैल 2010 से निर्मित कोचों में यह सुविधाएं उपलब्ध करवाई है। एंड वाल टर्मिनल बोर्ड को केवल एक साइड में लगाया गया है। ये कोचें उत्तर रेलवे में सर्विस में है।

विद्युत सेवाएं

1.0 सामान्य

132 KV पावर सप्लाई मेल रिसीविंग स्टेशन (MRS) पर दो ट्रांसमिशन लाइनों द्वारा प्राप्त की जाती हैं जोकि PSEB सब स्टेशन, कपूरथला (लगभग 9 कि.मी.) और खेड़ा मंदिर (रेल कोच फैक्टरी से लगभग 4 कि.मी. दूर) के बीच चलती हैं। MRS पर 132 KV सप्लाई को 11 KV में 12.5 MVA प्रत्येक (TR-I & TR-II) के दो पावर ट्रांसफॉर्मरों की सहायता से स्टेप डाउन किया जाता है। जब सप्लाई एक फीडर से प्राप्त की जाती है तब दूसरा विकल्प या स्टैंड बाई के रूप में कार्य करता है। MRS पर स्टेप डाउन की सप्लाई 1 KV पैनल में फिड की जाती है। इसमें डबल बस बार व्यवस्था है। (एक बस बार PSEB सप्लाई से जुड़ी हुई है उ्यूार DG सेट सप्लाई के लिए है)। स्वीच यार्ड के मरम्मत कार्य के समय बिजली की सप्लाई हेतु MRS पर 1000 KVA के चार DG सेट हैं स्थापित किए गए हैं

11 KV सप्लाई को आगे 14 सब स्टेशनों में 5 रिंग मेन सिस्टम द्वारा बांटा गया है। सब स्टेशनों के 1 नं. सब स्टेशन से 12, 14 & 15 नंम्बर दिए गए हैं। (10 नं. वर्कशाप एवं 4 नं. कालोनी में है) सब स्टेशनों पर

3.0 बिजली खपत

सप्लाई को 750 KVA ट्रांसफार्मर द्वारा 415 V में स्टेप डाउन कर विभिन्न शॉपों आरसीएफ कालोनियों, प्रशासनिक भवन, सर्विस बिल्डिंग पंप इत्यादि को LT पैनल द्वारा फिड किया जाता है।

2.0 ऊर्जा आंकड़े

क	आरसीएफ में कुल स्थापित लोड (वर्कशाप - 25,467 kW) (कालोनी - 10,416 kW)	35,883 KW
ख	वर्ष 2010-11 के दौरान रिकार्ड की गई अधिकतम मांग	6.99 MVA
ग	स्टैंड बाई डी जी सेट की क्षमता	4.44 MVA
घ	वर्ष 2010-11 में खपत किए गए यूनिट	2,70,97,250 यूनिट
ङ	पीएसईबी को किया गया भुगतान	रु.13,39,69,280/ -
च	PSPCL से खरीदी गई बिजली की औसत लागत प्रति यूनिट	रु. 4.94/-
छ	औसत पावर फैक्टर	0.95

क्र.सं.	विवरण	संचित ऊर्जा खपत		अंतर का प्रतिशत
		2009-10	2010-11	
1.	वर्कशाप	1,50,06,378	1,58,57,227	(+) 5.67
2.	बसूली योग्य यूनिट	57,93,578	86,52,757	(+) 49.35
3.	पम्प	11,31,177	14,33,563	(+) 2.67
4.	प्रशासनिक भवन वातानुकूलन लाइटिंग	17,67,900 3,18,522	12,36,242 7,75,555	(-) 30.07 (+) 143.48
	कुल	20,86,422	20,11,797	(-) 3.59
5.	अस्पताल वातानुकूलन लाइटिंग	94,135 1,68,125	94,005 1,48,987	(-) 0.13 (-) 11.38
	कुल	2,62,260	2,42,992	(-) 7.34
6.	कालोनी स्ट्रीट लाइट	2,82,000	2,80,000	(-) 0.70
7.	अन्य	4,48,769	3,72,922	(-) 16.90
8.	कुल (1 से 7)	2,50,10,584	2,68,51,307	(+) 7.3
9.	बोगी उत्पादन के लिए ऊर्जा की खपत (8 - 2)	1,92,17,006	2,01,98,550	(+) 5.10
10.	निर्मित ECU की संरक्षा	2207.3	2,453.2	(+) 11.14
11.	प्रति ECU ऊर्जा खपत	8706.11	8,233.55	(-) 5.40
12.	विशिष्ट ऊर्जा	11,330.84	10,945.42	(-) 3.40

4.0 ऊर्जा संरक्षा उपाय

आरसीएफ में वर्ष के दौरान निम्नलिखित ऊर्जा संरक्षण उपाय किए गए -

- i) रेलवे बोर्ड के CDM प्रजेक्ट के अधीन आरसीएफ के क्वार्टरों में 100 वाट एवं 60 वाट के इनकैंडीसेट बल्बों की जगह 20 वाट एवं 14 वाट के 10,529 CFL वितरित किए गए।
- ii) प्रशासनिक भवन में अधिकारी कक्षों में एकूपेंसी सेंसर उपलब्ध करवाए गए।
- iii) पावर फैक्टर को 0.95 से अधिक बनाए रखते हुए वर्ष 2010-11 में 13.34 लाख रू. की छूट प्राप्त

5.0 मुख्य गतिविधियां

- (i) प्रशासनिक भवन में CAD-CAM हाल का बिजली कार्य पूर्ण किया गया।
- (ii) महाराजा रणजीत सिंह स्टेडियम में आधुनिक जिम्नेजियम में बिजली तथा वातानुकूलन के कार्य को भी पूरा किया गया।

महाराजा रणजीत सिंह स्टेडियम में वायरिंग के कार्य को भी पूरा किया गया।

- (iii) वारिस शाह हॉल में 17 टन के दो तथा 8.5 टन के 7 एसी लगाए गए।
- (iv) वर्कर क्लब में हॉल, रसोई, महिला जिम हॉल और ओपन शेड में बिजली के कार्य को भी पूरा किया गया।
- (v) SBSI में नवनिर्मित टीटी हॉल, जिम्नेजियम हॉल और स्टेज क्षेत्र में बिजली के कार्य को पूरा किया गया।
- (vi) KV-I के कर्मचारियों के लिए 4 यूनिट टाईप -III (D/S) में बिजली के कार्य को पूरा किया गया।
- (vii) वेस्ट कालोनी में 81 यूनिट टाईप - I (D/S) में बिजली के कार्य को पूरा किया गया।
- (viii) KV-I में कंप्यूटर लैब में बिजली के कार्य को पूरा किया गया।
- (ix) टाउनशिप क्षेत्र में 6 पुरानी MFP और 23 SFP को बिजली आपूर्ति को निरंतर बनाए रखने के लिए बदला गया।

भंडार

1.0 सामान्य

1.1 आरसीएफ के भंडार विभाग के दो खरीद कार्यालय (तिलक ब्रिज और हुसैनपुर) और दो भंडार डिपो (शैल तथा फर्निशिंग) हैं। भंडार विभाग के प्रमुख मुख्य भंडार नियंत्रक हैं जिनके साथ 23 अधिकारी, 2 मुख्य सामग्री प्रबंधक (SAG), 8 उप. मुख्य सामग्री प्रबंधक (JAG / एसजी), 8 सामग्री प्रबंधक (एस एस), 3 सहायक सामग्री प्रबंधक (जे एस) और 381 कर्मचारी (242 ग्रुप सी और 139 ग्रुप डी) हैं।

1.2 विभाग का मुख्य उद्देश्य हैं :

- सही समय में सही कीमत पर सही स्रोत से सही जगह पर सही सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करवाना।
- प्रापण में पारदर्शिता
- वस्तु सूची प्रबंधन
- सामग्री का रखरखाव
- विक्रेता विकास.
- स्क्रेप निपटान

1.3 अपने मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिए विभाग द्वारा निम्नलिखित गतिविधियाँ किए जाते हैं :

- खरीद आदेश देने के लिए मांग प्राप्त करना
- संविदा प्रबंधन
- आपूर्तिकर्ताओं के साथ सामग्री की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु नियमित संपर्क बनाए रखना।
- आने वाली सामग्री की प्राप्ति, गणना एवं जांच करना।
- सामग्री का भंडारण एवं वितरण करना।
- अंक और सामग्री के वितरण
- विक्रेताओं के पंजीकरण/मंजूरी।
- ओवर स्टॉक और आउट ऑफ स्टॉक की स्थिति से बचने के लिए मांग की नियमित रूप से पुनरीक्षा करना।
- नए स्टॉक वस्तुओं और गैर स्टॉक मदों की योजना का परिचय

(पीएल संख्या का आबंटन और कट बिंदु पर निर्णय लेना)

आरसीएफ के विभिन्न विभागों (योजना, डिजाइन, गुणवत्ता, वित्त) के साथ समन्वय रखना।

- रेलवे की विभिन्न इकाइयों और आरसीएफ (रेलवे बोर्ड, आरसीएफ/आरडब्ल्यूएफ, आरएसके, क्षेत्रीय रेलों की कार्यशालाएं, राइट्स/आरडीएसओ/डीजीएसएंडडी) के निरीक्षण एजेंसियों के साथ समन्वय रखना।
- बोली/टेंडर द्वारा स्क्रेप की बिक्री।

1.4 ये विभिन्न प्रकार के कोचों के लिए सामग्री की जरूरतों को पूरा करता है। मासिक उत्पादन योजना, डिजाइन में बार-बार परिवर्तन होने तथा नए वैरिएंट के लिए कम समय में माँग करने के बावजूद भंडार विभाग विभिन्न प्रकार के कोचों (विशेषकर हाइब्रिड/स्टेनलेस स्टील कोचों, डबल डेकर) के लिए सामग्री की आपूर्ति करने में सफल रहा और वित्तीय वर्ष 2010-11 में 1576 कोचों का निर्माण करके लक्ष्य को प्राप्त करने में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया है।

2.0 प्रापण

2.1 आरसीएफ में सामग्री खरीद के लिए 3 श्रेणियाँ उपलब्ध हैं -

i) मटीरियल शिड्यूल मदें

कोच कंपोनेंट/असेंबलियाँ – प्रति कोच मात्रा (QPC) और कोच उत्पादन योजना के आधार पर योजना विभाग द्वारा जनरेट की गई मांगें (प्रापण मीमों)

ii) SRM मदें

उपयोग की जाने वाली मदें (कोच कंपोनेंट/असेंबली के अतिरिक्त) जोकि प्रयोगकर्ता शापों द्वारा नियमित रूप से मांगी जाती हैं। इनकी मांग भंडार विभाग द्वारा वेडिड EAR (अनुमानित वार्षिक मांग) और उपयोग के ट्रेंड पर आधारित हैं।

iii) नॉन स्टॉक मदें

गैर नियमित और तदर्थ मांग (जैसे एम एंड पी/स्पेयर्स/फर्नीचर/कंप्यूटर्स आदि) जिसका मांग पत्र प्रयोगकर्ता विभाग द्वारा उनकी आवश्यकता के आधार पर तैयार किया जाता है।

2.2 क्रय का कार्य रेलवे बोर्ड की नीतियों के अनुसार क्रय में कार्यकुशलता और किफायत लाने के लिए प्रतियोगी बोली द्वारा पब्लिक प्रक्योरमेंट नियमों से किया जाता है। स्थानीय खरीद तत्काल मांग एवं कम कीमत की मदों के लिए की जाती हैं। उच्च कीमत के टेंडरों की अच्छे परिणामों और प्रभावों के लिए टेंडर कमेटी (3 अधिकारियों वाली – भंडार, वित्त तथा तकनीकी) द्वारा जांच की जाती है।

2.3 विभिन्न प्रकार के टेंडर निम्नलिखित हैं -

- ए टी (विज्ञापित टेंडर) ₹ 10 लाख से ऊपर।
- एल टी (सीमित टेंडर) ₹ 10 लाख से ऊपर।
- एकल टेंडर प्रोपराइटरी आर्टिकल्स/तत्काल मांग के लिए।
- जी टी (वैश्विक टेंडर) आमंत्रित मदों के लिए।

विज्ञापित टेंडर और ग्लोबल टेंडर को प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित कराया जाता है और आरसीएफ/IERPS की वेबसाइट पर भी डाला जाता है। विज्ञापित टेंडर बेचने के

लिए भंडार विभाग के विक्रय कार्यालय में एक विशेष काउंटर भी बनाया गया है।

2.4 संरक्षा और कर्मचारी सुविधाओं संबंधी मदों (जैसे सुरक्षा जूते, हेलमेट, प्रोटेक्टिव क्लॉथ, हाथ के दस्ताने, श्वसन मास्क, सेफ्टी सपेक्टोलस सुरक्षा चश्मे, लेग गार्ड और पगड़ी आदि) की खरीद SPC (स्पॉट खरीद समिति) के द्वारा अच्छी गुणवत्ता/ ब्रांडों की समय पर आपूर्ति के लिए की जाती है। इसके अतिरिक्त उन आवश्यक मदों की आपूर्ति के लिए भी SPC का सहारा लिया जाता है जहां विनिर्दिष्टियों को तैयार करना संभव नहीं है परन्तु मदें बाजार में उपलब्ध हैं जैसे फर्नीचर (रेस्ट हाउस की फर्नीशिंग मदों)। भंडार विभाग द्वारा देश भर में रेलनवे सामग्री को लाने ले जाने हेतु वार्षिक रोड ट्रांसपोर्ट कांट्रैक्ट किए जाते हैं। डिब्बों के कलपुर्जों के निर्माण हेतु फेब्रीकेशन कांट्रैक्ट भी किया जाता है।

2.5 आरसीएफ ने वित्तीय वर्ष 2910-11 में 1619.16 करोड़ के क्रय आदेश जारी किए जिनमें से 24.82% पंजाब के वेंडर और 37.17% निकटवर्ती राज्यों (हरियाणा, चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली) के थे।

3.0 डिपो

3.1 आरसीएफ का भंडार डिपो भारतीय रेलवे का एक कुशल व पर्याप्त रूप से सुसज्जित डिपो है जिसकी लेन देन की सभी गतिविधियां ऑन लाइन हैं और इंटेग्रेटेड मैटिरियल मैनेजमेंट सिस्टम का भाग है। विभाग के पास स्टॉक करने की आधुनिक सुविधाएं जैसे पैलेराइजेशन, हाइराइज स्टैकर, आटोमेटिक स्टोरेज एंड रिट्रिवल सिस्टम आदि हैं। मैकेनाइज्ड हैंडलिंग के लिए फोर्कलिफ्टस, क्रेन्स, ट्रक आदि हैं जिसे सामग्री को वेयरहाउस में सुरक्षित और सही प्रकार से रखी जा सकती है।

3.2 दुर्लभ मदों की नियमित जांच प्रतिदिन शॉप फ्लोर बैठकों और साप्ताहिक उत्पादन बैठकों द्वारा की जाती है ताकि कोचों के निर्माण हेतु सामग्री लगातार उत्पादन योजना एवं लक्ष्य के अनुसार प्राप्त होती रहे।

3.3 इनवेंटरी मैनेजमेंट उच्च मूल्य की मदों के लेनदेन प्राप्ति और आपूर्ति दर पर नियमित नजर रख कर, ABC विश्लेषण, FSN प्रणाली, डिलीवरी अवधि। डिलीवरी शैड्यूल को नियमित करने और क्रय ग्रांट के बजटरी कंट्रोल द्वारा की जाती है।

3.4 वित्तीय वर्ष 2010-11 में 69 रेलवे वेगन और 13081 रोड ट्रकों को बिना किसी गंभी दुर्घटना और संपत्ति के नुकसान के डिपो के कर्मचारियों द्वारा हैंडल किया गया। कुल आपूर्ति ₹ 1358.38 करोड़ की थी और क्लोजिंग बैलेंस (31-3-2011

तक) ₹ 226.24 करोड़ था जिसके परिणामस्वरूप TOR (टर्न ओवर रेशियो) 16.65% था। हाई वैल्यू आइटम्स मार्च 2011 तक पर्याप्त था उनकी आपूर्ति को रोक कर प्राप्ति पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया गया।

4.0 स्क्रेप निपटान

शॉप फ्लोर पर उत्पादित स्क्रेप को एकत्र करने की प्रक्रिया नियमित रूप से स्क्रेप एकत्र एवं ट्रांसपोर्टेशन कॉन्ट्रैक्ट के आधार पर की जाती है। स्क्रेप उत्पादन के पश्चात एक जैसी सामग्री को अलग/वर्गीकृत करके लॉट बनाए जाते हैं। स्क्रेप के अन्य स्रोत अप्रचलित व प्रयोग में न लाई जा सकने वाली सामग्री है। यह लॉट सर्वे कमेटी (SC) के समक्ष वैकल्पिक प्रयोग हेतु गहन जांच के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं। स्क्रेप की बिक्री सर्वे कमेटी की सिफारिश पर सक्षम प्राधिकारी (भंडार नियंत्रक/महाप्रबंधक) के अनुमोदन के बाद ही की जाती है। सामान्यतः स्क्रेप की निलामी प्रति स्पर्धात्मक आम बोली में की जाती है। यदि आवश्यकता हो तो स्क्रेप की बिक्री टैंडर द्वारा की जाती है। स्क्रेप की प्राप्ति एवं निटान संबंधी गतिविधियां कम्प्यूटरीकरण है। विक्रय किए स्क्रेप के सही तोल एवं आपूर्ति के लिए इलैक्ट्रॉनिक वे ब्रिज उपलब्ध है। शीट मेटल मदों की आउट सोर्सिंग के कारण कम स्क्रेप निकलने के बावजूद वित्तीय वर्ष 2010-11 में आरसीएफ ने ₹ 14.00 लक्ष्य के मुकाबले ₹ 15.01 की बिक्री की।

5.0 कम्प्यूटराइजेशन

5.1 क्रय एवं डिपो कार्यालय की गतिविधियां MMIS (मैटिरियल मैनेजमेंट इन्फॉर्मेशन सिस्टम) के इंटेग्रेटेड मॉड्यूल के द्वारा विभिन्न प्रयोगकर्ता एवं स्थानों पर (तिलक ब्रिज / हुसैनपुर) ऑनलाइन संपर्क द्वारा की जाती हैं और बहुत सी मेन्यू ड्रिवन रिपोर्टें सभी दुर्लभ स्टेजों पर उपलब्ध हैं ताकि संबंधित अधिकारी शीघ्र उचित निर्णय ले सकें। आंकड़ों की सुरक्षा प्रिविलेज्ड एक्सेस लेवल और लेयर पासवर्ड द्वारा सुनिश्चित की जाती है। स्थानीय ग्राहकों को मांग पूरा करने के संबंध में और स्टॉक के उपलब्धता की जानकारी के लिए सिस्टम पर नियंत्रित एक्सेस दी गई है।

5.2 उत्पादन बैठकों में दुर्लभ मदों पर विचार विमर्श करने और विभिन्न विभागों/अधिकारियों की टिप्पणियों को तत्काल अद्यतन करने के लिए इंटरएक्टिव एवं कंपरिहेंसिव रीयल-टाइम सिस्टम और एल सी डी प्रोजेक्टर डिस्पले उपलब्ध है।

5.3 अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा वर्क स्टेशनों पर पर्याप्त मात्रा में पी सी और प्रिंटर उपलब्ध करवाए गए हैं। शीघ्रता और प्रभावी ढंग से निपटान हेतु सभी सूचनाएं (जैसे स्टॉक एंड ड्यूज, फर्म की कार्यकुशलता, वेंडर रेटिंग आदि)

ऑनलाइन उपलब्ध हैं। फर्मों को ड्राइंग्स/स्पेसिफिकेशन CD-ROM पर भिजवाई जाती है।

5.4 भंडार विभाग की वैबसाइट

भंडार विभाग की मुख्य गतिविधियों के लिए वैबसाइट का विकास किया गया है। आरसीएफ की वैबसाइट www.rcf.indianrailways.gov.in पर निम्नलिखित विवरण उपलब्ध है -

- सभी विज्ञापित टैंडर।
- विज्ञापित टैंडर के लिए पूर्ण टैंडर दस्तावेज इंटरनेट से टैंडर दस्तावेज इंटरनेट से टैंडर दस्तावेज डाउन लोड करने के लिए सुविधा का विकास किया गया है। और संभावित बोली दाता विज्ञापित टैंडर के दस्तावेज इंटरनेट से डाउन लोड करके भाग ले सकते हैं।
- ठेके की IRS शर्तें।
- पंजीकरण के लिए आवेदन फार्म और प्रक्रिया।
- माह के दौरान ₹ 5 लाख से 20 लाख और 20 लाख से अधिक मूल्य वाले क्रय आदेश का विवरण।
- वेंडरों की आवेदन की स्थिति (नया पंजीकरण और नवीकरण)
- ई टैंडर/IREPS लिंक।
- आरसीएफ के मंजूर वेंडरों की डायरेक्टरी।
- ग्राहकों की फिडबैक।

5.5 ई मेल/SMS द्वारा निम्नलिखित सूचनाएं वेंडरों को दी जाती हैं।

- AT का कॉल अटेंशन नोटिस।
- LT की सूचना
- डी पी (सुपुर्दगी तिथि) की एक्सपायरी का अनुस्मारक।
- माल प्राप्ति की सूचना और प्राप्ति नोट।
- अस्वीकृत सामग्री की सूचना।
- EFT (इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर) भुगतान की सूचना।

5.6 IREPS (भारतीय रेलवे इलेक्ट्रॉनिक प्रोक्वोमेंट प्रणाली) : www.ireps.gov.in

आरसीएफ में स्टॉक मदों की नियमित खरीद पूर्ण रूप से ई-टैंडरिंग द्वारा की जा रही है और आरसीएफ IREPS के कार्यान्वयन में सभी क्षेत्रीय रेलों/उत्पादन इकाइयों में अग्रणी है। वेंडरों की टैंडरिंग की नई प्रणाली को जानकारी देने हेतु लगातार प्रशिक्षण दिया गया है। उनकी समस्याओं और प्रश्नों समाधान के लिए नामित अधिकारियों द्वारा उन्हें पूरा सहयोग किदया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक टैंडरिंग के इस नए सिस्टम के निम्नलिखित लाभ हैं -

- पारदर्शिता में बढ़ोतरी।
- प्रापण में कम समय।
- कहीं से भी, किसी भी समय बोली दी जा सकती है।
- बोली की लागत में कमी।
- बोलियों की आसान गणना एवं तुलना।
- बेहतर सुरक्षित डाटा।
- टैंडर फार्मेट एवं बोलियों का मानकीकरण

बेहतर कनेक्टिविटी के लिए आरसीएफ में जालंधर से रेलटेल की 2 Mbps की लिज्ड लाइन FOIS नेटवर्क पर लेकर EPS की वैबसाइट उपलब्ध करवाई गई है। वित्तीय वर्ष 2010-11 में आरसीएफ ने IREPS की वैबसाइट पर 3668 टैंडर डाले थे जिनमें से 2683 खोले गए और 1937 पर निर्णय किया गया।

6.0 वेंडर विकास

6.1 वेंडरों का पंजीकरण डिजाइन विभाग के तकनीकी अधिकारी द्वारा वेंडरों के परिसर में उनकी तकनीकी व वित्तीय क्षमता की गहन जांच करने के पश्चात किया जाता है। पंजीकरण का नवीकरण वेंडर की पूर्व कार्य क्षमता के आधार पर किया जाता है। वेंडरों की स्क्रीनिंग और खराब प्रदर्शन करने वालों को हटा देने के लिए रेटिंग प्रणाली उपलब्ध है। पंजीकरण के लिए आवेदन फार्म क्रय कार्यालय के विशेष काउंटर पर विक्री के लिए उपलब्ध हैं और वेंडर इन्हें आरसीएफ की वैबसाइट से भी डाउनलोड कर सकते हैं। 31-03-2011 को 225 रजिस्टर्ड वेंडर थे।

6.2 संभावित वेंडरों की पहचान के लिए और उन्हें नई प्रणालियों (ई टैंडर / IREPS) के संबंध में मार्गदर्शन के लिए वेंडरों से संपर्क किया जाता है। दुर्लभ मदों की (जैसे सीट एवं बर्थ, पार्टिशन फ्रेम आदि) आपूर्ति के लिए योजना बनाने हेतु वेंडरों के साथ बैठकों का आयोजन किया जाता है। भंडार नियंत्रक कार्यालय के प्रतिनिधियों ने MSME माइक्रो स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजिज द्वारा जम्मू (नवम्बर-2005) सहारनपुर (दिसम्बर-2009) फरीदाबाद (फरवरी-2010) और सहारनपुर (फरवरी-2011) में आयोजित प्रदर्शनी एवं क्रेता-विक्रेता बैठक में भाग लिया।

6.3 मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/महाप्रबंधक की मंजूरी से दुर्लभ मदों के लिए अनुमोदित वेंडरों की सूची वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तैयार की जाती है ताकि विश्वनीय/योग्य वेंडरों से गुणवत्ता वाला प्रापण सुनिश्चित किया जा सके।

7.0 प्रशिक्षण तथा प्रणाली

7.1 भंडार विभाग का एक कर्मचारी (डी एम एस) स्थाई तौर पर TTC (तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र) में स्थाई तौर पर नियुक्त है। कर्मचारियों को अपना ज्ञान और कौशल बढ़ाने हेतु तकनीकी प्रशिक्षण केन्द्र में इंडक्शन /रिफ्रेश कोर्स हेतु भेजा

जाता है। अधिकारियों को रेलवे स्टाफ कॉलेज वडोदरा और IRILLM/नई दिल्ली में विभिन्न प्रशिक्षणों के लिए नामित किया जाता है।

7.2 भंडार विभाग की सभी इकाइयों को उनकी बेहतर प्रणाली, कार्य के माहौल और रिकार्ड के रख रखाव और सफाई/लगातार सुधार/ग्राहक संतुष्टि पर विशेष बल के कारण

5-S और IMS प्रमाणीकरण (ISO : 9001, ISO : 14001 & OHSAS : 18001) प्रदान किया गया है। सर्विलेस ऑडिट अक्टूबर 2010 से मार्च 2011 के दौरान बाहरी लेखा परीक्षक के मूल्यांकन के आधार पर मुख्य सामग्री प्रबंधक/हुसैनपुर के कार्यालय को संयंत्र विहीन क्षेत्र की 5-S रोलिंग ट्राफी प्रदान की गई।

8.0 पिछले 10 वर्षों की उपलब्धियों के तुलनात्मक आंकड़े निम्न प्रकार हैं;

क्र.	वर्ष	यूनिट	2001-2002	2002-2003	2003-2004	2004-2005	2005-2006	2006-2007	2007-2008	2008-2009	2009-2010	2010-2011
1	मांगे	Nos.	5069	5114	9534	8519	8129	9138	9900	11374	10269	9224
2	प्राप्त माल	Nos.	9476	9741	12722	14993	13139	12995	16630	15067	14448	17460
3	वेगन आए	Nos.	542	323	487	251	226	163	NA	162	67	96
4	ट्रक आए	Nos.	7534	8235	10591	11061	10929	12170	NA	12440	12028	13990
5	स्टॉक मर्दे	Nos.	5200	5114	6382	6779	7199	7825	6625	6637	6467	7415
6	इश्यू	Cr.	389	337	494	584	748	865	1015	1128	1091	1365
7	रोकड़ शेष	Cr	49	46	54	72	97	127	148	223	216	222
8	टर्न ओवर रेश्यो (TOR)	%	12.64	13.53	10.93	12.15	13.03	14.74	14.60	19.75	19.82	16.27
9	क्रयादेश (PO)	No.	5164	4255	5221	4539	5051	4726	5557	5404	4736	5428
10	पी ओ (Stock)	Nos.	3985	3087	4344	3698	4136	3661	4272	4255	3781	4535
11	पी ओ (नॉन-स्टॉक)	Nos.	1179	1168	877	895	879	1065	1285	1149	955	893
12	क्रयादेश का मूल्य	Cr.	207	353	439	593	710	969	1205	711	894	1619
13	स्कैप की बिक्री	Cr.	5.61	7.56	10.44	3.02	15.72	14.00	15.60	13.70	15.36	15.01

लेखा

1.0 परियोजना

केपिटल 4200 के अधीन 296.04 करोड़ रुपये की लागत पर परियोजना की अनुमानित लागत को मंजूरी दी गई थी, जिसे बाद में पत्र सं. 2001/M(W)/964/4 दिनांक 21-5-2001 के अनुसार बढ़ाकर 451.06 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मार्च 2011 तक फाइनल शीर्ष के अंतर्गत नियत परिसंपत्तियों तथा मशीनरी एवं प्लांट के लिए कुल 888.44 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इसमें आरसीएफ की परियोजना लागत और अन्य प्लान शीर्ष जैसे डीआरएफ 1700 (कंप्यूटराइजेशन), अन्य विद्युत कार्य (3600), मशीनरी एवं प्लांट (4100), स्टाफ क्वार्टर (5100), कर्मचारियों के लिए सुविधाएं (5200) और अन्य विनिर्दिष्ट कार्यों (6400) पर किए गए व्यय शामिल है। प्लावन मान परिसंपत्तियों का इति शेष (इनवेंटरी कैप -7100, कैप -7200 एवं कैप -7300) 315.67.00 करोड़ रुपये हैं।

2.0 31 मार्च 2011 के समाप्ति पर परिव्यय की सूची

(आंकड़े करोड़ रुपये में.)

I. नियत परिसंपत्तियां	
क) परियोजना टाउनशीप	111.41
ख) वर्कर एवं अधिकारी	777.03
कुल	888.44
II. प्लावमान परिसंपत्तियां	
क) भंडार उच्चत	228.90
ख) कार्यशाला निर्माण	68.84
ग) विविध अग्रिम पूंजी	17.93
कुल प्लावमान परिसंपत्तियां [क+ख+ग]	315.67
कुल परिसंपत्तियां	1204.11
(नियत + प्लावमान)	

महत्वपूर्ण श्रेणियों के अनुसार परिसंपत्तियों का ब्यौरा	
नियत परिसंपत्तियां	लागत
भूमि	8.98
सड़क एवं रेलपथ	5.38
भवन और अन्य संरचनात्मक इंजी.कार्य	260.07
मशीनरी एवं प्लांट	544.49
विद्युत संस्थापन	43.42
अन्य प्रभार	26.10
कुल नियत परिसंपत्तियां	888.44

3.0 39 - ख विवरण

वर्ष 2010-11 के दौरान सामान के स्थानांतरण

(आंकड़े करोड़ रूपयों में.)

मद	विवरण	धनराशि
1	वर्ष के शुरू में अघशेष	
a)	समायोजन के बिना भौतिक शेष	224.12
b)	समायोजन (7170 से 7190)	3.29
c)	शेष लेखा में कुल शेष (7110 से 7150)	9.08
2	वर्ष के दौरान भौतिक स्टॉक का स्थानांतरण	
a)	प्राप्ति	1356.96
b)	जारी	1364.6
3	वर्ष के अंत पर इतिशेष	
a)	समायोजन के बिना भौतिक शेष	222.30
b)	समायोजन (7170 to 7190)	2.65
c)	शेष लेखा में कुल शेष (7110 से 7150)	3.94
d)	विनियोग लेखा में कुल शेष(पी 7100)	228.89
4	स्टॉक के प्रकार का इतिशेष	
a)	साधारण	216.47
b)	अधिक	
i)	मूवएवल	9.54
ii)	मृत	0
c)	संकटकाल	
d)	विशेष कार्यों के लिए प्राप्त किया स्टॉक	
e)	रद्दी/स्क्रेप	2.88
	कुल	228.89

4.0 वर्ष 2010-11 के लिए पेंशन कोष के विनियोजन

के ब्याज की गणना

(आंकड़े करोड़ रुपये में.)

क्र.सं	विवरण	राशि
1	31.03.10 तक शेष	3067470333
2	टीडब्ल्यूएफए	0
3	01.04.2010 तक शेष	3067470333
4	वर्ष 2009-10 के ब्याज की कमी	-28344440
5	2010-11(3+4) के लिए ब्याज की गणना हेतु 01.04.2010 तक शेष	3039125893
6	वर्ष 2010-2011 के दौरान विनियोजन	295772000
7	वर्ष 2010-2011 के दौरान निकासी	108185320
8	वर्ष 2010-2011 के दौरान कुल अभिवृद्धि (कॉलम.6-7)	187586680
9	कुल अभिवृद्धि का आधा (आधा मद सं. 8)	93793340
10	2010-11 (मद 5+9) के दौरान ब्याज की गणना के लिए कुल राशि जिसकी गणना की गई	3132919233
11	क्र.सं. 10 पर 6% ब्याज	187975154
12	पिछले वर्ष (2009-10) का समायोजन	-28344440
13	31.03.2011 तक इतिशेष (कॉलम 3+8+11+12)	3414687727

5.0 वर्ष 2010 – 2011 के दौरान डी आर एफ में विनियोजन

(आंकड़े करोड़ रूपयों में)

क्र सं	विवरण	राशि
1	31.03.2010 तक अथशेष	5870906839
2	टीडब्ल्यूएफए	0
3	01.04.2010 तक डी आर एफ	5870906839
4	2009-10 के लिए ब्याज कटौती पर खर्च	-54313096
5	2010-11(3+4) के लिए ब्याज की गणना हेतु 01.04.2010 तक शेष	5816593743
6	वर्ष 2010-2011 के दौरान विनियोजन	273900000
7	वर्ष 2010-2011 के दौरान निकासी	152920683

क्र सं	विवरण	राशि
8	वर्ष 2010-2011 के दौरान कुल अभिवृद्धि (कॉलम.6-7)	120979317
9	कुल अभिवृद्धि का आधा (आधा मद सं. 8)	60489659
10	2010-11 (मद 5+9) के दौरान ब्याज की गणना के लिए कुल राशि जिसकी गणना की गई।	5877083402
11	क्र.सं. 10 पर 6% ब्याज	352625004
12	पिछले वर्ष (2009-10) का समायोजन	-54313096
13	31.03.2011 तक इतिशेष (कॉलम 3+8+11+12)	6290198064



वर्ष 2010-2011 के लिए विनिर्माण उच्चत लेखा				
(लागत लाख रुपये में)				
विवरण	डैबिट	विवरण	क्रेडिट	डी एस क्रेडिट
क) आदि शेष		रेलों को ट्रांसफर	16707614676	शून्य
चल रहा कार्य	724228291	कोचों का निर्यात		
ख) श्रमिकों को				
कर्मशाला प्रत्यक्ष (वर्कशाप)	853102920			
कर्मशाला अप्रत्यक्ष (वर्कशाप)	1057629243			
निविदा कार्यों पर	3259999			
वेतन एवं भत्ता (प्रशासनिक)	677426350			
वेतन एवं भत्ता (शाप)	76713698			
वेतन एवं भत्ता (टीओएच)	78081595			
कुल (ख)	2746213805			
ग) स्टोर को				
स्टॉक के प्रत्यक्ष स्टोर को	12850519830			
अप्रत्यक्ष स्टोर फैक्टरी ओवर हेड	202397626			
अप्रत्यक्ष स्टोर प्रशासन ओवर हेड	7478406			
अप्रत्यक्ष स्टोर-स्टोर ओवर हेड	0			
अप्रत्यक्ष स्टोर टी ओ एच	0			
कुल (ग)	13060395862			
घ) डी डी ओ को				
डी डी ओ - स्टोर	52978871			
डी डी ओ फैक्टरी ओवर हेड	122879950			
डी डी ओ प्रशासन ओवर हेड	185154152			
डी डी ओ -स्टोर ओवर हेड	36870979			
डी डी ओ टी ओ एच	48847250			
कुल (घ)	446731202			
ङ) अन्य खर्चें				
समायोजन फैक्टरी ओवर हेड	40156257			
समायोजन प्रशासनिक ओवर हेड	12283150			
समायोजन स्टोर ओवर हेड	-6509253			
समायोजन टीओएच	-139133			
विविध समायोजन	-40446010			
अनुमानित पेंशन	295772000			
अनुमानित डी आर एफ	273900000			
अनुमानित एस वी एफ	3857612			
विद्युत (पावर)	135098320			
स्टॉक समायोजन	0			
एल डी / लाभ	-10429284			
किराया एवं जल से प्राप्ति	-6764686			
बिजली किराया प्राप्ति	-29491770			
कुल (ङ)	667287203			
च) वापिस स्टोर				
वोगी	-115736451			
ऑफ कट्स	-133072898			
कुल (च)	-248809349			
आउटले डब्ल्यू एम एस (छ)				
कुल (ख+ग+घ+ङ+च+छ)	16671818723	अंतिम बकाया		
चल रहा कार्य	724228291	चल रहा कार्य	688432338	शून्य
कुल डब्ल्यू एम एस	17396047014	कुल डब्ल्यू एम एस	17396047014	
डी एस	शून्य	डी एस	शून्य	
कुल जोड़	17396047014	कुल जोड़	7396047014	शून्य

वार्षिक विवरण. 38
वर्ष 2010-11 के दौरान भंडार खरीद

(आंकड़े हजार रुपये में)

क्र.सं.	विवरण	प्रत्यक्ष रूप में अंतर्गत आने वाले ग्रुप मूल्य	खरीदे गए आयातित सामान का मूल्य	भारत में निर्मित आयातित सामान का मूल्य
1	स्टीम लोको पार्ट्स एवं फिटिंग्स	00-19	0	0
2	डीजल लोको पार्ट्स एवं फिटिंग्स	10-19	0	0
3	इलैक्ट्रिक लोको पार्ट्स एवं फिटिंग्स	20-29	0	0
4	कैरीज, वैगन, इएमयू पार्ट्स एवं फिटिंग्स	30-39	128708	0
5	बिजली सामान स्टोर	40-49	0	0
6	सिग्नल एवं दूर संचार का सामान	50-59	0	0
7	रेल पथ सामग्री, ट्रैक टूल और ब्रिज कार्य	60	0	0
8	बिल्डिंग बनाने की निर्माण सामग्री	61-69	0	0
9	एबरेसिव टूल, हार्डवेयर इत्यादि	70,72,73,74	0	0
10	ब्रुश, ब्रुशवेयर इत्यादि	71	0	0
11	भारतीय रबर, लैडर, कैनवास	75	0	0
12	इलैक्ट्रोड्स एवं वेल्डिंग उपसाधन	76	0	0
13	पेंट, एनेमल एवं वार्निश	77	0	0
14	क्राकरी, कट्लरी एवं नैपरी	78	0	0
15	कपड़ा एवं व्यक्तिगत सामान	79	0	0
16	ईंधन के अलावा पेट्रोलियम के उत्पाद	80	0	0
17	रीफ्रैक्ट्रीज पैकिंग मैटीरियल आदि	84	0	0
18	बॉल एवं रोलर ब्रियरिंग	85	0	0
19	सामान्य सामान जैसे एसिड, केमिकल, दवाएं फार्मास्यूटिकल, अग्नि शमन उपकरण इत्यादि	81,82-86	0	0
20	स्टेशनरी	83	0	0
21	मैटल फेरस	90	0	0
22	मैटल नॉन फेरस	91	0	0
23	ईंधन कोयला/कोक इत्यादि	92	0	0
24	ईंधन - तेल	92	0	0
25	लकड़ी	93	0	0
26	स्कैप	97	0	0
27	चल-स्टाक पूर्ण इकाई		0	0
28	एम एंड पी सामान		3284	0
29	अन्य नॉन स्टाक मदें		2177	0
	कुल		134169	0

वार्षिक विवरण. 39-A
वर्ष 2010-11 के दौरान भंडार खरीद

(आंकड़े हजार रुपये में)

क्र.सं	विवरण	प्रत्यक्ष रूप में अंतर्गत आने वाले ग्रुप मूल्य	वर्ष के आरंभ में अद्यशेष	वर्ष के दौरान प्राप्ति	वर्ष के दौरान जारी	अंत में इतिशेष
1	स्टीम लोको पार्ट्स एवं फिटिंग्स	3	0	0	0	0
2	डीजल लोको पार्ट्स एवं फिटिंग्स	10-19	0	0	0	0
3	इलैक्ट्रिक लोको पार्ट्स एवं फिटिंग्स	20-29	2190	114	607	1697
4	कैरीज, वैगन, इएमयू पार्ट्स एवं फिटिंग्स	30-39	1533048	10050807	10154272	1429583
5	बिजली सामान स्टोर	40-49	183533	1673384	1558806	298111
6	सिग्नल एवं दूर संचार का सामान	50-59	0	0	0	0
7	रेल पथ सामग्री, ट्रैक टूल और त्रिज कार्य	60	139	0	0	139
8	बिल्डिंग बनाने की निर्माण सामग्री	61-69	46275	65986	69617	42644
9	एबरेसिव टूल, हार्डवेयर इत्यादि	70,72,73,74	43588	32709	36789	39508
10	ब्रुश, ब्रुशवेयर इत्यादि	71	748	66	596	218
11	भारतीय रबर, लैडर, कैनवास	75	23303	149279	148295	24287
12	इलैक्ट्रोड्स एवं वेल्डिंग उपसाधन	76	3210	37608	48551	-7733
13	पेंट, एनेमल एवं वार्निश	77	16193	110099	112297	13995
14	क्राकरी, कट्लरी एवं नैपरी	78	107	0	37	70
15	कपडा एवं व्यक्तिगत सामान	79	14309	40406	42635	12080
16	ईंधन के अलावा पेट्रोलियम के उत्पाद	80	14854	5254	10224	9884
17	रीफ्रैक्ट्रीज पैकिंग मैटीरियल आदि	84	3911	65674	63091	6494
18	बॉल एवं रोलर बियरिंग	85	25804	103590	113139	16255
19	सामान्य सामान जैसे एसिड, केमिकल, दवाएं फार्मास्यूटिकल, अग्नि शमन उपकरण इत्यादि	81,82-86	3320	43722	43835	3207
20	स्टेशनरी	83	2821	3570	4603	1788
21	मैटल फेरस	90	234755	1004999	978339	261415
22	मैटल नॉन फेरस	91	23652	10481	14897	19236
23	ईंधन कोयला/कोक इत्यादि	92	0	0	0	0
24	ईंधन - तेल	92	0	0	0	0
25	लकड़ी	93	50181	96666	90136	56711
26	स्क्रेप	98	14063	132881	154648	-7704
27	अन्य सामग्री		1183	29	90	1122
	कुल		2241187	13627324	13645504	2223007
	समायोजन		0	0		
	कुल जोड़		2241187	13627324	13645504	2223007

रोलिंग स्टॉक की यूनिट लागत एवं वास्तविक उत्पादन का विवरण

(आंकड़े लाख रुपये में)

कोचों का प्रकार	सीधी लागत			वन्य				कुल O/Head s	PROF. CHAR.	कुल लागत	कुल लागत (बिना प्रोफार्मा चार्ज)	वास्तविक बाउट टर्न
	वर्ष	एलएबी	एमएटी	एफओए च	एओएच	टीओएच	एसओएच					
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
एससीएन/ एबी	2008-09	3.37	37.97	5.85	4.16	0.97	0.22	11.20	2.17	54.71	52.54	91
	2009-10	4.11	46.15	6.20	5.49	1.10	0.18	12.97	2.91	66.14	63.23	244
	2010-11	4.38	45.7	7.33	5.8	1.17	0.37	14.69	1.63	66.4	64.77	300
एससीएन/ एबी (CBC)	2008-09	3.37	53.85	5.85	4.16	0.97	0.31	11.29	2.83	71.34	68.51	62
	2009-10	4.27	62.28	6.75	5.09	1.11	0.59	13.54	3.69	83.78	80.09	25
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
एसएलआर /एबी	2008-09	3.12	36.48	5.43	3.87	0.90	0.21	10.41	2.07	52.08	50.01	53
	2009-10	3.82	39.95	5.76	5.10	1.02	0.15	12.03	2.57	58.37	55.80	90
	2010-11	4.07	41.99	6.81	5.39	1.09	0.34	13.63	1.89	61.58	59.69	183
एसएलआर /एबी (CBC)	2008-09	3.12	40.10	5.43	3.87	0.90	0.23	10.43	2.22	55.87	53.65	26
	2009-10	3.98	38.03	6.28	4.74	1.04	0.36	12.42	2.51	56.94	54.43	12
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
GS/AB	2008-09	3.09	38.16	5.38	3.83	0.89	0.22	10.32	2.13	53.70	51.57	160
	2009-10	3.78	41.28	5.70	5.05	1.01	0.16	11.92	2.63	59.61	56.98	417
	2010-11	4.04	44.49	6.77	5.35	1.08	0.36	13.57	2.37	64.47	62.10	295
जीएस/एबी डी (CBC)	2008-09	3.09	48.66	5.38	3.83	0.89	0.28	10.38	2.57	64.70	62.13	128
	2009-10	3.92	56.65	6.20	4.67	1.02	0.54	12.43	3.37	76.37	73.00	17
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
जीएसआर डी	2008-09	3.11	35.87	5.41	3.85	0.89	0.21	10.36	2.04	51.38	49.34	118
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
मूस/ एमसी	2008-09	7.67	169.35	13.34	9.49	2.20	0.98	26.01	8.40	211.43	203.03	16
	2009-10	9.33	205.01	14.13	12.51	2.49	0.78	29.91	11.26	255.51	244.25	15
	2010-11	9.88	211.93	16.55	13.09	2.65	1.74	34.04	8.27	264.12	255.85	14
मूस/ टीसी	2008-09	3.18	38.70	5.52	3.93	0.91	0.22	10.58	2.17	54.63	52.46	48
	2009-10	3.88	45.77	5.85	5.18	1.03	0.17	12.23	2.85	64.73	61.88	40
	2010-11	4.10	49.13	6.87	5.43	1.10	0.40	13.80	2.13	69.17	67.04	35
एसीसीएन/ एसजी	2008-09	5.70	87.91	9.91	7.05	1.64	0.51	19.11	4.66	117.38	112.72	127
	2009-10	7.11	103.36	11.24	8.48	1.86	0.96	22.54	6.13	139.14	133.01	85
	2010-11	7.38	94.06	12.36	9.78	1.98	0.77	24.89	4.14	130.48	126.34	175



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
एसीसीएन/ एसजी (CBC)	2008-09	5.70	101.22	9.91	7.05	1.64	0.59	19.19	5.22	131.33	126.11	38
	2009-10	7.11	116.88	11.24	8.48	1.86	1.11	22.69	6.76	153.44	146.68	10
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
डबल्यू एसीसीएन/ एच	2008-09	5.88	63.32	10.22	7.27	1.69	0.37	19.55	3.67	92.42	88.75	216
	2009-10	5.91	63.32	10.22	7.27	1.69	0.37	19.55	4.09	92.87	88.78	80
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
डबल्यू एसीसीएन/ एच (H.HEIG HT)	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	5.91	63.32	10.22	7.27	1.69	0.37	19.55	4.09	92.87	88.78	1
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
WG- FCNAC	2008-09	5.69	76.84	9.90	7.05	1.64	0.45	19.04	4.20	105.77	101.57	20
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
WRRM- DAC	2008-09	5.50	178.75	9.56	6.80	1.58	1.04	18.98	8.40	211.63	203.23	36
	2009-10	6.70	179.46	10.13	8.97	1.79	0.68	21.57	9.58	217.31	207.73	10
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
WGCW NAC	2008-09	5.58	88.03	9.70	6.90	1.60	0.51	18.71	4.65	116.97	112.32	55
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	7.22	93.76	13.17	8.39	2.16	0.64	24.35	4.07	129.41	125.34	15
SG Non AC/ RA AB	2008-09	4.01	48.30	6.98	4.97	1.15	0.28	13.38	2.72	68.41	65.69	30
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
RDSO COACH LHB	2008-09	7.11	156.63	12.36	8.8	2.04	0.91	24.11	7.77	195.62	187.85	3
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
VPH	2008-09	2.41	29.58	4.20	2.99	0.69	0.17	8.05	1.66	41.70	40.04	100
	2009-10	2.96	34.16	4.45	3.94	0.79	0.13	9.31	2.14	48.57	46.43	16
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
VPH/CB C	2008-09	2.41	29.58	4.20	2.99	0.69	0.17	8.05	1.66	41.70	40.04	25
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
VPU	2008-09	2.42	29.81	4.20	2.99	0.69	0.17	8.05	1.67	41.95	40.28	25
	2009-10	2.99	34.22	4.73	3.57	0.78	0.33	9.41	2.15	48.77	46.62	25
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
EOG/LH B/ ACCB	2008-09	7.87	172.36	13.69	9.74	2.26	1.00	26.69	8.56	215.48	206.92	5
	2009-10	9.82	178.21	15.13	11.41	2.50	1.69	30.73	8.57	227.33	218.76	9
	2010-11	10.38	184.34	16.98	13.43	2.72	1.51	34.64	7.17	236.53	229.36	22



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
EOG/LH B/ WLRM	2008-09	8.09	270.00	14.07	10.01	2.33	1.57	27.98	12.66	318.73	306.07	8
	2009-10	9.94	285.52	17.82	12.05	2.68	1.73	34.28	12.92	342.66	329.74	14
	2010-11	10.51	246.6	17.19	13.59	2.75	2.02	35.56	9.42	302.08	292.66	36
EOG/LH B/ ACCW	2008-09	8.49	156.75	14.77	10.51	2.44	0.91	28.63	8.02	201.89	193.87	22
	2009-10	10.63	177.81	16.41	12.37	2.71	1.69	33.18	8.68	230.30	221.62	14
	2010-11	11.24	178.25	18.42	14.57	2.95	1.46	37.39	7.12	234.01	226.89	58
EOG/LH B/ ACCN	2008-09	8.77	160.63	15.26	10.86	2.52	0.93	29.57	8.23	207.20	198.97	42
	2009-10	10.73	205.56	16.17	14.32	2.85	0.78	34.12	8.58	258.99	250.41	48
	2010-11	11.57	179.28	18.97	15.01	3.04	1.47	38.49	7.20	236.54	229.34	99
LGS(LC)	2008-09	4.82	72.48	8.39	5.97	1.39	0.42	16.17	3.86	97.33	93.47	22
	2009-10	4.82	62.2	8.39	5.97	1.39	0.42	16.17	3.83	87.02	83.19	20
	2010-11	7.79	81.84	12.86	10.17	2.06	0.67	25.76	3.74	119.13	115.39	14
LGSCN H (LC)	2008-09	5.07	77.79	8.81	6.27	1.46	0.45	16.99	4.13	103.98	99.85	20
	2009-10	5.07	66.81	8.81	6.27	1.46	0.45	16.99	4.01	92.88	88.87	72
	2010-11	8.15	83.3	13.55	10.72	2.17	0.68	27.13	3.49	122.06	118.57	52
LSLRD (LC)	2008-09	4.69	55.99	8.15	5.8	1.35	0.32	15.62	3.15	79.45	76.3	6
	2009-10	4.69	47.59	8.15	5.8	1.35	0.32	15.62	3.13	71.03	67.90	4
	2010-11	7.48	84.90	12.34	9.76	1.98	0.70	24.77	3.80	120.95	117.15	6
LGACN H (LC)	2008-09	7.36	121.37	12.81	9.11	2.12	0.7	24.74	6.35	159.82	153.47	4
	2009-10	8.89	158.98	13.97	10.54	2.31	1.51	28.33	8.05	204.25	196.20	40
	2010-11	9.55	154.7	15.81	12.5	2.53	1.27	32.11	6.08	202.44	196.36	30
LGSLR	2008-09	5.40	60.83	9.39	6.68	1.55	0.35	17.97	3.49	87.69	84.2	3
	2009-10	5.59	86.71	8.75	6.6	1.44	0.82	17.61	4.51	114.42	109.91	24
	2010-11	5.91	70.13	9.70	7.67	1.55	0.58	19.49	3.14	98.67	95.53	10
LGACW NAC (LC)	2008-09	7.44	67.86	12.95	9.21	2.14	0.39	24.69	4.13	104.12	99.99	4
	2009-10	9.02	159.08	13.85	10.44	2.29	1.51	28.09	8.05	204.24	196.19	1
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
EOG/LH B/ FAC	2008-09	8.78	155.53	15.26	10.86	2.52	0.90	29.54	8.02	201.87	193.85	3
	2009-10	10.95	178.07	16.92	12.76	2.79	1.69	34.16	8.74	231.92	223.18	8
	2010-11	11.58	176.74	18.98	15.02	3.04	1.45	38.49	7.28	234.09	226.81	17
EOG/LH B/ FACCZ	2008-09	7.74	184.64	13.46	9.57	2.22	1.07	26.32	9.05	227.75	218.70	4
	2009-10	9.65	183.03	14.87	11.21	2.45	1.74	30.27	8.74	231.69	222.95	4
	2010-11	10.21	188.39	16.68	13.20	2.67	1.54	34.10	6.14	238.84	232.7	3
EOG/LH B/ SCZAC	2008-09	7.74	181.95	13.46	9.57	2.22	1.06	26.31	8.93	224.93	216	25
	2009-10	9.65	182.26	14.87	11.21	2.45	1.73	30.26	8.71	230.88	222.17	46
	2010-11	10.21	186.94	16.68	13.20	2.67	1.53	34.09	7.05	238.29	231.24	17



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
EOG/LH B/ WLRRM U	2008-09	7.97	299.98	13.86	9.86	2.29	1.74	27.75	13.88	349.58	335.7	6
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
WGCB (LC)	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	5.75	86.77	9	6.79	1.49	0.82	18.10	4.54	115.16	110.62	8
	2010-11	6.38	110.86	10.59	8.38	1.70	0.91	21.58	3.35	142.17	138.82	8
ACCW (LC)	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	10.12	130.97	15.81	11.92	2.61	1.24	31.58	7.08	179.75	172.67	13
	2010-11	10.70	153.98	17.84	14.11	2.86	1.26	36.07	5.99	206.74	200.75	21
FAC (LC)	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	8.8	151.62	13.5	10.18	2.23	1.44	27.35	7.70	195.47	187.77	10
	2010-11	9.18	156.57	15.27	12.08	2.45	1.28	31.09	5.96	202.79	196.83	16
VPHX	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	2.96	34.16	4.45	3.94	0.79	0.13	9.31	2.14	48.57	46.43	84
	2010-11	3.05	37.29	5.55	3.54	0.91	0.25	10.26	1.57	52.16	50.59	100
LWSCZ DAC	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	14.81	190.08	24.4	19.3	3.91	1.56	49.16	8.23	262.29	254.06	9
LWSCZ	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	8.11	124.32	14.35	9.14	2.35	0.85	26.68	5	164.11	159.11	14
RA SHELL	2008-09	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2009-10	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM	NM
	2010-11	2.5	33.62	4.58	2.91	0.75	0.23	8.47	1.44	46.03	44.59	1



वर्ष 2009-2010 एवं 2010-2011 के दौरान कोचों का उत्पादन एवं ट्रांसफर कीमत

क्र. सं.	कोचों का प्रकार	कोचों का उत्पादन वर्ष 09-10	प्रति कोच ट्रांसफर कीमत 09-10	कोचों का उत्पादन वर्ष 10-11	प्रति कोच ट्रांसफर कीमत 10-11 (कीमत लाख रु.में)
(A) गैर वातानुकूलित कोच					
1	SG SCN	244	66.14	300	64.76
2	SG SCN (CBC)	25	83.78	0	0
3	SG SLR	0	0	0	0
4	SG SLR (CBC)	0	0	0	0
5	3SLRD	90	58.37	183	59.69
6	SLRD (CBC)	12	56.93	0	0
7	SG GS	417	59.6	295	62.09
8	SG GS (CBC)	17	76.36	0	0
9	SG RA N AC	0	0	0	0
10	SG VPU	0	0	0	0
11	SG VPH	0	0	0	0
12	SG VPH (CBC)	0	0	0	0
13	VPHX SG	84	48.55	100	50.59
14	VPUX SG	25	48.76	0	0
15	VPH SG	16	48.55	0	0
16	MEMU MC	15	255.52	14	255.85
17	MEMU TC	40	64.74	35	67.04
18	MB IU	0	0	0	0
19	RA SHELL	0	0	1	44.58
	कुल (क)	985		928	
(ख) वातानुकूलित कोच					
20	SG ACCN	85	139.13	175	126.34
21	WG ACCN (CBC)	10	153.43	0	
22	AC SLEEPING COACH(Garib Rath)	80	92.87	0	
23	ACCNH (GR) (H.HEIGHT)	1	92.87	0	
24	POWER CARS WITH AC COMPARTMENT	10	217.29	0	
25	WGFCNAC	0	0	0	
26	WGCWNAC	0	0	15	125.34
	कुल - (ख)	186		190	
(ग) एलएचबी कोच					
27	EOG ACCB LHB	9	194.51	22	229.36
28	EOG WLRRM LHB	14	293.20	36	292.66
29	EOG WLRRMU LHB	0	0.00	0	0.00
30	EOG ACCW LHB	14	197.06	58	226.89
31	EOG ACCN LHB	48	194.50	99	229.34
32	EOG FAC LHB	8	198.44	17	226.8
34	EOG FCZAC LHB	4	198.25	3	232.7
35	EOG SCZAC LHB	46	197.55	17	231.24
36	LWCZDAC	0	0.00	9	254.06
37	LWSCZ	0	0.00	14	159.11
	कुल (ग)	143		275	
(घ) हाइब्रिड कोच					
38	LGS (LC)	20	87.01	14	115.39
39	LGSCNH(LC)	72	92.96	52	118.57
40	LSLRD(LC)	4	71.03	6	117.15
41	LGSLR	24	102.33	10	95.53
42	LGACWNAC(LC)	1	182.65	0	



क्रम सं.	कोचों का प्रकार	कोचों का उत्पादन वर्ष 09-10	प्रति कोच ट्रांसफर कीमत 09-10	कोचों का उत्पादन वर्ष 10-11	प्रति कोच ट्रांसफर कीमत 10-11 (कीमत लाख रु.में)
43	FAC (LC)	10	174.81	16	196.83
44	ACCN (LC)	40	182.67	30	196.36
45	ACCW (LC)	13	160.76	21	200.75
46	WCB (LC)	8	102.97	8	138.82
47	TOTAL -(D)	192		157	
	कुल -(A+B +C+D)	1506		1550	0
(इ) बाहर की पार्टियों के लिए कोचों का उत्पादन					
48	TRC FOR RDSO	0	0	0	0
49	STAFF CAR FOR RDSO	0	0	0	0
सेनेगल रेलवे					
50	MG Non AC Coaches	0	0	0	0
सेनेगल एव माली रेलवे					
51	साधारण चेरर कार (SG)	0	0	0	0
52	साधारण चेरर कार Car(EOG)	0	0	0	0
53	MG-AC चेरर कार (EOG)(w/o Bogie)	0	0	0	0
54	MG-NAC Chair car (EOG)(w/o Bogie)	0	0	0	0
55	42SLR (SG) (w/o Bogie)	0	0	0	0
56	SLR (EOG) (w/o Bogie)	0	0	0	0
57	MG Upper day Coach	0	0	0	0
58	MG Ordinary Coach	0	0	0	0
59	Guard cum Break van(EOG)	0	0	0	0
60	Guard cum Break van(SG)	0	0	0	0
61	Power Cars with AC Compartment	0	0	0	0
62	AC SLEEPING COACH(EOG)	0	0	0	0
63	AC RESTAURANT CUM BAR/EOG	0	0	0	0
64	MGDPC AC	0	0	8	117.50
65	MG TC NON AC	0	0	6	77.50
विज्ञान एवं तकनीक					
66	BG AC ICF without Fur.	0	0	0	0
67	BG AC 3 T(EOG)(ICF)	0	0	0	0
68	BG Power Car (ICF)	0	0	0	0
	TOTAL -(E)	0		14	
LOREM					
69	BG SCN (CW)	0	0	2	67.00
	कुल जोड़	1506		1580	



कोच का प्रकार	87-88	88-89	89-90	90-91	91-92	92-93	93-94	94-95	95-96	96-97	97-98	98-99	99-00	00-01	01-02	02-03	03-04	04-05	05-06	06-07	07-08	08-09	09-10	10-11	Total
EOG WLRRM LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	5	6	6	5	14	11	8	14	36	110
EOG WLRRMU LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	0	0	6
EOG FACCW LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	3	0	0	0	0	0	0	0	0	5
EOG ACCW LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	7	15	6	14	11	17	0	14	58	148
EOG ACCN LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	9	29	14	20	35	49	42	48	99	353
EOG ACCN LHB (Low Cost)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
SG ACCN LHB (Low Cost)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
EOG FAC LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	0	7	5	6	3	8	17	52
SG ACCN LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	5	0	0	0	0	0	0	6
SG GS LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	6	0	0	0	0	0	0	0	10
SG SCN LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	15	0	0	0	0	0	0	23
SG SLR LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	4	0	0	0	0	0	0	6
SG FA LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0	3
SG ACCW LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	22	0	0	25
LWCZDAC LHB	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	9	9
LWSCZ	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	14	14
LGS (LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	22	20	14	56
LGSCNH (LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	20	72	52	144
LSLRD(LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	4	6	16
LGACNH (LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	4
LGSLR	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	24	10	37
LGACWNAC(LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	1	0	5
FAC (LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	10	16	26
ACCN (LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	40	30	70
ACCW (LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	13	21	34
WCB (LC)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	8	16
RDSO	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	3
RDSO TRC	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	0	0	0	0	0	3
RDSO GS CW	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1
RDSO SLR CW	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1
RDSO Track Rrecording Car	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2
RDSO Staff Car	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
SG ACCN MOD	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	12	0	0	0	0	0	0	0	0	0	12
SG ACCW /MOD	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4
CONT. CONCOR	0	0	0	0	0	0	0	268	62	201	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	531
VNR BOGIE	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	72	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	72
DRDO LCC	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	4
DRDO SSC	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	4
DRDO PSC	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	0	0	4
POSTAL VAN	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	28	0	0	0	0	25	0	0	0	0	0	0	0	53
MG UPPER DAY (MYAN-MAR)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	12	0	0	0	0	0	12
MG ORD. DAY (MYAN-MAR)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	22	0	0	0	0	0	22
MG GUARD CUM BREAK VAN (MYANMAR)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	0	0	2
AC 2T DEFENCE	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	11	0	0	0	0	0	11
AC 3T DEFENCE	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	21	0	0	0	0	0	21
MG PTB SENEGAL	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	20	0	0	0	0	20
MG ORD. CHAIR CAR/SG (SENEGAL & MALI)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	10	0	0	0	0	10
MG ORD. CHAIR CAR/EOG (SENEGAL & MALI)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	16	0	0	0	0	16
First AC Chair Car (Senegal & Mali)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	5	0	0	0	5
AC Sleeper/EOG (Senegal & Mali)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	3
AC Restaurant Cum Bar/EOG(Senegal & Mali)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	3
Power Car(Senegal & Mali)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	0	3
Luggage guard Brake Van/SG(Senegal & Mali)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	4	0	0	0	4
Luggage Guard Brake Van/EOG(Senegal & Mali)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	0	0	0	6
BG AC (ICF W/o FUR) (Deptt. Of Sc. & Tech.)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	13	0	0	0	13
BG AC 3T (ICF/EOG) (Deptt. Of Sc. & Tech.)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1
BG Power Car(ICF) (Deptt. Of Sc. & Tech.)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	0	2
MG-AC Chair car (EOG) (w/o Bogie)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	0	0	2
MG-NAC Chair car (EOG) (w/o Bogie)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	3	0	0	3
SLR (SG) (w/o Bogie)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
SLR (EOG) (w/o Bogie)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1
MGDPC AC	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	6	6
MG TC NON AC	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	8	8
BG SCN (CW)	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	2	2
कुल जोड़	1	120	175	600	915	1115	1025	1043	752	1121	1031	1087	1182	1262	1204	944	1201	1201	1263	1319	1480	1558	1506	1566	24671

तुलना पत्र

(Figures in unit of Rs.)											
देनदारियाँ						परिसंपत्तियाँ					
विवरण	बकाया				विवरण	बकाया					
	31 मार्च 2010 तक		31 मार्च 2011 तक			31 मार्च 2010 तक		31 मार्च 2010 तक			
	ब्यौरा	कुल	ब्यौरा	कुल		ब्यौरा	कुल	ब्यौरा	कुल		
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10		
1	कुल निवेश ब्यांक एकाउंट के अनुसार	0	11718516639	0	12041145895	1	ब्यांक खाते के विवरण के अनुसार फिक्स एवं फ्लोटिंग परिसम्पति	0	11718516639	0	12041145895
2	सन्तुष्टी क्रेडिट -					2	नकद (अग्रदेय)	0	1819600	0	1846500
क.	भविष्य निधि एवं अन्य निधियाँ					3	सन्तुष्टी डेबिटर्स				
i)	सामान्य भविष्य निधि	0		0		A					
ii)	स्टेट रेलवे भविष्य निधि अर्थादायी	0		0		i)	रेलवे कर्मचारियों को दिया गया धण तथा अग्रिम एवं स्थायी अग्रिम	0	86760444	0	83437534
iii)	स्टेट रेलवे भविष्य निधि गैर अर्थादायी	1557985927		1858970630		ii)	अन्य विभागीय अग्रिम	0	121970	0	4730
iv)	भारतीय रेलवे कान्ट्रोल एमोसिएशन, कर्मचारी भविष्य निधि	0		0		iii)	पोर्ट व कस्टम प्राधिकारियों को धण	0	0	0	
v)	अर्थादायी (स्थनावित) रेलवे पर्सनल भविष्य निधि	0		0		iv)	रेलवे सहकारी समिति को अग्रिम	0	0	0	
vi)	गैर अर्थादायी (स्थनावित) रेलवे पर्सनल भविष्य निधि	0		0		v)	सेवा के दौरान मृतक के परिवार को अग्रिम	0	0	0	
vii)	रेलवे वचत भविष्य निधि	0		0		B.	ट्रैफिक खता एवं अन्य रेलवे	0	0	0	
ix)	विविध अर्थादायी भविष्य निधि	0		0		D.	केन्द्रीय सरकार के साथ प्रतिकोटासनट्टी				
x)	विविध गैर अर्थादायी भविष्य निधि	0		0			डिपॉजिट मद 2 व पर कंट्रा	0	439842349	0	647674686
	जोड़		1558519681		1859242461	4	निवेश				
ख.	विविध जमा					a)	भारतीय रेलवे कॉर्पोरेशन भविष्य निधि	0	0	0	
i)	पर्यवेक्षकों की प्रतिभूमि जमा	0		0		b)	कर्मचारी सहायता निधि	0	0	0	
ii)	ठेकेदार एवं अन्य की प्रतिभूमि जमा	260693601		418463813		5	वचत बैंक खता सरकार के मद 2 (अ) 3,4 (I) पर कंट्रा उपरोक्त मद 4 से कम	0	10496896853	0	11564128252
iii)	प्राइवेट एवं निजी संस्थाओं के लिए किए गए कार्र के अर्थादान	0		0		6	रिजर्व फंड निवेश खाता मद से 4 (II) पर कंट्रा	0	0	0	0
iv)	अनपेड मजदूरी	285736		323105		7 a)	राज्यों के साथ लेखा	0	0	0	
v)	ठेकेदार को देय	0		0		b)	केन्द्रीय सिविल सरकार के साथ लेखा	0	0	0	
vi)	बर्किंग लाइन से शुद्ध अर्जित राशि	0		0		8	पाकिस्तान सरकार की रेलवे के साथ लेखा	0	0	0	
vii)	विविध	0		0		9	पाकिस्तान/सिविल की सरकार के साथ लेखा	0	0	0	
viii)	ब्रांच लाइन कंपनियों द्वारा जमा की गई राशि	0		0		10	डाक एवं तार विभाग के साथ समायोजन लेखा	0	0	0	
ix)	ट्रस्ट व्याज लेखा	0		0		11	सुरक्षा विभाग के साथ समायोजन लेखा	0	0	0	
x)	रिजर्व बैंक के साथ लेखा	0		0		12	बंगलादेश की सरकार के साथ लेखा	0	0	0	
xii)	बैंक और बिल	124683994		175516076		14	हानि	0	0	0	
xiii)	अन्य जमा कंपनी की वि. रेलवे की बकाया देनदारी	0		0		3.					
xiv)	पी ए ओ उंचत	0		0							
	पी एम की उंचत	59505564		59902429							
xv)	फाइल उंचत	0		0							



xvi)	एम.आर.पी.एफ / सी.पी.एफ को किया गया अग्रिम भुगतान जिसकी बसूली पाकिस्तान में की जाती	0	0						
xvii)	केन्द्रीय दावा संगठन से प्राप्त पेंशन रकम पेंशन भविष्य निधि	0	0						
xviii)	केन्द्रीय कोर्ट जमा	0	0						
xix)	अन्य लेन	0	0						
xx)	अतिरिक्त मंहगाई भत्ता जमा उचित	0	0						
xxi)	अतिरिक्त जमा मजदूरी उचित	0	0						
xxii)	अदावा भविष्य निधि जमा	0	0						
xxiii)	ए.जी उचित लेखा	0	0						
xxiv)	रेलवे कर्मचारी बीमा योजना	0	0						
xxv)	केन्द्रीय मेरकार	0	0						
xxvi)	भुगतान योग्य मंग	0	0						
	जोड़		439842353		647674686				
ii)	रेलवे विकास राशि	0	0						
ii i)	रेलवे पेंशन फंड	3067470333		3414687727					
i v)	दुर्घटना क्षतिपूर्ति यात्रि सहनियत फंड	0		0					
	जोड़		8938377172		9704885791				
4	राजस्व रिजर्व फंड								
i)	कैश रोकड़	0		0					
ii)	निवेश	0		0					
5	वाला भ्रूण और अग्रिम का देय शेष (सद 3 (अ) I पर कंट्रा)	86760444		83437534					
ii)	अन्य अग्रिम 3 (II) पर कंट्रा	121970		4730					
ii i)	पोर्ट और कस्टम अधिकारियों को दिया गया अग्रिम (सद 3 (अ) V पर कंट्रा)	0		0					
i v)	रेलवे सरकारी समिति को दिया अग्रिम (सद 3 (अ) IV पर कंट्रा)	0		0					
v)	रेल सेवा के दौरान मृतक के परिवार को दिया गया अग्रिम (सद 3 (अ) V पर कंट्रा)	0		0					
6	स्थानांतरण शेष	0		0					
7	सरकार के साथ खातों में लेखा की शेष राशि		1819600		1846500				
8	लाभ	0		0					
	कुल जोड़		22743957861		24338237601		22743957871		24338237617

Certified that the figures given in the balance sheet against each head agree with those reflected in the Final Accounts Current.

सिविल इंजीनियरिंग

1.0 सामान्य

1.1 रेल डिब्बा कारखाना परिसर 1178 एकड़ में फैला हुआ है जिसमें 340 एकड़ में वर्कशाप तथा शेष 838 एकड़ में नगरपेड हैं। वर्कशाप का कवर्ड क्षेत्र 2.4 लाख sqm हैं। विभिन्न प्रकार के (हुसैनपुर में ही) 3781 स्टॉफ क्वार्टर हैं और वर्कशाप तथा टाउनशिप में बहुत सी सविर्स बिल्डिंग हैं। इसके अतिरिक्त बहुत सी सामुदायिक सुविधाएँ जैसे शॉपिंग कंपलेक्स, स्कूल, अधिकारियों, सुपरवाइजरों तथा वर्करो के लिए अलग अलग क्लब हैं। सिविल इंजीनियरिंग परिसंपत्तियों की 31.03.2011 तक कुल बुक वैल्यू 20.06.2008 (करोड़) है।

1.2 कैंपस के प्रत्येक कोने में फलदार वृक्षों सहित लगभग 1.7 लाख सदाबहार पेड़ लगाए गए हैं। रेडिका परिसर के 55 प्रतिशत क्षेत्र में हरियाली रखी गई है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अथक प्रयासों से ही रेडिका में घने पेड़ों की कतारें तथा हरियाली की चादर सी बिछी हुई है।

1.3 रेडिका में 18 होल्स का खूबसूरत गॉल्फ कोर्स है, जिसका रखरखाव बहुत ही अच्छे ढंग से किया गया है और इसकी तुलना किसी भी राष्ट्रीय स्तर के गॉल्फ कोर्स से की जा सकती है। अनेक राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के गॉल्फर इसका लाभ उठा रहे हैं।

1.4 रेल डिब्बा कारखाना, कपूरथला जुलाई, 1999 में वर्कशाप और कॉलोनी के लिए ISO-14001 प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाली भारतीय रेलवे की प्रथम इकाई बन गई है। इस प्रमाण पत्र की वैधता प्राधीकरण संस्थाओं द्वारा समय समय पर बढ़ाई जाती हैं। प्राकृतिक स्रोतों के संरक्षण पर विशेष बल दिया जाता है। सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट द्वारा ट्रीट किए गए पानी का 15 प्रतिशत प्रयोग सिंचाई के लिए किया जाता है।

1.5 परिसंपत्तियों के रख-रखाव का कार्य योजनाबद्ध ढंग से विभागीय न्यूनतम श्रम शक्ति से किया जा रहा है। सिविल रखरखाव और विशेष कार्यों के अलावा सामान्य साफ सफाई और बागवानी का कार्य ठेके पर करवाया जाता है। सिविल इंजीनियरिंग द्वारा सभी बिल्डिंगों के रख रखाव हेतु नियमित तथा समय समय पर प्रयास किए जा रहे हैं। वातावरण को प्रदूषण मुक्त करने हेतु अथक प्रयास किए जा रहे हैं ताकि कर्मचारी जोश व निष्ठा के साथ दिए गए लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु भारतीय रेलवे के पर्यावरण अनुकूल उत्पादन यूनिट में कार्य कर सकें।

1.6 वर्कशाप की अधिकांश शॉपों में उँची दीवारों और कॉलमों के लिए प्री-कास्ट आर.सी.सी यूनिट का प्रयोग किया गया है। ट्रेसिस हल्के वजन वाले स्किन स्ट्रेड हैं। गर्मी के दिनों में तापमान को कम करने के लिए डबल रूफ शीट तथा एडजस्ट किए जा सकने वाले वाटर कूल्ड लवर्स वाली खिड़कियाँ लगाई गई हैं। प्राकृतिक रोशनी और बिजली बचाने के लिए छतों पर स्काई लाइट उपलब्ध

करवाई गई है। शीड को कवर करने के लिए गालवेल्यूम कॉरोगेटेड ट्रफ शीट का प्रयोग किया जाता है। वातावरण अनुकूल सामग्री जैसे फेनोल बांडिड बम्बू शीट का प्रयोग छोटे शैल्टरों (बस स्टॉपों) पर किया गया है।

2.0 संगठन

सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख मुख्य इंजीनियर हैं, जिनके सहायक उप-मुख्य दो इंजीनियर, तीन कार्यकारी इंजीनियर और दो सहायक कार्यकारी इंजीनियर हैं। परिसंपत्तियों के रख-रखाव और विभिन्न कार्य हेतु 15 SSE/SE(W) और 12 JE इन अधिकारियों की सहायता करते हैं।

2.2 कर्मचारी संख्या

कर्मचारी की विभिन्न श्रेणियों की स्वीकृत, कार्यरत एवं रिक्त संख्या का विवरण निम्न प्रकार है-

श्रेणी	स्वीकृत संख्या	कार्यरत	रिक्त
अधिकारी	06+2 (WC)	08	--
गुप सी	सुपरवाइजर लिपिक वर्ग तकनीशियन	27 25 137	06 01 (-)02
गुप डी	172	153	19
सफाईवाला	33	05	28
कुल	407	355	54 (-) 02

3.0 मुख्य विशेषताएँ

3.1 जल आपूर्ति

कॉलोनी तथा वर्कशाप में पानी की सप्लाई 200 मि.मी. व्यास के गहरे ट्यूबवैलों (180 मि.मी. से 200 मि.मी.) द्वारा की जाती है। कॉलोनी में 13 तथा वर्कशाप में 04 ट्यूबवैल हैं। ट्यूबवैल से पानी ओवर हैड टंकी में चढ़ाया जाता है। इन ओवर हैड टंकियों की क्षमता 11.5 लाख गैलन (5175 कि.ली.) है। इन टंकियों की स्थिति निम्न प्रकार है-

टैंक संख्या	कहाँ स्थित है ?	क्षमता
ओ.है.टैंक-1.	टाइप IV सिंगल स्टोरी के पास	2 लाख गैलन
ओ.है.टैंक-2.	रामलीला मैदान के पास	2 लाख गैलन
ओ.है.टैंक-3.	टाइप 1 क्वार्टरों के पास	3 लाख गैलन
ओ.है.टैंक-4.	वैस्ट कॉलोनी	0.5 लाख गैलन
ओ.है.टैंक-5.	वर्कशाप	3 लाख गैलन
ओ.है.टैंक -6	वैस्ट कॉलोनी	1 लाख गैलन

टाउनशिप में वाटर पाइप लाइन की कुल लंबाई 22.98 कि.मीटर तथा वर्कशॉप में 14.79 कि.मीटर है। प्रतिदिन पानी की आवश्यकता लगभग 13000 कि.लीटर (9800 कि.ली. टाउनशिप के लिए और 3200 कि.ली. वर्कशॉप के लिए) है। गर्मियों में यह आवश्यकता बढ़कर 15000 कि.ली. तक बढ़ जाती है।

ग्राउंड वाटर की खपत में वर्कशॉप, पार्कलैंड, सर्विस बिल्डिंग, टाइप IV तथा V क्वार्टरों के मैदानों में एवं लान में सिंचाई के लिए ट्रीटेड पानी की आपूर्ति से बचत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। वर्ष के दौरान ट्रीटेड वाटर के प्रयोग से 9- 10 प्रतिशत पानी की बचत हुई है।

3.2 वर्षा जल से सिंचाई

आर सी एफ में पानी की मांग को ग्राउंड वाटर के द्वारा पूरा किया जाता है। समय के साथ पानी का लेवल कम हो रहा है। घट रहा पानी का स्तर चिंता का विषय है। पानी के घटते स्तर की समस्या के समाधान हेतु आर सी एफ ने वर्ष 2007-2008 से वर्षा जल से सिंचाई आरंभ की है। 13 रेन वाटर हारवेस्टिंग पिट्स (RWH) को (11 टाउनशिप क्षेत्र एक 02 वर्कशॉप क्षेत्र) में आरंभिक रूप से निर्मित किया गया है। 50-60m गहरे (500-600m dia) के वर्टिकल बोर लगाए गए हैं और 200-300m PVC पाइपें डाली गई हैं। बोर के आसपास क्लैक्शन चैंबरों का निर्माण गया है। चैंबरों की सामान्या डायमेंशन 4mX 3mX3m (गहराई) है। क्लैक्शन चैंबर को फिल्टरिंग मीडिया के साथ मरा गया है ताकि फिल्टर होने के पश्चात ही वर्षा का जल बोर में दाखिल हो सके। क्लैक्शन चैंबर का डिजाइन लगभग 2000 sqm क्षेत्र के लिए किया गया है। वर्ष 2010-11 एवं 2011 – 2012 में 34 अतिरिक्त RWH पिट का निर्माण किया गया है और दिसंबर 2011 तक 10 नए पिट का निर्माण किया जाएगा। (आर सी एफ में 47 RWH पिट दिसंबर 2011 तक ग्राउंड वाटर को रिचार्ज करने हेतु उपलब्ध होंगे) भारतीय मैट्रोलॉजिकल विभाग के सर्वे के अनुसार वर्ष 2008,2009,2010 में वार्षिक वर्षा 712mm और 416mm हुई। इस क्षेत्र में कपूरथला में वार्षिक वर्षा लगभग 650mm प्रति वर्ष है। यह RWH पिट 94000sqm (लगभग) क्षेत्र में पानी को सोखने/फैलाने की क्षमता रखते हैं। यह बताना आवश्यक है कि वर्षा जल सिंचाई योजना लागू होने के पश्चात् आर सी एफ में पानी का स्तर पिछले दो वर्षों में निम्नलिखित तालिका अनुसार सुधार हुआ है-

रीडिंग तिथि	बोर होल न : 2 नजदीक टाइप IV - V	बोर होल न : 9 नजदीक टाइप I-II	बोर होल न : 15 वेस्ट कॉलोनी क्षेत्र
सितंबर -2010	24.38 m	25.90 m	23.47 m
मार्च -2011	21.64 m	21.64 m	21.94 m

इसके परिणाम अच्छे हैं। आर सी एफ के वेस्ट कॉलोनी क्षेत्र में नए क्वार्टरों का निर्माण किया जा रहा है। नए क्वार्टरों के लिए

नई स्टार्म सीवा लाइन को RWH पिट्स के साथ जोड़ा गया है ताकि ग्राउंड वाटर के लिए अधिकतम पानी एकत्र किया जा सके।

3.3 अग्निशमन प्रबंध

किसी की आपातस्थिति से निपटने के लिए वर्कशॉप और टाउनशिप में संवेदनशील स्थानों पर पर्याप्त अग्निशमन हाइड्रोजन लगाए गए हैं। निम्नलिखित विवरण के अनुसार वर्कशॉप में अग्निशमन के लिए 9 अंडर ग्राउंड स्टेटिक टैंक लगाए गए हैं।

क्र.सं	स्थान	क्षमता
1.	फायर स्टेशन के पास	826 kl
2.	सब स्टेशन 07 के पास	1100 kl
3.	गैस गोदाम CO2 के पास	791 kl
4.	50506 के पास	830 kl
5.	मशीन शॉप के सामने	414 kl
6.	ए एक्स इ एन/ कार्यालय के पास	30 kl
7.	एल पी जी यार्ड के पास	30 kl
8.	स्कूप यार्ड के पास	30 kl
9.	गेट न. 5 के पास	30 kl

3.4 सीवरेज

सीवरेज स्टार्म वाटर ड्रेन से अलग है। सीवरेज को सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (7500 कि.ली. प्रतिदिन क्षमता) में लगाया जाता है जो कॉलोनी के दक्षिण दिशा में स्थित है। इसका पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा आई.एस.ओ 14001 की लेखा परीक्षा टीम द्वारा इसका नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है। सीवरेज बहिः स्त्राव को ट्रीटमेंट करने के बाद इसे जंगलों/पेड़ों की सिंचाई के लिए प्रयोग किया जाता है। सीवरेज का विवरण निम्न प्रकार है।

क्र.सं	विवरण	लम्बाई	
		वर्कशॉप	टाउनशिप
1.	एस डब्ल्यू पाइप 8" dia	1829 m	18757 m
2.	एस डब्ल्यू पाइप 10" dia	1182 m	1465 m
3.	एस डब्ल्यू पाइप 12" dia	936 m	3100 m
4.	एस डब्ल्यू पाइप 16" dia	105 m	---
5.	ब्रिक सीवर 30" dia	208 m	3784 m
कुल		4260 m	27106 m

3.4 ड्रेनेज/ स्टार्म सीवर

पूरे रेडिका परिसर में योजनाबद्ध ड्रेनेज सिस्टम है जिसे नजदीकी नाले जो कि बेई नदी कहलाता है में डाला जाता है। सड़कों पर वर्षा का पानी को शीघ्र साइड ड्रेनेज के द्वारा अंडर ग्राउंड ड्रेनेज सिस्टम में डालते हैं। मॉनसून आने से पहले

ही स्टार्म सीवरों की सफाई की जाती है। स्टार्म सीवर लाइनों की विवरण निम्नलिखित है।

क्र.सं.	विवरण	लम्बाई	
		वर्कशॉप	टाउनशिप
1	आर.सी.सी पइप लाइन 8" dia	615 m	---
2	आर.सी.सी पइप लाइन 12" dia	---	11477 m
3	आर.सी.सी पइप लाइन 18" dia	1072 m	918 m
4	त्रिक सीवर 24" dia	2791 m	171 m
5	त्रिक सीवर 30" dia	---	242 m
6	त्रिक सीवर 36" dia	1022 m	1407 m
7	त्रिक सीवर 42" dia	---	337 m
8	त्रिक सीवर 48" dia	444 m	395 m
9	त्रिक सीवर 60" dia	---	529 m
10	त्रिक सीवर 64" dia	---	184 m
11	त्रिक सीवर 66" dia	---	1639 m
कुल		5944m	17299 m

3.6 रेडिका के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की अल्प विशेषताओं का विवरण निम्न प्रकार है:-

3.6.1 भूमि

क्षेत्र	1178 acres
बुक वैल्यू प्रति एकड़	Rs. 0.30 lakh
वर्तमान कीमत प्रति एकड़	Rs.10.00 लाख (app.)

3.6.2 चार दीवारी (कि.मी)

(i) ईट की दीवार

टाउनशिप	7.041
वर्कशॉप	1.170
कुल	8.211

ii) कांटेदार तार की बाड़ (कि.मी)

टाउनशिप	3.350
वर्कशॉप	
इकहरी	1.170
दोहरी	5.760
कुल	10.280

3.6.3 आवासीय सुविधाएँ

मकानों के प्रकार	के	हुसैनपुर	कपूरथला	जलंधर	स.न, दिल्ली	कुल
टाइप-I	1111	---	04	---	1115	
टाइप-II	1840	---	08	---	1848	
टाइप-III	375	---	---	08	383	
टाइप-IV DS	248	---	---	04	252	
टाइप-IV SS	80	---	---	---	80	

टाइप-V+GM Bungalow	76	---	---	04	80
गैर मानक	51	61	07	---	119
अस्थाई निवास	---	---	---	08	08
कुल	3781	61	19	24	3865

3.6.4 कार्यशाला ढोंचा (वर्गमीटर)

- (i) घिरा हुआ क्षेत्र =242657
(ii) खुला क्षेत्र =120270

3.6.5 अन्य ढोंचा (वर्गमीटर)

- (i) सविर्स बिल्डिंग =24657
(ii) वर्कशॉप में सहायक बिल्डिंग =28145

3.6.6 कल्याण भवन (वर्गमीटर)

- (i) टाउनशिप 38402.33
(ii) वर्कशॉप 11324

3.6.7 रेलपथ (ट्रेक)

विवरण	कुल
(i) बैलास्ट ट्रेक	=12.1 km
(ii) एम्बेडिड ट्रेक	=10.52 km
(iii) पाइंट क्रॉसिंग	=30 no.

3.6.8 वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान किया गया व्यय (हजारों रुपये में.)

क्र.सं.	प्लैन हेड	एलोकेशन	व्यय
1	4200	कैप	69656
2	4200	डी आर एफ	45632
3	4200 (charged)	कैप	00
4	5100	कैप	79096
5	5100	डी आर एफ	14123
6	5200	कैप	9216
7	5200	डी आर एफ	6449
8	6400	कैप	36384
	6400	डी आर एफ	1500
9	7200	डब्ल्यू एम एस	64697
		कुल	326753

4.0 वर्ष 2009-10 की मुख्य विशेषताएँ.

4.1 दिनांक 01.08.2009 को रेल राज्य मंत्री के दौश्रा का सफल आयोजन।

4.2 दिनांक 17.11.09 को रेलवे बोर्ड के सदस्य यांत्रिक के दौरे का सफल आयोजन।

5.0 वर्ष 2009-10 के दौरान पूर्ण किए गए कार्य-

5.1 वर्कशॉप क्षेत्र (प्रशासनिक भवन सहित)

क्र.सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत लाख रु में	पूर्ण होने का माह
1.	वर्कशॉप क्षेत्र में दो अंडर ग्राउंड पानी भंडार टैंकों का निर्माण	7.15	मई-2010

2.	आवश्यक स्थानों पर विभिन्न नॉन क्रेन शॉपों में खराब स्काई लाइटों एवं एल्मीनियम शीटों को बदलना	70.50	सित -2010
3.	नई पेंट शॉप के पास सब स्टेशन का निर्माण	30.56	सित 2010
4.	विभिन्न शॉपों में लावर्स में पुरानी खस को बदलना	4.06	अक्टू 2010
5.	LVD लेजर कटिंग, कट एवं स्ट्रिप मशीन के लिए AC कैबिन का प्रावधान	33.48	नवंबर.-2010
6.	विभिन्न शॉपों की छत पर गटर आउटलेट और वर्तमान गटर ,रेन वाटर पाइप को बदलना	13.09	Dec.-2010
7	WM/पेंट कार्यालय के नजदीक फ्लोरिंग फर्श की मरम्मत और शीट ट्रीटमेंट प्लांट के पास बेनी नं 4 में पिट को भरना।	4.28	Mar-2011
8	MEMU/METRO डिब्बों के शेष बचे आद्यौगिक शेड का निर्माण	114.62	Mar-2011

5.2 टाउनशिप क्षेत्र

क्रसं	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत लाख रूप में	पूर्ण होने का माह
1.	टाउनशिप क्षेत्र में पानी की आपूर्ति हेतु ओवर हैड टैंक तथा पंप का निर्माण	221.40	अप्रैल-2010
2.	थेफ्ट एवं क्रेडिट सोसाइटी आर सी एफ के कार्यालय में विस्तार कार्य	1.39	अप्रैल-2010
3.	बास्केटबाल कोर्ट में P - 4 पालीयूरीथेन आधारित सिंथेटिक कुशनड फर्श का प्रावधान	21.21	जुन- 2010
4.	बास्केटबाल कार्य पर सुरक्षा हेतु तार लगाना	5.47	जुन- 2010

5	आर सी एफ कालोनी के लिए शैलों ट्रेबवैलों का निर्माण	1.99	जुन- 2010
6	सबरोडीनेट विश्राम गृह में टॉयलेट एवं बाथरूम की रिपेयर	1.99	जुन- 2010
7	टाइप -I,II & III क्वार्टरों के डी एण्ड ई यूनिट के लिए फैंबरीकैडिट एंगल आयस सीढ़ी का प्रावधान	28.05	जुलाई- 2010
8	टाइप 5 क्वार्टरों में कोर्ट यार्ड फ्लोरिंग का निर्माण	40.91	जुलाई- 2010
9	टाउनशिप क्षेत्र में टाइप V & IV क्वार्टरों में P&F एंगलो इंडियन शीट का प्रावधान	3.00	जुलाई- 2010
10	टाइप I&II क्वार्टरों में वायर गेज शटर का प्रावधान	60.02	अगस्त.- 2010
11.	आर सी एफ के हॉकी ग्राउंड में वी आई पी गैलरी, दर्शक गैलरी, चेजिंग रूम, और अन्य विविध कार्यों का निर्माण	277.47	अगस्त. 2010
12.	ओपन शैड जिम्नेजियम का विस्तार सुपरवाइजर क्लब के टॉयलेट की मरम्मत कार्य	57.00	नवंबर. 2010
13.	JUC विश्राम गृह में विशेष मरम्मत कार्य तथा टी टी हाल का मरम्मत		मार्च. 2011
14.	सुपरवाइजर क्लब में मरम्मत कार्य तथा टी टी हाल का निर्माण	58.50	मार्च 2011
15.	SOJ कालोनी में विस्तार तथा विशेष मरम्मत कार्य	10.62	मार्च 2011
16.	आर सी एफ में टाइप III क्वार्टर में 20 यूनिट का निर्माण	140.38	मई 2011
17.	टाइप I,II एवं III क्वार्टरों में रास्ते का निर्माण	85.58	नवंबर. 2010
18.	टाइप IV एवं V क्वार्टरों में रास्ते का निर्माण	18.97	मई 2010

कार्मिक

1.0 कर्मचारियों की संख्या

पिछले वर्ष दिनांक 31.03.10 को तथा इस वर्ष 31.03.11 को कर्मचारियों की संख्या का तुलनात्मक विवरण निम्न प्रकार है:-

श्रेणी	31.03.2010 तक		31.03.2010 तक	
	स्वीकृत	वास्तविक	स्वीकृत	वास्तविक
ग्रुप ए	74	71	76	72
ग्रुप बी	115	94	101	91
ग्रुप सी वर्कशाप को छोड़कर	2042	1743	2043	1690
वर्कशाप	4793	4149	4793	4334
ग्रुप सी वर्कशाप को छोड़कर	694	646	694	651
वर्कशाप	579	958	579	807
कुल	8297	7661	8286	7645

2.0 राजपत्रित पद

वर्ष 2010.11 के दौरान राजपत्रित वर्कचार्ज/अस्थाई पदों के सृजन का विवरण निम्न प्रकार है -

(क) वर्कचार्ज पद

क्र सं.	विभाग	ग्रेड	पद की अवधि
1	यांत्रिक	एस ए जी/यांत्रिक (12600)	30-06-2011
2	यांत्रिक	एस ए जी/यांत्रिक (पीसी 12665)	30-06-2011
3	यांत्रिक	एस ए जी/यांत्रिक	31-12-2011
4	यांत्रिक	जे ए जी	31-12-2011
5	यांत्रिक	जे ए जी	31-12-2011
6	यांत्रिक	जे ए जी	31-07-2011
7	यांत्रिक	जे ए जी	31-12-2011
8	यांत्रिक	वरि वेतन	31-12-2011
9	यांत्रिक	वरि वेतन	31-12-2011
10	यांत्रिक	वरि वेतन	31-12-2011
11	एम एण्ड सी	जे ए जी	31-12-2011
12	कार्मिक	वरि वेतन	31-12-2011
13	बिजली	वरि वेतन	31-12-2011
14	भंडार	वरि वेतन	31-03-2011
15	भंडार	वरि वेतन	31-12-2011
16	भंडार	वरि वेतन	31-12-2011
17	भंडार	वरि वेतन	31-12-2011
18	भंडार	वरि वेतन	31-12-2011
19	भंडार	वरि वेतन	31-12-2011
20	सिविल	जे ए जी	31-12-2011
21	सिविल	वरि वेतन	31-12-2011

3.0 विभिन्न श्रेणियों में विशेष आधार पर ग्रुप सी एवं डी में नियुक्तियों

वर्ष के दौरान विभिन्न श्रेणियों में नियुक्तियों का विवरण

क्र स	श्रेणी	2009-10 दौरान			2010-11 दौरान		
		ग्रुप सी	ग्रुप डी	कुल	ग्रुप सी	ग्रुप डी	कुल
1	अनुकपा के आधार पर	5	5	10	7	10	17
2	खेल कूद कोटा	5	--	5	7	--	7
3	भूतपूर्व सैनिक कोटा	--	--	--	4	2	6
4	शारीरिक रूप से	--	--	--	--	--	--
5	अ.जा/अ.ज.ज की कमी को दूर करने के लिए कैंस कार्यक्रम	--	--	--	--	ST-03	ST-3
6	कार्मिक सहमति	--	--	--	--	--	--
7	स्काउट गाइड कोटा	2	--	2	--	--	--
8	उप एक्ट प्रशिक्षु बंगला खलासी	--	42	42	--	B.kh/14 Sub/50	64
	कुल	12	47	59	18	79	97

4.0 वर्ष 2010-11 में विभिन्न मामलों का भुगतान

क्रम सं	बकाया का प्रकार	प्राप्त मामलों की सं	निपटाए गए मामलों की सं	बाकी शेष
1	अधिवर्षिता	78	78	NIL
2	स्वैच्छक सेवानिवृत्त	14	13	1- Out of India
3	आवश्यक सेवानिवृत्त	2	2	NIL
4	त्याग पत्र	6	6	NIL
5	रिमूवल एण्ड निष्कासन	4	4	NIL
6	चिकित्सा दृष्टि के आधार पर	1	1	NIL
7	मृत्यु	18	18	NIL
	कुल	123	122	NIL

5.0 पदोन्नतियों

वर्ष के दौरान चयन उपयुक्तता एवं ट्रेड टेस्ट आयोजित किए गए और 161 कर्मचारियारें पदोन्नत किया गया जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	अनुभाग का नाम	वर्ष 2010-11 में चयन/उपयुक्तता मामलों की सं.	वर्ष 2010-11 में ट्रेड टेस्ट /उपयुक्तता मामलों की सं.	वर्ष 2010-11 में पदोन्नत किए गए कर्मी
1	सुपरवाइजर अनुभाग	25	--	78
2	मिनी. अनु.	3	6	21
3	मैक्नीकल अनुभाग	4	80	481
4	CL-IV अनुभाग	शुन्य	शुन्य	शुन्य

6.0 वी आई पी संदर्भ पत्र

वर्ष 2010-11 में 18 वी आई पी संदर्भ पत्र रेलवे बोर्ड/सासंदों/विधयकों से प्राप्त हुए पत्रों का उत्तर दिया गया।

7.0 7.0 ग्रुप इंसेंटिव स्कीम

ग्रुप 2010-11 के दौरान रेडिका के ग्रुप सी और डी कर्मचारियों को निम्नलिखित इंसेंटिव पर्यवेक्षका भत्तों और पी सी ओ भत्तों का भुगतान किया गया -

इंसेंटिव :	Rs. 47,09,27,208/-
पर्यवेक्षक भत्ता :	Rs.12,06,768/-
PCO भत्ता :	Rs.32,93,380

8.0 बोनस

वर्ष 2010-11 में रेडिका 7634 ग्रुप सी एवं ग्रुप डी कर्मचारियों को 66647420/- ₹ का उत्पादकता लिंक बोनस दिया गया ।

उत्पादकता लिंक बोनस का भुगतान Rs. 6,66,47,720	कर्मचारियों की सं. 7634
--	----------------------------

9.0 31.03.2011 तक अग्रिम भुगतान

वर्ष 2010-11 के दौरान निम्नलिखित अग्रिमों का भुगतान किया गया :-

हैड	आंबटित निधि	भुगतान किए फंड	शेष निधि	अधि/कर्म की सं
भवन निर्माण	1,09,49,000	1,09,49,000	NIL	29
मोटर कार	5,00,000	5,00,000	NIL	3
कम्प्यूटर	7,50,000	7,50,000	NIL	25
मोटर साइकिल स्कूटर	57,38,000	57,38,000	NIL	203
साइकिल	91,000	90,000	NIL	30
कुल	1,80,28,000	1,80,27,000	1,000	290

10.0 अ.जाति/ अ.ज.जाति का कल्याण

अ.जाति/अ.ज.जाति एवं पिछड़े वर्ग के कर्मचारियों की भर्ती एवं पदोन्नति नियमानुसार की गई। वर्ष 2010-11 के दौरान भर्ती एवं पदोन्नति संबंधी विवरण निम्न प्रकार है -

क) पदोन्नति

ग्रुप	कुल कर्मचारी पदोन्नति	अनु जाति	अनु जन जाति	ओ बी सी
ग्रुप-सी	470	188	26	3
ग्रुप -डी	---	--	--	--

ख) भर्ती

ग्रुप	कुल कर्मचारी पदोन्नति	अनु जाति	अनु जन जाति	ओ बी सी
ग्रुप-सी	83	31	9	32
ग्रुप -डी	69	25	1	5

11.0 सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों के लिए पेंशन अदालत

दिनांक 15.12.2010 को सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों के लिए पेंशन अदालत किया गया। इस पेंशन अदालत के दौरान कोई भी शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

12.0 कर्मचारी कल्याण

12.1 क्वार्टर

आर सी एफ में 3757 क्वार्टरों वाली एक आधुनिक कालोनी है जिसका वातावरण हरा भरा एवं स्वस्थ है। प्रत्येक प्रकार के आबंटित क्वार्टरों तथा अनु जाति। अनु जन जाति कर्मचारियों को आबंटित क्वार्टरों की संख्या निम्न प्रकार है।

क्वार्टरों के प्रकार	क्वार्टरों की कुल संख्या	अजा/अजजा द्वारा अधिकृत		प्रतिशत	
		अनु ज	अनु जज		
I	1007	285	74	28.30	7.34
II	1848	460	38	24.89	2.05
III	363	78	6	20.36	1.51
IV	252	54	2	21.42	0.79
IV(SPL)	80	16	3	20.00	3.75
V	79	24	6	30.37	7.59
GM Bangalow	1	-	-	-	-
Sub. Standard Quarters	119+8	23	4	18.11	3.14
Total	3757	940	133	24.88	3.52

12.2 कर्मचारी हित निधि

कर्मचारी हित निधि समिति अपना कार्य सतर्पणजनक ढंग से कर रही है। विभिन्न मदों पर राशि के वितरण का विवरण निम्न प्रकार है -

कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा	Rs.24,09,600
ग्रुप डी के कर्मचारियों की लड़कियों की शिक्षा	Rs.2,20,800
खेल के अलावा अन्य मनोरंजन	Rs.1,50,000
विपत्ति व बिमारी के कारण सहायता	Rs.1,55,000
विविध	Rs.7254
Women Empowerment Activities	Rs.1,68,000
अधिकारियों के लिए मनोरंजन सुविधाएँ	Rs.75,000

पर्यवेक्षकों के लिए मनोरंजन सुविधाएँ	Rs.1,00,000
कर्मचारियों के लिए मनोरंजन सुविधाएँ	Rs.1,50,000
होम्योपैथिक सहित दवाओं का स्वदेशी सिसटम	Rs.73,086
शारीरिक मानसिक रूप से कमजोर बच्चों की वित्तीय सहायता	Rs.1,54,000
कुल	Rs.36,62,740

12.3 कैंटीन

कारखाना क्षेत्र में आधुनिक और सभी सुविधाओं में युक्त एक स्टाफ कैंटीन है जो चाय स्नेक्स कोल्ड ड्रिंक और भोजन की सप्लाई करके 7000 से भी अधिक कर्मचारी की जरूरत को पूरा करती है। इसमें 1200 कर्मचारियों के बैठने की क्षमता है। प्रशासनिक भवन में एक छोटी कैंटीन है जो प्रशासनिक भवन में कार्यात कर्मचारियों को स्नैक्स चाय कोफी सूप और कोल्ड ड्रिंक इत्यादि की सप्लाई करती है।

12.4 स्कूल

आरसीएफ टाउनशिप में सात स्कूल चल रहे हैं। तीन स्कूल सीनियर सेकेण्डरी स्कूल/ सरकारी मिडिल स्कूल/ प्राइमरी स्कूल पंजाब सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा चलाए जा रहे हैं। के वी संगठन द्वारा दो के वी विद्यालय आरसीएफ महिला कल्याण संगठन द्वारा जैक एन जिल स्कूल चलाए जा रहे हैं। लगभग 2800 बच्चे आरसीएफ में उपलब्ध शिक्षा सुविधाओं का लाभ ले रहे हैं।

12.5 कर्मचारी कल्याण कोष

जिन कर्मचारियों की मृत्यु संवाकाल में हो जाती है उनके परिजनों को तत्काल वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए कर्मचारी कल्याण कोष नामक एक योजना चलाई जा रही है।

अधिकारियों सहित सभी कर्मचारी इस योजना के अंतर्गत आते हैं जिसमें दुखी परिजनों को तत्काल मदद उपलब्ध कराई जाती है। इस वर्ष 2010 11 में 19 कर्मचारियों की मृत्यु हुई और उनके आश्रितों को 1073500 अर्थात् प्रत्येक को 56500 रु दिए गए।

12.6 हस्तकला केन्द्र

आर सी एफ में एस वी एफ कमेटी द्वारा एक हस्तकला केन्द्र चलाया जा रहा है वर्ष 2010 11 के दौरान इस केन्द्र में 28 महिला उम्मीदवारों ने कटिंग सिलाई और कढ़ाई में सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा किया।

12.7 कर्मचारी शिकायत निवारण कैंप

28 जुलाई से 6 अगस्त 2010 तक विभिन्न शापों तथा कार्यालयों में शिकयतों के निवारण हेतु 6 शिकयत निवारक कैंप का आयोजन किया गया कैंपों के दौरान 70 शिकयतें प्राप्त हुई और सभी का निपटान किया गया।

12.8 कर्मचारी अवकाश कैंप

क) दिनांक 22/01/2011 तक महिला कर्मचारियों के लिए जोधपुर एवं जैसलमेर में अवकाश कैंप का आयोजन किया गया इस कैंप में 38 कर्मचारियों ने भाग लिया तथा अपनी यात्रा का आनंद उठाया

ख) दिनांक 18/3/2011 से 28/3/2011 तक गोवा टीवीसी और कन्याकुमारी आयोजित अवकाश कैंप में 75 कर्मचारी ने भाग लिया तथा अपने कैंप का आनंद उठाया।

13.0 कल्याण गतिविधियाँ 2010-2011

13.1 सांस्कृतिक कार्यक्रम

i) आरसीएफ की नृत्य भंगडा की सांस्कृतिक टीम ने दिनांक 3 एवं 4 अप्रैल 2010 को wssc सेंटर रेलवे मुंबई मंडल रंगारंग कार्यक्रम पेश किया जिसमें महाप्रबंधक/सेंटर रेलवे ने आर सीएफ की भंगडा टीम को 30000 का पुरस्कार दिया।

ii) आरसीएफ की सांस्कृतिक सोसाइटी द्वारा दिनांक 15.04.2010 को वारिस शाह हाल में 55 वें रेलवे सप्ताह पुरस्कार समारोह के आयोजन पर रंगारंग कार्यक्रम पेश किया गया।

iii) दिनांक 25.04.2010 से 27.04.2010 तक शहीद भगत सिंह संगठन द्वारा बैसाखी मेले का आयोजन किया महाराजा रंजीत हंसह स्टेडियम आर सी एफ में जिसमें विभिन्न प्रकार की दुकाने मनोरजन पार्क खेल कूद आदि आयोजित किए गए रेडिका सांस्कृतिक

सोसाइटी द्वारा तीनों रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया

iv) दिनांक 26/05/2010 को सदस्य यांत्रिक रेलवे बोर्ड के दौरे के दौरान रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

v) दिनांक 28/05/2010 से 30/05/2010 तक वारिस शाह हाल में नाटको पर कार्यशाला का आयोजन किया गया इस कार्यशाला का उद्देश्य रेडिका कर्मचारियों तथा उनके परिवारों में सांस्कृतिक प्रतिभा का विकास करना था।

vi) दिनांक 27.10.2010 से 29 10.2010 तक साहिबजादा अजीत सिंह संस्थान में वर्कर क्लब में दिवाली मेले का आयोजन किया गया जिसमें सभी प्रकार की इंकाने मनोरंजन पार्क और खेलों का आयोजन किया गया मेले के दौरान कर्मचारियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

vii) दिनांक 27.10.2010 से 29.10.2010 तक साहिबजादा अजीत सिंह संस्थान में वर्कर क्लब द्वारा सभी प्रकार की दुकाने मनोरंजन पार्क और खेलों का आयोजन किया गया मेले के दौरान कर्मचारियों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया

viii) दिनांक 04.01.2010 06.01.2010 तक दक्षिण रेलवे

द्वारा चेन्नई द्वारा आयोजित अंतर रेलवे सांस्कृतिक नृत्य प्रतियोगिता में आरसीएफ की भांगडा टीम ने उत्कृष्ट सेट का पुरस्कार प्राप्त किया।

13.2 रोमाचकारी खेल

दिनांक 18/3/2011 से 28/3/2011 तक गोवा टीवीसी और कन्याकुमारी आयोजित अवकाश कैंप में 75 कर्मचारी ने भाग लिया तथा अपने कैंप का आनंद उठाया।

i) दिनांक 17/05/2010 से 30/05/2010 तक बद्रीनाथ से सतूपंथ तल तक 23 वें ट्रेकिंग अभियान का आयोजन 14 कर्मचारियों ने उक्त अभियान को सफलतापूर्वक पूरा किया।

ii) दिनांक 15/06/2010 से 29/06/2010 तक मंसूरी से मिलाप गलेशियर तक 24 वें ट्रेकिंग अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान को 10 कर्मचारियों ने सफलतापूर्वक पूरा किया गया।

iii) दिनांक 2.07.10 से 11.07.10 तक छोविया पास के रास्ते भरमौर से त्रिलोकनाथ तक 25वें ट्रेकिंग अभियान का आयोजन किया गया।

13.3 स्काउट्स एवं गाइड गतिविधियाँ

i) महिला कल्याण संगठन द्वारा आयोजित बच्चों के समर कैंप के दौरान स्काउट्स एवं गाइड द्वारा जल सेवा

महिला कल्याण संगठन द्वारा आयोजित बच्चों के समर कैंप के दौरान स्काउट्स एवं गाइड द्वारा जल सेवा दिनांक 07.06.2010 से 17.06.2010 तक वारिस शाह हाल में महिला कल्याण संगठन द्वारा आयोजित बच्चों के लिए गर्मी के अवकाश से गाइड्स तथा स्काउट्स ने जल सेवा की

ii) सलोगरा में प्रवीण लेवल टेस्टिंग कैंप में चार रेंजर्स द्वारा भाग लेना

दिनांक 28.06.2010 से 02.07.2010 तक सलोगरा में आयोजित प्रवीण लेवल टेस्टिंग कैंप में चार रेंजर्स ने सक्रिय रूप में भाग लिया

iii) रायवाला में आयोजित कैंप में एक रोवर का राष्ट्रपति टेस्टिंग कैंप के लिए चुनाव

दिनांक 28.06.2010 से 02.07.2010 तक रायवाला में आयोजित राष्ट्रपति टेस्टिंग कैंप को प्रगति ग्रुप के एक रोवर ने सफलतापूर्वक पूरा किया।

iv) रायवाला में आयोजित निपुण कैंप में तीन रोवरों द्वारा भाग लेना

रायवाला में दिनांक 28.06.2010 से 02.07.2010 तक आयोजित कैंप में तीन रोवरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

v) रायवाला में राष्ट्रपति स्काउट्स टेस्टिंग कैंप में दो स्काउटों ने भाग लिया

रायवाला में दिनांक 28.06.2010 से 02.07.2010 तक आयोजित कैंप में 2 स्काउट ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

vi) रायवाला में राज्य पुरस्कार टेस्टिंग कैंप में एक स्काउट ने भाग लिया

दिनांक 28.06.2010 से 02.07.2010 तक रायवाला में राज्य पुरस्कार टेस्टिंग कैंप में एक स्काउट ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

vii) नए स्काउट के लिए वीक एंड कैंप

दिनांक 17.07.2010 से 18.07.2010 रेडिका स्काउट डेन में 50 नए बच्चों ने वीक एंड कैंप में भाग लिया।

viii) राष्ट्रपति पुरस्कार

इस वर्ष में 8 स्काउट 01 रोवर एवं 01 रेजर को राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए चयन किया गया। श्री प्रवीण कुमार स्काउट और कुमारी नेहा जोशी रेंजर ने गडपुरी में राष्ट्रपति नशनल रैली में भाग लिया। दिनांक 17.07.2010 को राष्ट्रपति भवन में कुमारी नेहा जोशी ने भारत के माननीय राष्ट्रपति से राष्ट्रपति रेंजर पुरस्कार प्राप्त किया।

ix) दिनांक 13.08.2010 से 30.08.2010 तक गाइडिंग के शताब्दी वर्ष का आयोजन

राज्य के प्रधान कार्यालयों से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुसार रेडिका जिले द्वारा गाइडिंग के शताब्दी वर्ष के आयोजन संबंधी निम्न लिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए -

क) दिनांक 18/08/2010 को रेडिका के दोनों गेटों पर पालीथीन विरोधी अभियान चलाया गया ताकि कालोनीवासियों को पालीथीन से हटाने का प्रयोजन जागरूक किया जा सके। और उन्हें काटन/जूट के बैग का प्रयोग करने के लिए अनुरोध किया गया।

ख) उर्जा संभरण हेतु दिनांक 19/08/2010 को रेडिका में डोर टोर अभियान चलाया गया।

ग) दिनांक 20/08/2010 को स्काउट डेन में रेडिका भारत स्काउट एण्ड गाइड के सदस्यों द्वारा सर्वप्रथम प्रार्थना का आयोजन किया गया।

घ) दिनांक 21/08/2010 को वी एस एफ जी आर सी एफ , द्वारा स्वस्थ पर्यावरण हेतु वृक्षारोपण किया गया।

च) भारत स्काउट एण्ड गाइड रेडिका द्वारा दिनांक 22/08/2010 एवं 29/08/2010 को दो सफाई अभियान गुरुद्वारा साहिब तथा लाला लाजपत राय अस्पताल चलाए गए।

छ) दिनांक 29/08/2010 को दुकानदारों द्वारा शापिंग सेंटर में मां भगवती जागरण का आयोजन किया गया जिसमें बहुत से रोवरों ने अपनी सेवाएं प्रदान की जिसकी सभी ने सराहना की।

ज) दिनांक 30/08/2010 को गाइडिंग के समापन समारोह के शताब्दी वर्ष के आयोजन पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिला मुख्य आयुक्त/रेडिका और फिरोजपुर के भी अधिकारियों ने भाग लिया।

x) आरसीएफ स्काउट्स एवं रोवरों द्वारा सर्विस प्रदान करना

दिनांक 17/09/2010 को आर सी एफ विशकर्मा पूजा और 01/09/2010 को सनातन धर्म मंदिर आर सी एफ में जन्माष्टमी के अवसर पर बहुत से स्काउट्स और रोवरों ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

xi) ट्रेक ऑफ ब्यास कुंड

दिनांक 19 से 26 अक्टूबर 2010 रोवरों ने 12000 फीट की उंचाई पर ब्यास कुंड ट्रेक को अच्छे स्वास्थ्य तथा जोश के साथ पूरा किया।

xii) सतर्कता जागरूकता रैली

रेडिका के स्काउट्स एवं गाइड्स ने दिनांक 27 अक्टूबर को सतर्कता विभाग द्वारा आयोजित रैली में भाग लिया।

xiv) दिवाली मेले के दौरान सेवाएँ

आर सी एफ स्काउट्स एवं रोवरों ने साइहबजादा अजीत सिंह संस्थान वर्कर 27 से 29 अक्टूबर 10 तक आयोजित दिवालनी मेले में अपनी सेवाएं प्रदान की।

xv) कीर्तन दरबार तथा सामूहिक विवाह के दौरान सेवाएँ

आर सी एफ स्काउट्स एवं रोवरों ने 18 वे महाकीर्तन दरबार एवं दिनांक 30 एवं 31 अगस्त 2010 को गुरुद्वारा में 12 गरीब लडकियों के सामूहिक विवाह के दौरान अपनी सेवाएं प्रदान

xv) सर्वधर्म प्रार्थना

दिनांक 20 नवंबर 2010 को स्काउट डेन में आर सी एफ गाइड्स एवं स्काउट्स द्वारा प्रार्थना का आयोजन किया गया।

xvi) आर सी एफ भारत स्काउट्स एंड गाइड द्वारा ग्रैंड कैंप फायर

फायर दिनांक 25 जनवरी 2011 को स्काउट डेन में आर सी एफ भारत स्काउट्स एवं गाइड द्वारा ग्रैंड कैंप फायर का आयोजन किया गया जहाँ पर क्राफ्ट प्रदर्शनी और रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाप्रबन्धक आर सी एफ द्वारा आर सी एफ स्काउट एवं गाइड को 10000 के पुरस्कार की घोषणा की।

xv) स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के दौरान स्काउट्स एवं गाइड द्वारा सेवाएं

दिनांक 15/08/2010 को स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस 26/01/2011 के अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

xvii) स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस के दौरान स्काउट्स एवं गाइड द्वारा सेवाएं

दिनांक 15/08/2010 को स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस 26/01/2011 के अवसर पर स्काउट्स एवं गाइड्स ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

xix) पल्स पोलियो अभियान के दौरान स्काउट्स एवं गाइड द्वारा सेवाएं

एल एल आर अस्पताल में दिनांक 23/01/2011 से 27/01/2011 और 27/02/2011 में 01/03/2011 तक आयोजित पल्स पोलियो अभियान में बहुत से स्काउट्स एवं गाइड्स ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

14.0 आर सी एफ डबल्यू डबल्यू ओ द्वारा किए गए कार्य

महिला कल्याण संगठन आर सी एफ कपूरथला लाभनिरपेक्ष समाजिक कल्याण संगठन जोकि राजिस्ट्रार ऑफ सोसाइटी के रजि न KPT/ARS/639 के साथ पुजीकृत रजि ने अपना कार्य 1991 में आरंभ किया यह संगठन आर सी एफ कर्मचारियों और परिवार को बिना किसी निजी लाभ से सेवाएं प्रदान करती है। दिनांक 01/04/2010 से 31/03/2011 तक किए गए कार्यों का संक्षिप्त विवरण निम्न प्रकार है।

14.1 कंप्यूटर सेंटर

आर सी एफ डबल्यू डबल्यू ओ के संरक्षण में दिनांक 8 अप्रैल 2010 से आर सी एफ एक कंप्यूटर सेंटर में रोजगार संबंधी नए कोर्स जैसे कि हार्डवेयर एम एस डैस विंडो एम एस एक्सल नेटवर्किंग जी एल पी पी वी जावा इत्यादि सूचना प्रौद्योगिकी के आरंभ किए गए। वर्ष के दौरान 102 बच्चों यह कोर्स पूरे किए और उनमें से 04 बच्चों ने प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार प्राप्त किया।

14.2 स्कवैश बनाने का प्रशिक्षण दिनांक 21/04/2010 को अधिकारी

दिनांक 21/04/2010 को अधिकारी क्लब में कृषि विज्ञान के 3 कपूरथला के विशेषज्ञों द्वारा स्कवैश तैयार करने सेबेधी प्रशिक्षण महिला कल्याण संगठन के सदस्यों को दिया गया।

14.3 स्कवैश बनाने का प्रशिक्षण दिनांक 21/04/2010 को अधिकारी

दिनांक 21/04/2010 को अधिकारी क्लब में कृषि विज्ञान के 3 कपूरथला के विशेषज्ञों द्वारा स्कवैश तैयार करने सेबेधी प्रशिक्षण महिला कल्याण संगठन के सदस्यों को दिया गया।

14.4 अल्प आहार केन्द्र

आर सी एफ टाउनशिप में दक्षिण भारतीय खाने की बढ़ रही माँग को ध्यान में रखते हुए दिनांक 26 जून को RCFWWO/के संरक्षणों में दक्षिण भारतीय मिनी मील सेंटर खोला गया। श्रीमती शिवानी हांडा सदस्य RCFWWO/नई दिल्ली ने इसका उद्घाटन किया।

14.5 वृक्षारोपण

आर सी एफ को गोल्डन पीकाक एन्वायरमेंट मैनेजमेंट पुरस्कार विश्व पर्यावरण संस्था द्वारा दिया गया और हरियाली बनाए रखने के लिए ग्रीनटेक एन्वायरमेंट एक्सीलेंस गोल्ड पुरस्कार भी दिया गया। दिनांक 21/07/2010 को वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जिसमें आर सी एफ डबल्यू डबल्यू ने आर सी एफ टाउनशिप में विभिन्न स्थानों पर वृक्ष लगाए।

14.6 कुष्ठ केंद्र का दौरा

आरसीएफ महिला कल्याण संगठन कुष्ठ केंद्र को सहायता प्रदान करते हैं। दिनांक 22 जुलाई को अध्यक्ष और कार्यकारी समिति सदस्य ने कुष्ठ केंद्र का दौरा किया जिसमें उन्होंने धन,फल, भोजन सामग्री और कपड़े दान दिए।

14.7 तीज त्यौहार

रेडिका में तीज का त्यौहार बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। प्रत्येक वर्ष की तरह 7 अगस्त को तीज का त्यौहार मनाया गया। जिसमें आर सी एफ डबल्यू डबल्यू के सदस्यों ने भाग लिया।

14.8 स्वतंत्रता दिवस का आयोजन

आर सी एफ डबल्यू डबल्यू ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एलएल आर अस्पताल का दौरा किया और भर्ती मरीजों के फल एवं मिठाइयों बाँटी।

14.9 ड्राइंग पेंटिंग और निबंध लेखन प्रतियोगिता

5 एवं 12 सितंबर को आन द स्पार्ट ड्राइंग एवं निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें क्रमश 158 एवं 60 बच्चों ने प्रत्येक प्रतियोगिता के 03 ग्रुप में भाग लिया। सभी प्रतिभागी बच्चों को अध्यक्ष आर सी एफ डबल्यू डबल्यू द्वारा छोटे छोटे उपहार दिए गए।

14.10 अध्यापक दिवस का आयोजन

इस वर्ष अध्यापक दिवस रविवार के दिन था इस लिए अध्यापक

दिवस का आयोजन 15 सितंबर को अधिकारी क्लब आरसीएफ में किया गया।

14.11 पानी के कूलर को लगाना

आर सी एफ डबल्यू डबल्यू सदैव ही कर्मचारियों की भलाई के लिए तैयार रहती है। इस सी एफ कर्मचारियों की माँग पर एक पानी के कूलर की व्यवस्था आर सी एफ शापिंग कम्प्लैक्स में पीने के लिए उपलब्ध की गई।

14.12 वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान

आर सी एफ टाउनशिप में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान हेतु दिनांक 10/11/2010 में वारिस शाह हाल में रेडिका के संरक्षण में स्टॉफ बेनीफिट फंड कमेटी द्वारा एक सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा भोजन का आयोजन किया। जिसमें अध्यक्ष आर सी एफ डबल्यू डबल्यू ने वरिष्ठ नागरिकों को उपहार बाँटे। महाप्रबन्धक आर सी एफ ने आर सी एफ कर्मचारियों के बच्चों को उनकी शैक्षणिक खेल तथा सांस्कृतिक क्षेत्र में उपलब्धियों के लिए प्रशंसा दी।

14.13 पुरस्कार प्रदान करना

दिनांक 19 जनवरी 2011 को अध्यक्ष आर सी एफ डबल्यू डबल्यू ने आर सी एफ कर्मचारियों के 20 बच्चों को पुरस्कार प्रदान किए जिनका चयन वर्ष 2009 2010 में IIT/AIEE/PMT/AIMPT में हुआ।

14.14 पुरस्कार वितरण समारोह दिनांक

दिनांक 22 दिसम्बर 2010 को अध्यक्ष आरसीएफ WWO ने

ऑन द स्पॉट ड्राइंग एवं पेंटिंग में और निबंध प्रतियोगिता में तीन विभिन्न आयु गुप के कर्मचारियों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

14.15 गणतंत्र दिवस का आयोजन

अध्यक्ष और WWO के कार्यकारी कमेटी के सभी सदस्यों ने LLR अस्पताल का दौरा किया और भर्ती मरोजों को फल तथा मिठाइयाँ बांटी।

14.16 आरसीएफ WWO सदस्यों द्वारा क्रेच का दौरा

महिला कल्याण संगठन, आरसीएफ के संरक्षण में 2 अप्रैल 2003 से क्रेच चलाया जा रहा है ताकि महिला कर्मचारियों के बच्चों की देखभाल की जा सके। 28 जनवरी को अध्यक्ष तथा अन्य कार्यकारी कमेटी सदस्यों ने क्रेच सेंटर का दौरा किया और छोटे बच्चों को छोटे खिलौने तथा चॉकलेट बांटे।

14.17 विदाई समारोह

दिनांक 25 एवं 26 जनवरी 2011 को श्रीमती आभा कुमार, अध्यक्ष महिला कल्याण संगठन तथा श्रीमती परमजीत कौर उप अध्यक्ष महिला कल्याण संगठन को अधिकारी विश्रामगृह हुसैनपुर में WWO के सभी सदस्यों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई जिसके बाद दोनों अवसरों पर रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया।

चिकित्सा

1.0 सामान्य

रेल कोच फैक्टरी के 60 विस्तर वाले लाला लाजपत राय अस्पताल में 6 विस्तर वाला ICU और 4 केबिन हैं जोकि लगभग 7900 कर्मचारियों तथा 465 सेवानिवृत्त कर्मचारियों और उनके परिवार को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करते हैं। रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला के चिकित्सा विभाग के प्रमुख मुख्य चिकित्सा अधीक्षक हैं। उनके साथ 6 वरि. मंडल चिकित्सा अधिकारी, 2 मंडल चिकित्सा अधिकारी, एक कांटेक्ट मेडिकल प्रैक्टिशनर कार्यरत हैं। यहां पर 6 अलग-अलग रोगों के विशेषज्ञ जैसे हड्डी रोग, जर्नल सर्जरी, एनेस्थेसियोलॉजी, फिजीशियन, छाती रोग विशेषज्ञ और स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। एक अंशकालिक दंत चिकित्सक और होम्योपैथिक डॉक्टर भी इस अस्पताल में कार्य कर रहे हैं। एक एनेस्थेसिया विशेषज्ञ भी अस्पताल में दौरे पर उपलब्ध होते हैं।

वर्कशाप में एक प्राथमिक चिकित्सा पोस्ट है जिसमें एक मुख्य मैट्रन और 3 ड्रेसर दिन रात ज्यूटी पर उपलब्ध रहते हैं।

वर्ष के दौरान कुल बाह्य रोगी 1,87,305
ओपीडी में प्रतिदिन रोगियों की औसत सं. 640(approx)
वर्ष के दौरान भर्ती रोगियों की सं. - 2479

अ) लाला लाजपत राय अस्पताल/ रेडिका के साथ जुड़े रेफरल अस्पताल

जिन रोगियों को विशेष उपचार की आवश्यकता होती है उन्हें सिविल अस्पताल/कपूरथला,सैक्रेड हार्ट/जालंधर, वासल अस्पताल/ जालंधर,

पटेल अस्पताल/जालंधर, सीएमसी अस्पताल/लुधियाना और सेन्ट्रल अस्पताल नई दिल्ली रेफर किया जाता है। दिल के रोगियों को टैगोर अस्पताल, जालंधर और वी वी वी सी/हार्ट केयर सेन्टर जालंधर रेफर किया जाता है।

2.0 पारा मेडिकल स्टाफ

इस समय अस्पताल में पारा मेडिकल स्टाफ के 221 मंजूर पदों के स्थान पर 202 कर्मचारी कार्यरत हैं। यह अस्पताल रेडिका के लगभग 30000 लोगों को चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करवा रहा है।

3.0 जांच सुविधाएं

3.1 प्रयोग शाला जांच

अस्पताल में सभी उपकरणों से सुसज्जित एक प्रयोगशाला है। इस प्रयोगशाला में खून, पेशाब, स्टूल, सीमन, थूक और अन्य शारीरिक फ्ल्यूइड की रूटीन जांच तथा रूटीन बायोकेमिस्ट्री टेस्ट जैसे लीवर फंक्शन टेस्ट, किडनी फंक्शन टेस्ट, लिपिड प्रोफाइल, ग्लूकोस टोलरेंस टेस्ट, यूरिक एसिड इत्यादि, सेरोलॉजिकल टेस्ट

जैसे एच आई वी (1 और 2), हेपाटाइटिस बी और सी। रियूमैटायड अर्थराइटिस, टायफायड टेस्ट (विडाल टेस्ट), विनिरल बीमारियों की जांच और सभी प्रकार के हेमेटोलौजी टेस्ट जिसमें एनीमिया का पता लगाने के लिए पेरिफेरल ब्लड स्मीयर शामिल हैं, किए जाते हैं।

वर्ष 2010-11, के दौरान निम्नलिखित जांच/टेस्ट किए गए :
हेमेटोलौजी - 36,386

बायो केमिस्ट्री - 52,113

यूरोलौजी - 24,284

सेरोलौजी - 4,119

क्लिनिकल पैथोलौजी - 1,339

माइक्रोबायोलौजिकल वाटर टेस्टिंग - 308

टेस्टों की कुल सं. - 1,18,549

वर्ष के दौरान शीघ्र रिपोर्टिंग प्रणाली आरंभ की गई। ब्लड शुगर फास्टिंग और वी पी की जांच को एक दिन से बढ़ाकर 3 दिन तक कर दिया गया है। नए द्विभाषी रिपोर्टिंग फार्मेट में सभी जांच के नार्मल रेल शामिल किए गए हैं। जिसकी सभी ने सराहना की है।

3.2 प्रयोगशाला को मान्यता देना

लाला लाजपत राय अस्पताल की प्रयोगशाला में एक्सटर्नल क्वालिटी एसेसमेंट स्कीम लागू की गई और हमारे अस्पताल के परिणामों की CMC वैलोर द्वारा WHO पैरामीटर के अधीन नियमित जांच की जाती है। प्रविभागी प्रणाम पत्र तथा सी एम सी वैलोर से प्राप्त वार्षिक सार में से हमारे परफार्मेंस को 'अच्छा' माना गया।

3.3 आर एन टी सी पी माइक्रोस्कोपी सेंटर

संशोधित नेशनल ट्यूबर कुलोसिस कंट्रोल प्रोग्राम के अंतर्गत हम टी बी का पता लगाने के लिए थूक की जांच करने हेतु लाला लाजपत राय अस्पताल में माइक्रोस्कोपी सेंटर चला रहे हैं। 230 रोगियों के थूक की कुल 388 जांच की गई जिनमें से 13 रोगियों को पोजेटीव पाया गया।

3.4 एक्स-रे विभाग

500 एम ए डी एक्स मशीन और 325 डी एक्स मशीन का संचालन 2 एक्स-रे तकनीशियन कर रहे हैं। नई 60 MA पोर्टेबल मशीन और सी-आर्म इमेज इनटेंसीफायर उपलब्ध

करवाई गई है। एक नई दांत एक्स-रे यूनिट दांत विभाग में लगाई गई है। वर्ष में 8761 एक्सरे किए गए।

3.5 कार्डिक एवं पलमोनरी फंक्शन टेस्ट विभाग

लाला लाजपत राय, अस्पताल में 3 ई.सी.जी. मशीनें और एक कैम्प्यूटराइज्ड बैंक उप ई.सी.जी. मशीन उपलब्ध है जिसको एक तकनीशियन और एक प्रशिक्षित नर्स द्वारा चलाया जाता है। यह सुविधा दिन-रात उपलब्ध है। आधुनिक सुविधाएं जैसे टी.एम.टी., ऑल्टर, आफडियोमेट्री और स्पायरोमेट्री भी उपलब्ध करवाई गई है

अब इन सुविधाओं के लिए रोगियों को जालंधर जाने की आवश्यकता नहीं है।

वर्ष के दौरान ई.सी.जी.	: 3012
कुल टी.एम.टी.	: 103
कुल हाल्टर टेस्ट	: 22
कुल आडियोमेट्री टेस्ट	: 366
कुल स्पायरोमेट्री टेस्ट	: 261

4.0 थेराप्यूटिक सुविधाएं

4.1 ऑपरेशन थिएटर और सर्जरी विभाग

अस्पताल में सभी सुविधाओं से सुसज्जित दो बड़े एवं एक छोटा वातानुकूलित ऑपरेशन थिएटर है। बेसिक और एडवांस लेप्रोस्कोपिक सर्जरी जैसे मॉडीफाइड रेडीकल मास्कटोक्टोमी लाला लाजपत राय अस्पताल में की जाती है। एडवांस लैपरस्कोपी सर्जरी जैसे TAPP, TEP (लेपरस्कोपी इग्नूनल हर्निया रिपेयर) और कम्बाइंड लैपरस्कोपी सर्जरी भी सफलतापूर्वक की जाती है।

4.2 आर्थोपैडिक सर्जरी विभाग

लाला लाजपत राय अस्पताल में विशेष ऑपरेशन जैसे घुटने के जोड़ का ऑपरेशन और हिप ज्वाइंट को बदलने के लिए किए जाने वाले ऑपरेशन के लिए पहली बार नई तकनीक लागू की गई। इसी प्रकार रूटीन आर्थोपैडिक सर्जरी भी की जाती है। जैसे अंडर सी-आर्म इमेज इन्सैटीफायर, जैसे ओपन रीडक्शन एवं डी सी प्लेट और नेल्स सहित फ्रैक्चर की इंटरनल फिक्सेशन।

बड़े ऑपरेशनों की संख्या : 205

छोटे ऑपरेशनों की संख्या : 856

4.3 मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर

मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर को संचालित किया गया है। मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर में किए गए ऑपरेशन से रोगियों में इन्फेक्शन की संभावना भी कम हो गई है और ऑपरेशन के पश्चात् रोगी शीघ्र रिक्वर हो रहे हैं।

4.4 स्त्री रोग और आब्स्टेट्रिक्स विभाग

स्त्री रोग विशेषज्ञ (CMP) भी इस अस्पताल में उपलब्ध हैं। स्त्री रोग संबंधी सभी मामले इसी अस्पताल में निटाए जाते हैं। LSCS, टोटल एबडोमिनल हिस्टरेक्टॉमी जैसे बड़ी सर्जरी और डी एंड सी जैसे छोटे ऑपरेशन यहाँ किए जाते हैं। एनिसथीसिस्ट के सहयोग से बड़े ट्यूमर को हटाने जैसे जटिल मामले भी पिटाए गए हैं।

वर्ष के दौरान डिलीवरी की कुल संख्या : 22

4.5 कैंसर जांच

महिलाओं में कैंसर जांच करने हेतु मेमोग्राफी और पैप स्मीयर लगाए गए हैं तथा महिलाओं में कैंसर की नियमित जांच की जाती है। इन मामलों की जांच के लिए विशेषज्ञ अस्पतालों से सम्पर्क किया जाता है।

4.6 आपातकालीन विभाग

आपातकालीन सेवाएं दिन-रात उपलब्ध हैं। डॉक्टर दिन के समय कॉल ड्यूटी पर उपलब्ध रहते हैं और रात्रि के समय अस्पताल में उपलब्ध रहते हैं। आपातकालीन विभाग में 3 एम्बुलेंस हैं। एक एम्बुलेंस वर्कशाप में प्राथमिक उपचार केंद्र में उपलब्ध रहती है। गंभीर मामलों के रोगियों को मान्यता प्राप्त अस्पतालों जैसे सेक्रेड हार्ट अस्पताल, घई अस्पताल, वासल अस्पताल, टैगोर अस्पताल, बी बी सी हर्ट केयर जालंधर, सी एम सी अस्पताल लुधियाना और कभी कभी सिविल अस्पताल कपूरथला में रेफर किया जाता है। अस्पताल विभाग ISO विनिर्दिष्टियों के अनुसार बना हुआ है। आपातकालीन विभाग में रोगियों के आराम और प्राइवैसी को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक बेड के पास पर्दे आदि लगाकर अपग्रेड किया गया है।

4.7 क्रिटिकल केयर एम्बुलेंस

लाला लाजपत राय अस्पताल के लिए एक वातानुकूलित क्रिटिकल केयर एम्बुलेंस खरीदी गई है। इस एम्बुलेंस में गंभीर रोगियों जैसे मायोकार्डियल इन्फेक्शन (हार्ड अटैक), श्वास रोग, सिर की चोट इत्यादि के लिए जीवन रक्षक उपकरण लगे हुए हैं।

इसमें ऑक्सीजन पाइप लाइन सप्लाय, ट्रांसपोर्ट वेन्टीलेटर, वाइटल साइन मॉनीटर, डेफिब्रीलेटर, सेक्शन अपरेटस, कैपनोग्राफ, फोल्ड होने वाला स्ट्रेचर, व्हील चेयर और स्कूप स्ट्रेचर आदि उपलब्ध हैं। इसके इंटीरियर को इस तरह से डिजाइन किया है कि सीमलेस तथा हाइजिनिक कार्य के लिए तापमान नियंत्रित केबिन उपलब्ध हो सके। यह एम्बुलेंस भारतीय रेलवे में अपनी तरह की पहली एम्बुलेंस है।

4.8 फिजियोथेरेपी विभाग

यहाँ एक सुसज्जित जियोथेरेपी केन्द्र है जिसमें सभी प्रणालियाँ जैसे शार्ट वेव डायथर्मि, माइक्रोवेव, थेरेपी, इलक्ट्रिक/विभिन्न थेरेपी, पल्सेटिंग इलेक्ट्रोस्टैटिक फील्ड थेरेपी और इलेक्ट्रानिक बायो फीड बैक आदि माजूद हैं। पल्सड डायथरेमी, कंबीनेशन थेरेपी और डिजिटल स्टीयुलेटर जैसे आधुनिक उपकरण फिजियोथेरेपी विभाग में उपलब्ध हैं। क्रायोथेरेपी, गाइडेंस थेरेपी यूनिट, पूरे शरीर की वाइब्रेशन की यूनिट में अब जोड़ी गई है। एक नई मशीन मैग्नेटोथेरेपी यूनिट भी लगाई गई है जसने हड्डी रोग के पुराने मरीजों में अच्छे परिणाम दिखाए हैं। इन आधुनिक उपकरणों के लगाने से उपचार की गुणवत्ता में सुधार और रोगियों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ हो रहा है। इस यूनिट का रख-रखाव फिजियोथेरापिस्ट द्वारा किया जा रहा है। अत्याधुनिक 3 डी आर्थोपैडिक ट्रेक्शन सिस्टम और शॉक वेव थेरापी यूनिट रेडिकल शॉकवेव थेरापी भी विभाग में लगाई गई है जोकि आधुनिक तथा स्टेट ऑफ आर्ट तकनीक है। इसे टेनिस एलबो, प्लेटनर सुविधाएं कैलकेनियस सपर इत्यादि अंगों के उपचार के लिए प्रभावपूर्ण होगा।

रोगियों की संख्या जिन्हें फिजियोथेरेपी दी गई : 7916

(भर्ती रोगी तथा बाह्य रोगी)

4.9 ऑक्सीजन मैनीफोल्ड

यह रोगियों को सेक्शन के लिए बिना रूकावट के ऑक्सीजन और वैक्यूम की सप्लाय करता है।

4.10 डेन्टल विभाग

यह विभाग एक अंशकालिक डेन्टल सर्जन द्वारा देखा जा रहा है जो निवारक तथा इलाज करने के साथ-साथ रेडिका के स्कूलों में बच्चों के दांतों की समस्याओं के लिए समय-समय पर कैंप भी लगाते हैं

वर्ष के दौरान मरीजों की संख्या : 4641
दांत भरने की कुल संख्या : 5272
एक्स रे की कुल संख्या : 1820
एक्सट्रेक्शन की कुल संख्या : 659

आर सी टी की कुल संख्या : 20

5.0 परिवार कल्याण गतिविधियाँ

अस्पताल में परिवार कल्याण कर्मचारी अलग से नियुक्त नहीं किए गए हैं लेकिन नर्सिंग कर्मचारियों द्वारा प्रतिदिन यह कार्य देखा जाता है। वर्ष 2009-10 के दौरान परिवार कल्याण विभाग की उपलब्धियाँ निम्न प्रकार हैं।

स्टरलाइजेशन - 05
आई यू डी - 10
ओरल पिल्स - 50
बी सी जी - 50
डी पी टी एंड पोलियो - 126
मीजल्स - 125

5.1 प्रतिरक्षण कार्यक्रम

15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को हेपाटाइटिस बी के लिए इन्जेक्शन, हेपाटाइटिस वेक्सीन और इन्जेक्शन टाइवेक्स की तीन खुराकें दी गईं

हेपाक्सीन का लाभ लेने वालों की संख्या 515

इंजेक्शन टाइवेक्स का लाभ लेने वालों की संख्या 148

परिवार के आंकड़ों को अस्पताल के कम्प्यूटर में उपलब्ध डाटा बेस की सहायता से तैयार किया गया। सभी पात्र बच्चों को MMR वेक्सीनेशन दिया। गर्भवती महिलाओं की सप्ताह में दो बार एन्टीनैटल जॉब की जाती है और उन्हें आयरन एवं फोलिक एसिड के साथ टी टी वैक्सीन के 2 डोज दिए जाते हैं। बच्चों का टीकारण नियमित रूप से किया जाता है। कर्मचारियों के घरों में जाकर नियमित रूप से सर्वे किया जाता है और कंडोम, ओरल पिल्स आदि बांटी जाती हैं तथा माता-पिता को बच्चों की देखभाल तथा स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी जाती है।

5.2 पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम

प्रत्येक वर्ष शिड्यूल के अनुसार पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। वर्ष के दौरान 02 चरणों में पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

दिनांक	रेलवे	गैर रेलवे	कुल
वर्ष 2010-11 के दौरान अप्रवासी श्रमिकों के लिए 5 विशेष पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।	----	324	324
23/01/2011	780	460	1240

पहले दिन बच्चों को बुथों और रेलगाड़ियों में पोलियो की बूँदे दी गईं। दूसरे और तीसरे दिन घर-घर जाकर उन बच्चों को बूँदे पिलाई जो पहले दिन बूथ पर नहीं पहुंचे थे। अगले 4 दिनों तक टीमों ने घर-घर जाकर X चिह्न वाले घरों पर P चिह्न लगाया। इसके अतिरिक्त इस बीमारी को दूर करने के लिए

रेडिका के बाहर झोपड़ी में रहने वाले प्रवासी मजदूरों के बच्चों को भी पल्स पोलियों की बूंदें पिलाई गईं। वर्ष के दौरान विभिन्न अंतराल पर लगभग 325 बच्चों को पल्स पोलियो की बूंदें पिलाने के लिए विशेष टीमें भेजी गईं।

5.3 एम एंड पी कार्यक्रम के तहत चिकित्सा उपकरणों की खरीद

क्र.सं. उपकरण का नाम	मात्रा	लागत (लाख में)	प्रयोग हेतु
1 फेटल मॉनीटर	1	2.01	नए जन्में बच्चों के दिल की स्थिति तथा श्वास प्रणाली की जांच हेतु
2 शॉक वेव थेरापी	1	17.5	टैनिंस एलबो पलेटर फेसटिस कलकेनीयस
3 आधुनिक आर्थोपेडिक ट्रेक्शन सिस्टम	1	4.88	परोलैपस इंटरवर्टिकल डिस्क मनेजमेंट सरवाइकल सपांडीलाइसिस इत्यादि

6.0 अन्य गतिविधियाँ

6.1 कैटरैक्ट सर्जरी कैंप

दिनांक 8 एवं 9 दिसम्बर 2010 को लाला लाजपत राय अस्पताल में उत्तर रेलवे के आप्यामोलॉजिस्ट के सहयोग से कैटरैक्ट सर्जरी कैंप का आयोजन किया गया। 58 से अधिक रोगियों की जाँच के पश्चात 18 रोगी सर्जरी के लिए उपयुक्त पाए गए। डॉ. एस पी शर्मा, वरि. मंडल चिकित्सा अधिकारी रेडिका की सहायता से मामलों की जांच की गई तथा प्रारंभिक कार्य किया गया। डॉ. ओ पी आनंद, वरि. मंडल चिकित्सा अधिकारी, एन आर सी एच डॉ. निटू वरि. रेजीडेंट और डॉ. एस पी शर्मा, डिवाजनल अस्पताल फिरोजपुर की सहायता से Phaceemulsification तकनीक जोकि कैटरैक्ट सर्जरी की आधुनिक तकनीक है, ऑपरेशन किए। रोगियों तथा उनके रिश्तोदारों द्वारा कैंप तथा रोगियों की देखभाल की भरपूर सराहना की गई।

6.2 घुटने के जोड़ को पूर्ण रूप से बदलना

दिनांक 08.12.2009 को पहली बार एल एल आर अस्पताल के माड्यूलर ऑपरेशन थिएटर में सुपर स्पेशलिस्ट आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. शुभंग अग्रवाल जालंधर के सहयोग से घुटने के जोड़ को पूर्ण रूप से बदला गया। ऑपरेशन को सफलतापूर्वक किया गया। उसी रोगी के दूसरे घुटने को फरवरी 2010 में बदला गया। अब यह ऑपरेशन सफलतापूर्वक नियमित रूप से किए जाते हैं।

6.3 हिप (कूल्हा) ज्वाइंट बदलना

दिनांक 26.03.2010 को पहली बार एल एल आर अस्पताल के माड्यूलर ऑपरेशन थिएटर में पहली बार कूल्हे के जोड़ को बदलने के लिए सुपर स्पेशलिस्ट आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. शुभंग अग्रवाल के सहयोग से हिप ज्वाइंट रिप्लेसमेंट ऑपरेशन किया

गया। ऑपरेशन सफल रहा। अब यह ऑपरेशन सफलतापूर्वक नियमित रूप से किए जाते हैं।

6.4 आर्थोस्कोपी ऑफ ज्वाइंट

इसके द्वारा ज्वाइंट सर्फेस और ज्वाइंट कंटेन्ट की जांच सीधे रूप से आर्थोस्कोप द्वारा की जाती है और विभिन्न डायग्नोस्टिक एवं अरेटिव प्रक्रियाएं की जा सकती हैं।

6.5 ओरल हेल्थ चैकअप

वर्ष के दौरान रेडिका परिसर में विभिन्न स्कूलों में चैकअप किए गए जिनमें लगभग 460 बच्चों की जांच की गई। बच्चों को स्वस्थ दांतों के महत्व के बारे में और इन्हें साफ एवं स्वस्थ रखने के बारे में बताया गया।

6.6 इन्टेंसिव केयर यूनिट

एल एल आर अस्पताल में 6 बिस्तर का वातानुकूलित इन्टेंसिव केयर यूनिट दिनांक 11.06.2008 आरंभ किया गया है। इससे गंभीर रोगियों तथा पोस्ट ऑपरेटिव मामलों में शीघ्र स्वास्थ्य लाभ में सहायता मिलेगी।

6.7 टोकन डिस्पले प्रणाली

भारतीय रेलवे में टोकन डिस्पले प्रणाली पहली बार दिनांक 23.08.2008 से आरंभ की गई है और यह संतोषजनक ढंग से कार्य कर रही है। इसके आरंभ होने से रोगियों को पंजीकरण से पहले वर्तमान टोकन के साथ-साथ कुल टोकनों की स्थिति का पता चलता है। रोगियों ने इसकी भरपूर सराहना की और प्रणाली सुचारू रूप से कार्य कर रही है।

6.8 AIDS कंट्रोल प्रोग्राम

लाजपत राय अस्पताल में NACO (नेशनल एड्स कंट्रोल आर्गेनाइजेशन) के दिशा निर्देशों के अधीन AIDS कंट्रोल प्रोग्राम आयोजित किया गया। चिकित्सा विभाग के कर्मचारियों तथा आम लोगों को इस बीमारी के संबंध में और उपचार संबंधी जानकारी दी गई। मैडिकल तथा पैरा-मैडिकल कर्मचारियों को नियमित रूप से AIDS के बचाव एवं नियोजक हेतु सेंटर अस्पताल नई दिल्ली (नेशनल एड्स कंट्रोल आर्गेनाइजेशन) द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण में भेजा जाता है।

सेटिनल सर्वे

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार लाला लाजपत राय अस्पताल की प्रयोगशाला में HIV की जांच हेतु 1000 रोगियों के 100 टेस्ट किए गए और सभी टेस्ट निगेटिव पाए गए।

STD क्लीनिक

STD के लिए पुरुषों और महिलाओं के लिए विशेष सप्ताहिक क्लीनिक आरम्भ किए गए।

6.9 5-S प्रणाली

नवम्बर 2010 में एल एल आर अस्पताल सिंहत रेडिका में 5-S प्रणाली का सर्वेलेंस लेखा परीक्षा की गई। एल एल आर

अस्पताल को अप्रैल 2010 से सितम्बर 2010 तक कार्य स्थल प्रबंधन को बनाए रखने हेतु 5-S उत्कृष्टता प्रमाण पत्र दिया गया। एल एल आर अस्पताल को कार्य स्थल प्रबंधन को बनाए रखने हेतु पुनः अक्टूबर 2010 से मार्च 2011 तक सर्वेलेंस लेखा परीक्षा के दौरान उत्तम अस्पताल घोषित किया गया।

6.10 बायोमैडिकल वेस्ट मैनेजमेंट

अस्पताल में PPCB के दिशानिर्देशों एवं 150 विनिर्दिष्टों के अनुसार बायोमैडिकल वेस्ट मैनेजमेंट की जाती है। बायोमैडिकल वेस्ट को उत्पन्न होने वाले स्थान पर ही दो रंगों के डस्टबिनों में अलग किया जाता है और PPCB के निर्देशों के अनुसार इसका पिटान किया जाता है। यह कार्य PPCB के अनुमोदित ठेकेदार करता है जोकि बायोमैडिकल वेस्ट को एकत्र करता है और पिटान के लिए ले जाता है।

ठेकेदार द्वारा लेकर जाई गई बायोमैडिकल

वेस्ट की कुल मात्रा 895.50 Kg

ठेकेदार द्वारा शेडिंग के लिए लेकर जाई गई

वेस्ट की कुल मात्रा 1207.05 Kg

अस्पताल वेस्ट को किसी अन्य वेस्ट के साथ नहीं मिलाया जाता है। अस्पताल वेस्ट के जेनरेशन/डिस्पोजल के लिए प्राधिकार पंजाब प्रदूषण नियंत्रण पटियाला के दिनांक 10.4.2002 एवं 23.10.2002 के पत्र द्वारा दिया गया है।

6.11 मर्करी का सुरक्षित ढंग से रखरखाव

मर्करी वेस्ट के सुरक्षित रखरखाव हेतु अलग प्रोटोकाल बनाया गया है। मर्करी के एक्सपोजर को कम करने के लिए मर्करी थर्मामीटर के स्थान पर डिजिटल थर्मामीटर के प्रयोग किया जा रहा है।

6.12 कम्प्यूटराइजेशन

अस्पताल में कम्प्यूटर के स्वतंत्र नेटवर्क प्रशासनिक भवन में एक ट्रमिनल के साथ सर्वर के माध्यम से जुड़ा है तथा दूसरे को LAN केबल द्वारा जोड़ा गया है। एक पूर्णतः अस्पताल इफॉर्मेशन सिस्टम (HMS) सॉफ्टवेयर को सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रोग्रामरों की सहायता से विकसित किया गया है। जटिल डाटा की नियमित रूप से बैकअप लाई जाती है। इय सॉफ्टवेयर का उद्देश्य अस्पताल के महत्वपूर्ण रिकार्ड को क्रमबद्ध करना और अस्पताल के रिकार्ड की विश्वसनीयता एवं पारदर्शिता में सुधार करना है। रेडिका कर्मचारियों और उनके परिवारकी ओपीडी रजिस्ट्रेशन के अतिरिक्त सभी परिवार नियोजन और टीकाकरण, परिवार कल्याण परिवार के आदि आंकड़े डाटाबेस में रखे जा रहे

हैं। मैडिकल सामान की सूची, दवाइयों की खरीद, दवाइयों की प्राप्ति व इशु करना, प्रयोगशाला की रिपोर्ट रेफर किए गए मामले, इत्यादि को उपलब्ध सॉफ्टवेयर की सहायता से कम्प्यूटर में रखा जा रहा है।

डॉक्टरों के कक्षों में प्रयोग करने हेतु OPD मैनेजमेंट मॉड्यूल को चालू किया गया है। इंडोर माड्यूल और OHSAS हेल्थ स्क्रीनिंग वर्ष के दौरान लागू किए गए हैं।

6.13 चिकित्सा जांच

रेडिका के कर्मचारियों तथा नियुक्ति के लिए नए उम्मीदवारों की चिकित्सा जांच हमारे अस्पताल में की जाती है - वर्ष के दौरान चिकित्सा परीक्षा 423

वर्ष के दौरान आयोजित मैडिकल बोर्ड 06

6.14 चिकित्सा दवा भंडार

बहुत सी दवाएं लिमिटेड टेंडरों द्वारा वार्षिक आधार पर खरीदी जाती हैं। रेडिका के कर्मचारियों के लिए अच्छी क्वालिटी की दवाएं प्रतिष्ठित कंपनियों से खरीदी जाती हैं। मैडिकल स्टोर पूर्ण रूप से कम्प्यूटरीकृत है। इसमें मेन स्टोर, सब-स्टोर और दवाइयों की स्थानीय खरीद शामिल हैं। सभी रखरखाव प्रबंधन HMS के द्वारा किया जाता है। नियमित प्रयोग होने वाली दवाओं की पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति बनाए रखने के प्रयास किए जाते हैं।

6.15 हिंदी पुरस्कार

वर्ष 2010-11 के दौरान चिकित्सा विभाग को हिंदी में अच्छा काम करने के लिए रेलवे बोर्ड की सामूहिक पुरस्कार योजना कि अंतर्गत प्रथम पुरस्कार दिया गया।

6.16 सेंट जॉन एम्बुलेंस

रेल कोच फैक्टरी, कपूरथला की सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड में 219 सदस्य (एम्बुलें डिवीजन और 279 स्कूली बच्चे कैडिट डिवीजन (लड़के एवं लड़कियाँ हैं) स्थानीय और वार्षिक ट्रेनिंग कैंप आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड ने 120 कर्मचारियों और 156 लड़के तथा लड़कियों को प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने आरसीएफ के विभिन्न आयोजनों जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस में भाग लिया और विभिन्न आयोजनों, विभिन्न त्योहारों जैसे बैसाखी, दीवाली के अवसरों पर प्राथमिक चिकित्सा उपलब्ध करवाई गई। इसके अतिरिक्त सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड ने दिनांक 10.5.2010 से 22.5.2010 तक गंगटोक डब्ल्यू बी में वार्षिक कैंप में भाग लिया। उन्होंने सेंट जॉन एम्बुलेंस सदस्यों के लिए दिनांक 28.05.2010 से 31.08.2010 तक स्विमिंग पूल आरसीएफ में स्विमिंग ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया।

8.0 स्वास्थ्य एवं सफाई

अस्पताल में सफाई की व्यवस्था हेतु एक वरिष्ठ स्वास्थ्य निरीक्षक 03 स्वास्थ्य निरीक्षक और 16 सफाईवाले 29 मंजूर पदों पर कार्य करते हुए अस्पताल, कालोनी तथा वर्कशाप में मलेरिया रोधी छिड़काव का कार्य कर रहे हैं। वर्ष 2010-11 में निम्नलिखित कार्य किए गए –

बैक्टीरियोज लॉजिकल टेस्ट

नमूने टेस्ट किए गए 296

संतोषजनक पाए गए 282

% संतोषजनक पाए गए 95%

रेसीड्यूअल क्लोरीन टेस्ट

नमूने टेस्ट किए गए 3308

संतोषजनक पाए गए 3264

% संतोषजनक पाए गए 98.6%

असंतोष नमूनों की रिपोर्ट सिविल इंजीनियरिंग विभाग को निवारक उपायों हेतु भेजी जाती है।

सतर्कता

1.0 सामान्य

सतर्कता संगठन का मुख्य लक्ष्य आरसीएफ के अधिकारियों, कर्मचारियों तथा पर्यवेक्षकों में सतर्कता जागरूकता पैदा करना है। सतर्क रहना स्वयं कर्मचारी का मौलिक कार्य है और सतर्कता संगठन का मुख्य कार्य प्रशासनिक कार्यों में सभी स्तरों पर सहायता करना है। इसलिए, निवारक और शैक्षिक सतर्कता पर विशेष बल दिया जाता है। सतर्कता के प्रति जागरूकता लाने के लिए दिनांक 25.10.2010 से 01.11.2010 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया तथा आरसीएफ के सतर्कता संगठन द्वारा 11 वां सतर्कता बुलेटिन जारी किया गया ताकि कर्मचारियों को अपने दिन-प्रतिदिन के कार्य में जागरूक रहने की शिक्षा प्राप्त हो।

2.0 संगठन

मुख्य सतर्कता अधिकारी (अंशकालिक)	- 01
उप मुख्य सतर्कता अधिकारी	- 01
गैर राजपत्रित श्रेणी (ग्रुप सी)	- 03
गैर राजपत्रित श्रेणी (ग्रुप डी)	- 02

3.0 उपलब्धियां

आरसीएफ के सतर्कता संगठन द्वारा वर्ष 2010-11 के दौरान प्राप्त उपलब्धियां निम्न प्रकार हैं -

3.1 निवारक जांच

क) की गई निवारक जांचों की संख्या	- 48
ख) अन्वेषण की गई निवारक जांचों की सं.	- 47

3.2 शिकायतें

क) प्राप्त शिकायतों की सं.	- 125
----------------------------	-------

ख) शिकायतों की सं. जिसका अन्वेषण किया गया	- 60
ग) दर्ज की गई शिकायतों की (गुमनाम)	- 45

घ) संबंधी विभाग को भेजी गई शिकायतों की सं. (सतर्कता विभाग से संबंधित नहीं होने के कारण)	- 24
---	------

ड) शिकायतों की जांच की गई	- 43
---------------------------	------

3.3 जिन मामलों में डी एंड आर कार्रवाई की गई

क) राजपत्रित	- 05
ख) गैर राजपत्रित	- 08

3.4 डी एंड आर कार्रवाई के लिए कर्मचारियों की सं.

क) राजपत्रित	
बड़ी शास्ति	- कोई नहीं
छोटी शास्ति	- 07

ख) गैर राजपत्रित	
बड़ी शास्ति	- कोई नहीं
छोटी शास्ति	- 06

3.5 डी एंड आर कार्रवाई के लिए कर्मचारियों की सं.

क) राजपत्रित	- 02
ख) गैर राजपत्रित	- 14

3.6 प्रशासनिक कार्रवाई के लिए नामित कर्मचारियों की सं.

क) राजपत्रित	- 04
ख) गैर राजपत्रित	- 03

3.7 मामलों की सं. जिससे प्रणाली में सुधार हुआ

	- 09
--	------

3.8 सतर्कता गतिविधियों के कारण रेलवे को हुई अतिरिक्त आय

	- Rs.2.92 लाख
--	---------------

सुरक्षा

1.0 सामान्य

रेलवे सुरक्षा बल एक सशस्त्र बल है, रेल डिब्बा कारखाना में रेलवे सम्पत्ति एवं कर्मचारियों की सुरक्षा के लिये श्वान दल सहित 252 बल सदस्यों की संख्या स्वीकृत की गई है। इनमें से 24 पद अग्नि शमन केन्द्र के उतपादन कैंडर के द्वारा उपलब्ध है। सुरक्षा आयुक्त रेलवे सुरक्षा बल के प्रमुख हैं। इस युनिट का प्रशासनिक नियन्त्रण अपर महानिदेशक-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रे.सु.बल, उ.रे./बडौदा हाऊस, नई दिल्ली के अधीन और सामान्य प्रबंधन महाप्रबन्धक/रे.डि.का. के अधीन है।

2.0 नियुक्ति एवं प्रशिक्षण

रेलवे सुरक्षा बल सदस्यों की तैनाती की अवधि रे.डि.का. कारखाना में 05 वर्ष का है। फिरोजपुर, अम्बाला मंडल व रेल डिब्बा कारखाना में बल को नियमित रूप से विभिन्न रैंको का स्थानांतरण अपर महानिदेशक/रे.सु.बल द्वारा किया जाता है। बल सदस्यों को हथियारों के रख-रखाव के साथ एवं उनके प्रयोग के बारे में निपुणता हासिल करने एवं शारीरिक फिटनेस के लिये ट्रेनिंग दी जाती है। अग्नि शमन शाखा में रेलवे सुरक्षा बल कार्यकारी शाखा के बल सदस्य ही तैनात है जिनको फायर उपकरणों के प्रयोग के बारे में स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण किया जाता है।

3.0 आवास

71 रे.सु.बल सदस्यों को बैरिक में आवासीय सुविधा उपलब्ध है जबकि 70 बल सदस्यों को रेलवे आवास आबटिंत है। रे.सु.बल बैरिक में सभी प्रकार आधुनिक सुविधायुक्त रसोई घर, मनोरंजन कक्ष, वाटर फिल्टर सहित वाटर कूलर उपलब्ध करवाया गया है। रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारियों को फिट एवं स्वस्थ रखने के लिए रे.सु.बल बैरिक में आधुनिक उपकरणों वाली एक व्यायामशाला भी उपलब्ध करवाई गई है। मनोरंजन के लिए टाटा स्काई डिश के साथ 29 इंच का रंगीन टी.वी. भी उपलब्ध है। बैरिक में स्टाफ के लिये कमरों में डैजर्ट कूलर लगाये गये हैं।

4.0 अग्निशमन

यद्यपि रे.सु.बल में अग्निशमन शाखा को बंद किया जा चुका है अब रे.सु.बल में अग्निशमन शाखा की कोई भर्ती एवं प्रशिक्षण नहीं है, लेकिन महाप्रबन्धक/रे.डि.का. ने अग्नि शमन शाखा के लिये बिना ट्रेनिंग एवं भर्ती 24 पद सृजित किये हैं। अग्नि शमन शाखा का कार्य रे.सु.बल कार्यकारी शाखा द्वारा किया जा रहा है। अग्नि शमन शाखा में तैनात बल सदस्यों को अग्निशमन उपकरणों के प्रयोग के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी गई है। वर्तमान में

अग्निशमन शाखा में एक फायर टैंडर, एक ट्रैलर पंप व एक पोर्टेबल पंप उपलब्ध है। अग्नि शमन शाखा के उपकरणों का रख-रखाव एवं प्रबन्धन सम्बन्धित विभाग (एम.एच.) द्वारा किया जाता है। चालू वर्ष में रे.सु.बल फायर स्टाफ द्वारा 22 रेल कर्मचारियों को उनकी शापों में अग्निशमकों को प्रयोग करने की ट्रेनिंग दी गई।

5.0 श्वान शाखा

रेलवे सुरक्षा बल के पास चार श्वानों की स्वीकृत संख्या है (दो सनीफर व दो ट्रैकर)। जिनको वर्कशाप गेटों पर व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर विस्फोटक पदार्थों की चेंकिंग व अपराधिक गतिविधियों को चैक करने के लिये प्रयोग में लाया जा रहा है।

6.0 अपराध में नियंत्रण

वर्ष 2010-2011 में कुल 27 मामले रेलवे सम्पत्ति (अवैध कब्जा) अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत किये गये हैं व कुल 53425/- मूल्य की चोरी हुई रेलवे सम्पत्ति बरामद की गई व 56 अपराधियों की गिरफ्तारी अमल में लाई गई। बल द्वारा कड़ी निगरानी के चलते 169 अवैध व्यक्तियों को प्रतिबन्धित क्षेत्र/रे.डि.का. में प्रवेश करने पर रेलवे अधिनियम की अलग-अलग धाराओं में कार्यवाही करते हुये पकडा व न्यायलय में पेश किया गया, जिनसे न्यायलय द्वारा 105900/- बतौर जुर्माना वसूल किया गया। रे.सु.बल स्टाफ 24 घण्टे टाऊनशिप व फैक्टरी के आने-जाने वाले गेटों पर तैनात रहते हैं।

7.0 सुरक्षा व्यवस्थाएं

चालू वर्ष में वर्कशाप व टाऊनशिप एरिया की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने पर संतोषजनक पाई गई। एरिया में रे.सु.बल स्टाफ द्वारा वाहन नियमों की उल्लंघना करने वालों के खिलाफ समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। सुरक्षा व्यवस्था को नियंत्रण में रखने के लिये सिविल पुलिस व प्रशासन एवं रेलवे प्रशासन के साथ समय-समय पर गोष्ठी की जाती है। रेडिका में अवैध प्रवेश रोकने व बेहतर सुरक्षा व्यवस्था हेतु रे.सु.बल द्वारा समय-समय द्वारा विशेष अभियान चलाये जाते हैं। अपराधियों एवं रे.डि.का. परिसर में अवैध प्रवेश रोकने हेतु आने-जाने वाले मुख्य गेटों पर सी.सी.टी.वी. लगाये गये हैं।

8.0 आधुनिकीकरण

बल के कार्य की क्षमता को बढ़ाने के लिये बल को आधुनिक वस्तुओं जैसे डिजीटल सटिल कैमरा, मेटल डीटेक्टर, फिंगर किट, लाऊड हैलर, फोटोस्टेट व फैक्स मशीन, कम्प्यूटर, बुलैट



परुफ जैकट व हैल्मट, बम्ब बास्केट व रैटरो रिफ्लैक्टिव सटिक, रीचार्जबल टार्च, सिकोरिटी अलार्म सिस्टम, नाईट विजन बिनोकुलर व डे विजन बिनोकुलर उपलब्ध कराये गये है

9.0 खेलकूद

रे.सु.बल/रे.डि.का. के बल सदस्य, रे.सु.बल उत्तर रेलवे एवं रेडिका में होने वाली सभी खेलकूद प्रतियोगितायों में भाग लेते है।

10.0 अन्य

वर्ष 2010-2011 में रे.सु.बल/रे.डि.का. से 10 स्टाफ केरल विधान सभा चुनाव ड्यूटी के लिए कोयम्बटूर में तैनात किया गया है और 05 रे.सु.बल स्टाफ को बंदोबस्त ड्यूटी के लिये हावड़ा तैनात किया जा रहा है।

खेल – कूद

1.0 सामान्य

आरसीएफ हमेशा से ही खेलों के प्रति समर्पित रहा है। वर्ष 2010-11 के दौरान आरसीएफ ने खेल के क्षेत्र में कई उपलब्धियां हासिल की और उसके खिलाड़ियों ने देश का नाम रौशन किया। आरसीएफ में एस्ट्रोटेर्फ हॉकी सटेडियम, क्रिकेट स्टेडियम, फ्लडलिट बास्केटबाल कोर्ट, आधुनिक जिम्नेजियम और खेल सुविधाएं आदि उपलब्ध हैं। आरसीएफ संघ द्वारा निम्नलिखित टूर्नामेंट का आयोजन कराया गया

- आरसीएफ कपूरथला में 31.01.2011 से 06.02.2011 तक 68वें ऑल इंडिया रेलवे फुटबाल चैंपियनशिप के लीग फेज का आयोजन किया गया। 4 क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों से लगभग 100 खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया।
- आरसीएफ कपूरथला में 14.03.11 से 19.03.11 तक 69वें ऑल इंडिया रेलवे पुरुष हॉकी चैंपियनशिप के लीग फेज का आयोजन किया गया। 5 क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों से लगभग 100 खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया।
- आरसीएफ कपूरथला में 42 मार्च 2011 को 32वें इंडिया रेलवे महिला हॉकी चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। 7 क्षेत्रीय रेलों और उत्पादन इकाइयों से लगभग 160 खिलाड़ियों और अधिकारियों ने इस चैंपियनशिप में भाग लिया। श्री गुरदेव सिंह, वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी तथा अध्यक्ष/ रेडिका, खेल संघ इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए।

युवा वर्ग की शक्तियों के बेहतर उपयोग के लिए विभिन्न खेलों को एक बार की प्रक्रिया की बजाए एक आदत के रूप में प्रोत्साहित किया गया। इसके तहत घर-घर तक खेल कलचर को पहुंचाने के लिए टाउनशिप में जगह-जगह पर वॉलीबाल कोर्ट बनाए गए हैं। फुटबाल, क्रिकेट, टग ऑफ वार आदि खेलों के लिए इंटर डिपार्टमेंट और क्लब टूर्नामेंट आयोजित किए गए। मंथली मेडल राउंड गोल्फ टूर्नामेंट का भी नियमित रूप से आयोजन किया गया।

2.0 एथलेटिक्स

आरसीएफ की क्रास कंट्री टीम ने उदयपुर में 15 दिसंबर 2011 को आयोजित ऑल इंडिया क्रास कंट्री चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

2.1 श्री सतनाम सिंह ने कोचीन (केरल) में 15 से 18 मई 2010 तक आयोजित 50वीं ओपन नेशनल चैंपियनशिप में

भारतीय रेलवे एथलेटिक टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1500 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीता। उन्होंने 19वें कॉमन वेल्थ गेम्स 2010 और 16वें एशियन गेम्स 2010 के लिए नेशनल कोचिंग कैम्प में भाग लिया। उन्होंने चेन्नई में 9 से 11 फरवरी 2011 तक आयोजित 76वें ऑल इंडिया रेलवे एथलेटिक चैंपियनशिप में 800 और 1500 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। उन्होंने रांची में 12 से 26 फरवरी 2011 तक आयोजित 34वें नेशनल गेम्स में पंजाब एथलेटिक टीम का प्रतिनिधित्व किया और 800 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता। उन्होंने कोचीन (केरल) में 15 से 18 मई 2011 तक आयोजित 50वें ओपन नेशनल चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे एथलेटिक टीम का प्रतिनिधित्व किया और डिस्कस थ्रो में कांस्य पदक जीता। भारतीय रेलवे ने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। अमनप्रीत ने 13 से 16 दिसम्बर 2010 तक आगरा में आयोजित महिला राष्ट्रीय एथलेटिक चैंपियनशिप में पंजाब एथलेटिक टीम का प्रतिनिधित्व किया और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीता। उन्होंने चेन्नई में 9 से 11 फरवरी 2010 तक आयोजित 76वें ऑल इंडिया रेलवे एथलेटिक चैंपियनशिप में डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीता।

2.2 श्री जतिन्दर पाल ने जालंधर में 26 जून 2010 को जालंधर में आयोजित कॉमन वेल्थ रन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

2.3 श्री तेजिन्दर सिंह ने जोधपुर में 30 जनवरी 2011 से आयोजित नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे एथलेटिक टीम का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय रेलवे एथलेटिक टीम ने रजत पदक जीता।

2.4 श्री जसविंदर सिंह को नई दिल्ली में 3 से 14 अक्टूबर 2010 तक आयोजित 19वें कॉमन वेल्थ गेम्स 2010 में तकनीकी अधिकारी नामित किया गया था।

2.5 आरसीएफ की क्रास कंट्री टीम ने 15 जनवरी 2011 को कादियां, गुरदासपुर में आयोजित 12 कि.मी. क्रास कंट्री चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता।

3.0 हॉकी

3.1 आरसीएफ की महिला हॉकी टीम ने 10 से 15 अक्टूबर 2010 तक अमृतसर में आयोजित 8वें ओएनजीसी और इंडिया महाराजा रणजीत सिंह जूनियर गोल्ड कप वूमन हॉकी टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। आरसीएफ की महिला हॉकी टीम ने 24 से 27 नवम्बर 2010 तक भोपाल में आयोजित नेशनल वूमन स्पोर्ट्स फेस्टिवल ग्रुप -11 में पंजाब हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया और कांस्य पदक जीता। आरसीएफ महिला

हाकी टीम ने 12 से 14 मार्च 2011 तक लुधियाना में आयोजित ऑल इंडिया साहिबजादा अजीत सिंह वूमन हॉकी चैंपियन ट्राफी में स्वर्ण पदक जीता। इस टीम ने आरसीएफ कपूरथला में 24 से 29 मार्च 2011 तक आयोजित ऑल इंडिया रेलवे वूमन हॉकी चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता।

3.2 आरसीएफ पुरुष हॉकी टीम ने भोपाल में 24 से 28 मार्च 2011 तक आयोजित ऑल इंडिया रेलवे पुरुष हाकी चैंपियनशिप में रजत पदक जीता।

3.3 कुमारी दीपिका, योगिता बाली, प्रीति सुनीला कीरो, रासालिंड एल राल्टे ने 17 से 24 मार्च 2010 तक जापान और चीन में इंडियन वूमन हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया।

कुमारी दीपिका, योगिता बाली, प्रीति सुनीला कीरो और मोनिका ने 27 से 31 जुलाई 2010 तक बुसैन (साउथ कोरिया) में आयोजित प्रथम एशिया चैंपियंस ट्राफी में भारतीय महिला हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व किया और कांस्य पदक जीता।

कुमारी दीपिका, रोसालिंड एल राल्टे और मोनिका ने 13 से 24 मई 2010 तक न्यूजीलैंड में आयोजित टेस्ट मैचों में भाग लिया। भारतीय महिला हॉकी टीम ने सिरीज जीती।

कुमारी दीपिका, रोसालिंड एल राल्टे और मोनिका ने कनाडा में 10 से 20 जून 2010 तक टेस्ट खेले और 21 से 28 जून 2010 तक जर्मनी में चार नेशनल हॉकी चैंपियनशिप खेले।

कुमारी दीपिका और मोनिका ने 29 अगस्त से 11 सितम्बर 2010 तक रोसेरो (अर्जेन्टीना) में विश्व कप हॉकी चैंपियनशिप में भाग लिया।

कुमारी दीपिका, योगिता बाली और रोसालिंड एल राल्टे ने 12 से 27 नवम्बर 2010 तक ग्वांग्डू (चीन) में आयोजित 16 वें एशियन गेम्स का प्रतिनिधित्व किया।

कुमारी दीपिका, योगिता बाली, प्रीति सुनीला कीरो और रोसालिंड एल राल्टे ने 3 से 14 अक्टूबर 2010 तक नई दिल्ली में आयोजित 19 वीं कॉमन वेल्थ खेलों में भाग लिया।

कुमारी दीपिका, योगिता बाली, और रोसालिंड एल राल्टे ने 21 से 30 जनवरी 2011 तक सोनीपत (हरियाणा) में आयोजित नेशनल वूमन हॉकी चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे महिला हाकी टीम का प्रतिनिधित्व किया।

भारतीय रेलवे महिला हॉकी टीम ने स्वर्ण पदक जीता। भोपाल में दिनांक 24 से 27 नवम्बर तक आयोजित राष्ट्रीय महिला खेल समारोह ग्रुप -II के लिए श्रीमती हरजीत कौर एवं शशि बाला को पंजाब महिला हॉकी टीम का कोच नियुक्त किया गया। पंजाब महिला हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता।

4.0 बास्केटबाल

दिनांक 26 नवम्बर से 3 दिसम्बर 2010 तक सिकंदराबाद में आयोजित 53 वें अखिल भारतीय रेलवे बास्केटबाल चैंपियनशिप में आरसीएफ की बास्केटबाल टीम ने रजत पदक प्राप्त किया। दिनांक 9 से 16 जनवरी 2011 तक कोटोयाम (केरल) में आयोजित अखिल भारतीय बास्केटबाल प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया।

4.1 श्री अर्जुन सिंह एवं श्री सादाब खान ने साना के यमन में 22 सितम्बर से 1 अक्टूबर 2010 तक आयोजित 21 वीं एफआइबीए एशिया अंडर -18 प्रतियोगिता में भारतीय बास्केटबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया।

4.2 श्री अर्जुन सिंह, श्री सादाब खान, श्री बरजिंदर कुमार एवं श्री हर्ष बर्धन ने दिनांक 28 दिसम्बर 2010 से 4 जनवरी 2011 तक नई दिल्ली में आयोजित 61 वीं नेशनल बास्केटबाल प्रतियोगिता में भारतीय रेलवे बास्केटबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया।

4.3 अर्जुन सिंह, श्री सादाब खान, श्री बरजिंदर कुमार 23 से 30 जनवरी 2011 तक मुंबई में आयोजित 6 वीं सेवियो कप डान बास्को बास्केटबाल चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे बास्केटबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया। भारतीय रेलवे बास्केटबाल टीम ने स्वर्ण पदक जीता।

4.4 श्री अर्जुन सिंह ने पंजाब बास्केटबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया और दिनांक 12 से 26 फरवरी 2011 तक रांची में आयोजित राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता।

4.5 श्री रंजन शर्मा ने दिनांक 28 दिसम्बर 2010 से 4 जनवरी 2011 तक नई दिल्ली में आयोजित 61 वीं राष्ट्रीय बास्केटबाल चैंपियनशिप में पंजाब बास्केटबाल टीम का प्रतिनिधित्व किया।

5.0 कुश्ती

5.1 श्री हरिकृष्ण ने (55 कि.ग्र. ग्रीको - रोमन स्टाइल) 19 वें राष्ट्र मंडल खेल - 2010 के लिए भारतीय कुश्ती कैंप में भाग लिया और 16 वीं एशियन गेम्स 2010 के लिए भारतीय कुश्ती प्रतियोगिता में भाग लिया। उन्होंने दिनांक 3 से 6 फरवरी 2011 तक वाराणसी में आयोजित 52 वीं अखिल भारतीय रेलवे कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पंजाब कुश्ती टीम का प्रतिनिधित्व किया और रांची में 12 से 26 फरवरी 2011 तक आयोजित 34 वें राष्ट्रीय खेलों में कांस्य पदक जीता।

5.2 श्री अजय कुमार (पहलवान ग्रीको - रोमन स्टाइल) ने

25 मार्च से 2 अप्रैल 2010 तक कराद, महाराष्ट्र में आयोजित 11 वीं स्वी साहब जादव चासक कुश्ती (फेडरेशन कप) में दिल्ली कुश्ती टीम का प्रतिनिधित्व किया और कांस्य पदक जीता। उन्होंने 3 से 6 फरवरी 2011 तक वाराणसी में आयोजित 52 वीं अखिल भारतीय रेलवे कुश्ती प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता।

5.3 श्री गुरदेव सिंह (पहलवान 120 कि.ग्रा. फ्री स्टाइल) ने रांची में दिनांक 25 से 28 दिसम्बर 2010 तक आयोजित 55 वें राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे टीम का प्रतिनिधित्व किया और रजत पदक जीता। उन्होंने दिनांक 3 से 6 फरवरी 2011 तक वाराणसी में आयोजित 52 वें अखिल भारतीय रेलवे कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

5.4 श्री गगनदीप (पहलवान) ने 12 से 26 फरवरी 2011 तक रांची में आयोजित 34 वीं नेशनल गेम्स में पंजाब कुश्ती टीम का प्रतिनिधित्व किया और कांस्य पदक जीता।

6.0 फुटबाल

आरसीएफ फुटबाल टीम ने दिनांक 19 सितम्बर से 10 अक्टूबर 2010 तक दोतया, आसाम में आयोजित 13 वीं दोहारू मुंगखलांग ट्रॉफी फुटबाल टूर्नामेंट में दूसरा स्थान प्राप्त किया। दिनांक 29.11.2010 को जम्मू में आयोजित 12 वीं अखिल भारतीय पुलिस शहीद फुटबाल प्रतियोगिता में टीम ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। जम्मू कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री जनाब अब्दुला ने आरसीएफ फुटबाल टीम की सराहना की।

आरसीएफ की फुटबाल टीम ने 22 से 27 फरवरी 2011 तक बिलासपुर छत्तीसगढ़ में आयोजित 67 वीं अखिल भारतीय रेलवे फुटबाल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता।

7.0 गोल्फ

आरसीएफ गोल्फ टीम ने दिनांक 29 से 31 अक्टूबर 2010 तक सिकंदराबाद में आयोजित मिड शेशन गोल्फ टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता और मुंबई में दिनांक 12 से 14 जनवरी 2011 तक आयोजित अखिल भारतीय रेलवे गोल्फ चैंपियनशिप में कांस्य पदक भी जीता।